NEET Bulletin Helpline No.
8800265682
Completely NEET Counselling Guidance specially for
MBBS BDS BAMS BHMS BUMS
B.Sc Nursing GNM D./ B. Pharma
BPT MPT D/BMLT D.Optometry
OT Technician Clinical Research
B.Sc Ag. Micro Bio Bio Chem
Bio tech. BNYS etc.

R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608

राष्ट्रीय हिंदी दैनिक

विजडम इंडिया

निर्भीक और बेबाक अभिव्यक्ति

EMAIL: sheelshukla100@gmail.com

लखनऊ से प्रकाशित

वर्ष: 14 **अंक:** 97 **लखनऊ,** **शुक्रवार** 22 **नवंबर** 2024 **मूल्य:** 02 **रुपये** **पृष्ठ-** 08

लोकसभा में क्लीन स्वीप करने के बाद दिल्ली विधानसभा चुनाव में डटी बीजेपी, नए चेहरों पर पार्टी लगा सकती है दांव

एजेंसी।

कुछ समय पहले संपन्न हुए लोकसभा चुनावों में जबरदस्त सफलता के बाद भारतीय जनता पार्टी दिल्ली विधानसभा चुनाव में भी नए चेहरों पर दांव लगाने जा रही है। आम चुनाव में जहां पार्टी ने 6 सांसदों का टिकट काट दिया था, तो वहीं विधानसभा चुनाव में भाजपा लगातार मात खा रहे प्रत्याशियों को भी दरकिनार करने के मूड में दिख रही है। दिल्ली के सत्ता से ढाई दशक से भी ज्यादा समय से दूर बीजेपी राजधानी के बदले हुए जातीय समीकरणों के आधार पर अपने टिकट तय करेगी। इसके लिए बीजेपी ने सर्वे के आधार पर तैयारी शुरू कर दी है। दिल्ली की सत्ता से कांग्रेस के हाथों 1998 में दूर हुई बीजेपी

को पहले डेढ़ दशक कांग्रेस ने, तो उसके बाद आम आदमी पार्टी ने दिल्ली की सत्ता से दूर रखा है और दिल्ली नगर निगम की सत्ता भी बीजेपी को आप के हाथों गंवानी पड़ी थी। इसलिए इस बार दिल्ली जीतने के लिए पार्टी समय रहते ही चुनावी रणनीति बनाने में जुट गई है। पार्टी के विश्वसनीय सूत्रों की मानें तो बीजेपी इस बार के चुनावी दंगल में बड़ी संख्या में नए प्रत्याशियों पर दांव लगाएगी। कुछ विधानसभा चुनावों से लगातार हार रहे नेताओं को इस बार चुनावी मैदान से बाहर कर नए चेहरों को मौका दिया जाएगा। तो वहीं कुछ पुराने दिग्गजों को भी चुनावी रण में उतारा जा सकता है। बीजेपी ने विधानसभा चुनाव की तैयारी में प्रदेश चुनाव समिति और घोषणापत्र समिति का ऐलान कर दिया है। दिल्ली के सभी प्रमुख नेताओं को इसमें रखने का प्रयास किया गया है। राजधानी की कई सीटों पर बदले जातीय समीकरण भाजपा दूसरे दलों के बड़े नेताओं पर भी नजर रख रही है। ऐसी सीटें जहां बीजेपी की स्थिति कमजोर है, वहां बाहरी प्रत्याशियों पर दांव लगाया जा सकता है। विधानसभा चुनाव के लिए हुए सर्वे में कई सीटों पर जातीय समीकरण बदले हुए नजर आए हैं। जिसके आधार पर बीजेपी चुनावी रणनीति बना रही है ।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह अमेरिकी समकक्ष से मिले, जेट इंजन पर बढ़ेगी बात

एजेंसी।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और उनके अमेरिकी समकक्ष लॉयड जे ऑस्टिन ने लाओस के वियनतियाने में मुलाकात की और परिचालन समन्वय, सूचना–साझाकरण और औद्योगिक सहयोग और नवाचार में वृद्धि पर जोर देते हुए भारत–अमेरिका रक्षा साझेदारी में प्रभावशाली प्रगति की सराहना की। रक्षा मंत्रालय ने न्यू में जारी एक बयान में कहा कि दोनों पक्षों ने अमेरिका–भारत रक्षा औद्योगिक सहयोग रोडमैप के तहत की गई उल्लेखनीय प्रगति को मान्यता दी, जिसमें जेट इंजन, युद्ध सामग्री और ग्राउंड मोबिलिटी सिस्टम के लिए प्राथमिकता वाले सह–उत्पादन व्यवस्था को आगे बढ़ाने के लिए चल रहा सहयोग शामिल है। सिंह और ऑस्टिन ने 11वीं आसियान रक्षा मंत्रियों की बैठक (एडीएमएम)–प्लस से इतर बातचीत की। पिछले साल अपनाया गया रोडमैप, हवाई युद्ध और भूमि गतिशीलता प्रणाली, खुफिया, निगरानी और टोही, युद्ध सामग्री और पानी के नीचे के क्षेत्र सहित महत्वपूर्ण क्षेत्रों में तेजी से प्रौद्योगिकी सहयोग और सह–उत्पादन करना चाहता है। दोनों नेताओं ने आखिरी बार अगस्त में अमेरिका में मुलाकात की थी और द्विपक्षीय संबंधों को गहरा करने के लिए व्यापक बातचीत की थी। इस बातचीत में रक्षा सहयोग, औद्योगिक सहयोग, क्षेत्रीय सुरक्षा, भारत–प्रशांत क्षेत्र

और अन्य मुद्दों पर प्रकाश डाला गया था। भारत और अमेरिका ने तब रक्षा सहयोग को मजबूत करने के लिए अप्रत्याशित आपूर्ति श्रृंखला व्यवधानों को हल करने के लिए रक्षा वस्तुओं और सेवाओं की पारस्परिक आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए आपूर्ति व्यवस्था की सुरक्षा (एसओएसए) आपसी हित के मामलों पर सहयोग, समझ, अंतरसंचालनीयता और जानकारी साझा करने को बढ़ाने के लिए संपर्क अधिकारियों की नियुक्ति से संबंधित दो प्रमुख समझौतों पर हस्ताक्षर किए थे।

विधानसभा चुनाव में अरविंद केजरीवाल की सीट पर मजबूत उम्मीदवार ढूँढने में जुटी भाजपा तीन नामों पर हुई चर्चा

एजेंसी।

दिल्ली विधानसभा चुनावों को लेकर सभी पार्टियों के बीच सरगर्मी तेज होने लगी है। कई दशकों से देश की राजधानी की सत्ता से बाहर रही भारतीय जनता पार्टी को इस बार उम्मीद है प्रदेश कि जनता दिल्ली में कमल खिलाने जा रही है। बिना किसी शक की गुंजाइश के अरविंद केजरीवाल पार्टी के मुख्यमंत्री पद का चेहरा होंगे। दिल्ली में अगले साल होने वाले विधानसभा चुनावों को लेकर सभी पार्टियों के बीच सरगर्मी तेज होने लगी है। कई दशकों से देश की राजधानी की सत्ता से बाहर रही भारतीय जनता पार्टी को इस बार उम्मीद है प्रदेश कि जनता दिल्ली में कमल खिलाने जा रही है। पिछले 10 साल से सत्ता पर काबिज आम आदमी पार्टी को अपने कार्यों पर भरोसा है कि वह दिल्ली की सत्ता में पूर्ण बहुमत के

साथ लौटेगी। बिना किसी शक की गुंजाइश के अरविंद केजरीवाल पार्टी के मुख्यमंत्री पद का चेहरा होंगे। हालांकि, बीजेपी की ओर से मुख्यमंत्री पद का चेहरा कौन होगा, यह अभी तय नहीं है। भाजपा ने आम आदमी पार्टी को चुनौती देने के लिए तैयारी तेज कर दी है। जिसमें सबसे खास सीट है नई दिल्ली की विधानसभा की। इस सीट से अरविंद केजरीवाल लगातार जीतते आए हैं। केजरीवाल इस सीट पर साल 2013, 2015 और 2020 में चुनाव जीत चुके हैं। ध्यान देने वाली बात यह है कि 2014 और 2019 में नई दिल्ली की लोकसभा सीट बीजेपी के खाते में आई थी। लेकिन, इस सीट पर जब विधानसभा के चुनाव हुए तो बीजेपी उम्मीदवार केजरीवाल के सामने टिक नहीं सके।साल 2015 में बीजेपी ने केजरीवाल के खिलाफ नुपुर शर्मा को चुनावी रण में उतारा था और साल 2020 के चुनाव में सुनील कुमार यादव को। लेकिन, दोनों ही बार अरविंद केजरीवाल जीतने में कामयाब रहे। ऐसा माना जा रहा है कि केजरीवाल एक बार फिर अपनी सुरक्षित सीट नई दिल्ली से ही विधानसभा चुनाव लड़ेंगे। अगर ऐसा होता है तो वह चौथी बार इस सीट से चुनाव लड़ेंगे। केजरीवाल जहां जीत का चौका मारने के लिए मैदान में होंगे। तो वहीं, बीजेपी इस सीट पर केजरीवाल को मात देना चाहेगी। जिसको लेकर बीजेपी मजबूत उम्मीदवार को उतारने की तैयारी में है। बीजेपी का एक वर्ग चाहता है कि केजरीवाल के सामने पूर्व केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी को विधानसभा चुनाव में उतारा जाए। नई दिल्ली से 2024 में लोकसभा का चुनाव जीतने वाली बांसुरी स्वराज भी बीजेपी के लिए एक विकल्प है।

आम आदमी पार्टी ने अडानी पर रिश्वतखोरी के आरोप लगाए, पीएम मोदी से पूछताछ की मांग

लखनऊ(आरएनएस)आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनके करीबी मित्र गौतम अडानी पर गंभीर आरोप लगाए हैं। संजय सिंह ने दावा किया कि अडानी समूह ने भारत में 12,000 मेगावॉट बिजली आपूर्ति के लिए ठेके हासिल करने के बदले में 2,125 करोड़ रुपये की रिश्वत दी। इस परियोजना में अमेरिकी कंपनियों ने भी 25,000 करोड़ रुपये का निवेश किया था, जिसके डूबने के डर से अमेरिकी अदालत ने इस मामले की जांच की।संजय सिंह के अनुसार, जांच में यह खुलासा हुआ कि अडानी के भतीजे

सागर अडानी ने अधिकारियों को रिश्वत दी थी, और इस बारे में सबूत भी मिले हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री मोदी ने अपने मित्र अडानी के लिए राज्य सरकारों पर दबाव डाला कि महंगी बिजली खरीदी जाए, जिससे जनता को आर्थिक नुकसान हुआ।संजय सिंह ने इस मामले की जांच सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में कराए जाने की मांग की और प्रधानमंत्री से पूछताछ करने की अपील की। उन्होंने कहा कि अडानी समूह को हर क्षेत्र में लाभ पहुंचाने के लिए मोदी सरकार ने अनुकूल माहौल बनाया है, चाहे वह बिजली हो, हवाई अड्डे हों या कोयला खनन।संजय सिंह ने यह भी कहा कि अरविंद केजरीवाल की सरकार ने दिल्ली में अडानी ग्रीन एनर्जी को प्रवेश करने से रोका और दिल्ली की जनता को महंगी बिजली से बचाया। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि भाजपा सत्ता में आई तो दिल्ली में भी महंगी बिजली का बोझ पड़ेगा।

बिहार में बिछेगा सड़कों का जाल, नितिन गडकरी बोले– 2029 तक होंगे अमेरिका जैसे हाई–वे

एजेंसी।

पटना बिहार गडकरी ने एक्स पर लिखा कि आज लोकार्पित हुए हसनपुर से बख्तियारपुर मार्ग चौड़ीकरण से नालंदा और पटना जिलों को लाभ होगा। साथ ही यह मार्ग झारखंड राज्य से बिहार को बेहतर कनेक्टिविटी प्रदान करेगा। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने गुरुवार को दावा किया कि 2029 तक, जब भाजपा के नेतृत्व वाला एनडीए केंद्र में सत्ता में 15 साल पूरे करेगा, बिहार का राष्ट्रीय राजमार्ग नेटवर्क संयुक्त राज्य अमेरिका के नेटवर्क को टक्कर देगा। केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री गडकरी ने बोधगया में लगातार कार्यक्रमों में बोलते हुए यह बयान दिया। मंत्री ने कहा कि बिहार में सड़क संरचना में तेजी से प्रगति देखी जा रही है। उन्होंने कहा कि मैं वादा करता हूं कि मौजूदा पांच साल के कार्यकाल के बाद, जब हम सत्ता में 15 साल पूरे करेंगे, तो बिहार का नेटवर्क अमेरिका के बराबर होगा। उन्होंने आगे

कहा कि पिछले कुछ वर्षों में राज्य के सड़क नेटवर्क में काफी सुधार देखा गया है। उन्होंने कहा, "बिहार के सड़क नेटवर्क में पिछले कुछ वर्षों में जबरदस्त सुधार देखा गया है और एनडीए सरकार आगे विकास के लिए काम करना जारी रखेगी।" उन्होंने 3,700 करोड़ रुपये की परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। गडकरी ने जोर दिया कि बिहार और भारत की सांस्कृतिक विरासत का केंद्र बोधगया, आज नई परियोजनाओं के उद्घाटन और शिलान्यास के साथ त्वरित विकास के लिए तैयार है। गडकरी ने एक्स पर लिखा कि आज लोकार्पित हुए हसनपुर से बख्तियारपुर मार्ग चौड़ीकरण से नालंदा और पटना जिलों को लाभ होगा। साथ ही यह मार्ग झारखंड राज्य से बिहार को बेहतर कनेक्टिविटी प्रदान करेगा। यह परियोजना यातायात और माल ढुलाई को आसान करेगी और व्यापार तथा उद्योगों को भी प्रोत्साहित करेगी। इन सभी परियोजनाओं का लाभ क्षेत्र के विकास में महत्वपूर्ण साबित होगा। बोधगया और राजगीर जैसे महत्वपूर्ण पर्यटन स्थल बेहतर कनेक्टिविटी से जुड़ जाएंगे। इस कार्यक्रम के दौरान आज अन्य नई परियोजनाओं की घोषणा की गई। 5100 करोड़ रुपए की लागत से 90 किमी लंबाई के मोकामा से मुंगेर मार्ग का चौड़ीकरण जो धार्मिक स्थल अशोकधाम और बड़हिया स्पर की घोषणा की। पश्चिम चंपारण में बेतिया के पास 2500 करोड़ रुपए की लागत से गंडक नदी पर 11 किमी 4–लेन ब्रीज तथा 19 किमी एप्रोच रोड की घोषणा की। बिहार में राष्ट्रीय राजमार्ग पर 1250 करोड़ रुपए की लागत से 11 रेल ओवर ब्रिज और 9 शहरों में आरओबी की घोषणा की।

उत्तर प्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा शीतलहर प्रबंधन पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ

लखनऊ,(आरएनएस) उत्तर प्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा आयोजित ष्शीतलहर प्रबंधन – शीतलहर से निपटने की तैयारीष विषय पर दो दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ 21 नवंबर 2024 को जल एवं भूमि प्रबंधन संस्थान, उतरेटिया, तेलीबाग, लखनऊ में किया गया। इस प्रशिक्षण में प्रदेश के 75 जनपदों के विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने भाग लिया, जिनमें राजस्व विभाग, कृषि विभाग, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, पशुपालन तथा नगर विकास विभाग के अधिकारी शामिल थे।प्रशिक्षण के उद्घाटन सत्र में उत्तर प्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी श्री राम केवल ने कहा कि ग्लोबल वॉर्मिंग और जलवायु परिवर्तन के कारण प्राकृतिक आपदाओं की घटनाओं में वृद्धि हो रही है। इस संदर्भ में, शीतलहर जैसी मौसमी घटनाओं के प्रबंधन के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रमों का महत्व बढ़ गया है। उन्होंने बताया कि प्रदेश सरकार ने आगामी शीतलहर के दुष्प्रभावों को न्यूनतम करने के लिए बजट आवंटित किया है, और नगर निगम एवं नगर पंचायतों के माध्यम से रैन बसेरों का संचालन किया जा रहा है।

प्रशिक्षण के पहले सत्र में राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय, लखनऊ की आकांक्षा पांडे ने आपदा प्रबंधन पर व्याख्यान दिया। भारतीय मौसम विभाग, लखनऊ के निदेशक डॉ. मनीष रनालकर ने शीतलहर के प्रारंभिक पूर्वानुमान और चेतावनियों के बारे में जानकारी दी। यूनिसेफ, उत्तर प्रदेश के नागेंद्र प्रसाद सिंह ने जलवायु परिवर्तन के कारण शीतलहर की बढ़ती स्थिति पर चर्चा की, जबकि स्टेट मिशन मैनेजर बलबीर सिंह मान ने शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में शीतलहर प्रबंधन पर विभाग द्वारा किए गए कार्यों को बताया।द्वितीय सत्र में, यू०पी० एस०डी० एम० ए० के श्री मनोज कुमार सिंह और यूनिसेफ के प्रतिनिधि ने शीतलहर के न्यूनीकरण और पूर्व तैयारियों के बारे में विभागीय अधिकारियों से चर्चा की।

इस दौरान शीतलहर के प्रबंधन के लिए विभागों द्वारा तैयार की जाने वाली योजनाओं और एस०ओ० पी० (स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर्स) के बारे में बताया गया।इस कार्यक्रम का संचालन और समन्वय उत्तर प्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के श्री आशीष शर्मा, प्रोजेक्ट एक्सपर्ट, फ्लड वार्निंग ने किया।

बैठक में मंत्री नरेंद्र कश्यप ने योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर जोर दिया

लखनऊ(आरएनएस),प्रदेश के पिछड़ा वर्ग कल्याण एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) नरेंद्र कश्यप ने विधानसभा सचिवालय में विभागीय योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन की समीक्षा के दौरान अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विभागीय योजनाओं के लिए आवंटित धनराशि का उपयोग समयबद्ध तरीके से सुनिश्चित किया जाए और किसी भी स्तर पर योजनाओं के क्रियान्वयन में देरी को स्वीकार नहीं किया जाएगा।बैठक में मंत्री कश्यप ने कहा कि योजनाओं का लाभ पात्र लाभार्थियों तक शीघ्र पहुंचाना चाहिए, और योजनाओं का प्रचार–प्रसार गांव–गांव तक किया जाए। उन्होंने विशेष रूप से कम्प्यूटर प्रशिक्षण (ट्रिपल सीध्ओ लेवल) के लाभार्थियों को उनके बैंक खातों में शीघ्र धनराशि हस्तांतरित करने के निर्देश दिए। साथ ही, शादी अनुदान और छात्रवृत्ति योजनाओं की समीक्षा करते हुए सभी लंबित आवेदनों का शीघ्र निस्तारण करने और समय पर भुगतान सुनिश्चित करने की बात कही।दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग की समीक्षा करते हुए मंत्री ने कहा कि दिव्यांगजनों के लिए योजनाओं का व्यापक प्रचार–प्रसार किया जाए और उनकी समस्याओं के समाधान के लिए मोबाइल कोर्ट का उपयोग किया जाए। जागरूकता कार्यशालाओं का आयोजन कर दिव्यांगजनों की भागीदारी सुनिश्चित करने का भी निर्देश दिया। इसके साथ ही, दिव्यांगजनों को तकनीकी रूप से सक्षम बनाने के लिए अधिक से अधिक टेबलेट वितरण पर जोर दिया। उन्होंने विश्व दिव्यांग दिवस को भव्य रूप से आयोजित करने और महाकुंभ प्रयागराज में दिव्यांगजन विभाग का शिविर लगाकर योजनाओं की जानकारी प्रदर्शित करने के निर्देश भी दिए।मंत्री कश्यप ने विभागीय निर्माण कार्यों की प्रगति की समीक्षा करते हुए लंबित कार्यों को शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए।

उत्तर प्रदेश में विश्व मात्स्यिकी दिवस पर आयोजित समारोह में मत्स्य पालन के विकास पर चर्चा

लखनऊ,(आरएनएस) उत्तर प्रदेश के मत्स्य विभाग ने विश्व मात्स्यिकी दिवस के अवसर पर आज चौधरी चरण सिंह सभागार, सहकारिता भवन लखनऊ में एक भव्य समारोह का आयोजन किया। इस अवसर पर मत्स्य विकास मंत्री डॉ. संजय कुमार निषाद ने प्रदेश में मत्स्य पालन के विकास की दिशा में उठाए गए कदमों और भविष्य की योजनाओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि प्रदेश में नदियों और जलाशयों में मत्स्य पालन तकनीकों का विस्तार किया जा रहा है, ताकि देशी प्रजातियों का संरक्षण और उत्पादन में वृद्धि हो सके।उन्होंने यह भी बताया कि वर्ष 2023–24 में प्रदेश का कुल मत्स्य उत्पादन 11.60 लाख मीट्रिक टन रहा और उत्पादकता 5539 किग्राध्हेक्टेयरध्वर्ष रही। मंत्री ने गंगा, यमुना, चम्बल, गोमती जैसी नदियों के किनारे रहने वाले मछुआ समुदाय के आर्थिक उत्थान के लिए सहकारी समितियों के गठन की प्रक्रिया पर जोर दिया। इस कार्यक्रम में 565 नई समितियों के गठन का लक्ष्य रखा गया है।मुख्य सचिव मत्स्य, के. रविंद्र नायक ने कहा कि मत्स्य उत्पादन में वृद्धि के लिए नवीन तकनीकों को अपनाया जा रहा है, और यह क्षेत्र रोजगार सृजन में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है।

अखिलेश यादव ने उपचुनाव में भाजपा की हार को लेकर हमला बोला, लोकतंत्र की रक्षा में जुटे कार्यकर्ताओं की सराहना की

लखनऊ(आरएनएस) समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने उत्तर प्रदेश की 9 विधानसभा उपचुनावों के बाद प्रदेशवासियों को धन्यवाद देते हुए उन्हें शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि ये चुनाव प्रदेश की 90 प्रतिशत आबादी के अधिकारों और मान–सम्मान के लिए थे, जिनमें पीडीए की एकजुटता ने भाजपा की सत्ता की निरंकुशता को नकारा।श्री यादव ने भाजपा द्वारा चुनावी प्रक्रिया में किए गए दुरुपयोग और सत्ता के बल पर लोकतंत्र को कमजोर करने के प्रयासों की कड़ी आलोचना की। उन्होंने कहा कि भाजपा की निरंकुश सरकार और उसकी तमाम कोशिशों के बावजूद पीडीए का हौसला नहीं टूट सका और जनता ने लोकतंत्र को बचाने का संकल्प लिया।उन्होंने उन सभी मतदाताओं, उम्मीदवारों और कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त किया जिन्होंने चुनावी प्रक्रिया में सक्रिय भूमिका निभाई। साथ ही पत्रकारों और मीडियाकर्मियों को भी उनकी सकारात्मक और साहसी पत्रकारिता के लिए बधाई दी।श्री यादव ने यह भी कहा कि भाजपा की सत्ता अब खत्म होने वाली है, क्योंकि वे धर्म और न्याय के मार्ग से भटक चुकी है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा चुनावी धांधली और ताकत के बल पर अपनी हार को टालने की कोशिश कर रही है, लेकिन लोकतंत्र में अंततः सत्य की जीत होती है।उन्होंने खासकर उन माताओं और बहनों की सराहना की जिन्होंने पुलिस की धमकियों और भाजपा के दबाव के बावजूद मतदान किया और लोकतंत्र को मजबूत किया।

पूर्व रक्षा मंत्री मुलायम सिंह यादव की 85वीं जयंती 22 नवम्बर को सादगी से मनाई जाएगी

लखनऊ (आरएनएस) पूर्व रक्षा मंत्री मुलायम सिंह यादव की 85वीं जयंती 22 नवम्बर 2024 को प्रदेश में सादगी से मनाई जाएगी। श्री यादव की स्मृति में 20 नवम्बर 2024 से ही विभिन्न कार्यक्रमों की शुरुआत हो चुकी है। गाजियाबाद के इंदिरापुरम में 20 नवम्बर को कम्बल वितरण और भण्डारा आयोजित किया गया, जिसमें राष्ट्रीय सचिव श्री राजेन्द्र चौधरी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे।समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के निर्देश पर राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री किरनमय नंदा ने 21 नवम्बर को सैफई जाकर मुलायम सिंह यादव के समाधि स्थल पर श्रद्धासुमन अर्पित किए और मोमबत्तियां जलाकर नमन किया। इस अवसर पर समाजवादी युवजन सभा के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री विकास यादव भी उनके साथ थे।समाजवादी शिक्षक सभा ने श्री यादव की जयंती पर विचार गोष्ठी आयोजित की, जिसका मुख्य विषय था षशिक्षा और भारतीय भाषाओं के अग्रदूत नेताजी थेष। गोष्ठी में समाजवादी शिक्षक सभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रोफेसर बी. पांडे और राष्ट्रीय महासचिव कुलदीप यादव ने अपने विचार रखे।इस अवसर पर समाजवादी शिक्षक सभा ने पूरे सप्ताह को श्सेवा सप्ताहश के रूप में मनाने का संकल्प लिया। प्रोफेसर बी. पांडे ने नेताजी के योगदान को याद करते हुए कहा कि जब भी नेताजी सत्ता में थे, उन्होंने भारतीय भाषाओं के प्रचार–प्रसार को बढ़ावा दिया।मुलायम सिंह यादव की जयंती की पूर्व संध्या पर मुलायम सिंह यूथ ब्रिगेड ने रानी लक्ष्मी बाई हॉस्पिटल में मरीजों को फल वितरित किए और श्रद्धांजलि अर्पित की।

विजडम इण्डिया
R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

प्रमुख सचिव ने श्वान बंध्याकरण केंद्र और गौशाला का किया निरीक्षण

लखनऊ(आरएनएस) प्रमुख सचिव नगर विकास अमृत अभिजात और विशेष सचिव महेंद्र बहादुर सिंह ने 21 नवंबर को लखनऊ नगर निगम के जरहारा, इंदिरा नगर स्थित श्वान बंध्याकरण केंद्र का निरीक्षण किया। यह केंद्र ह्यूमन सोसाइटी इंटरनेशनल इंडिया संस्था द्वारा संचालित किया जा रहा है। निरीक्षण के दौरान उन्होंने प्रस्तावित एनिमल बर्थ कंट्रोल (एबीसी) ट्रेनिंग सेंटर की प्रगति का जायजा लिया और इसे विश्व स्तरीय बनाने के निर्देश दिए। साथ ही वर्तमान एबीसी सेंटर के सौंदर्यीकरण और उन्नयन पर जोर दिया गया।निरीक्षण में प्रमुख सचिव ने एबीसी कार्यक्रम की जानकारी प्राप्त की और निर्देश दिया कि सार्वजनिक स्थलों, पार्कों, स्कूलों और कॉलेजों के आसपास अभियान चलाया जाए। उन्होंने कहा कि छात्रों और वेटरनरी कॉलेज के विद्यार्थियों के लिए एक्सपोजर विजिट आयोजित कराई जाए, ताकि वे इस प्रक्रिया को समझ सकें। श्वानों के रखरखाव की व्यवस्था को संतोषजनक बताते हुए उन्होंने बंध याकरण अभियान को और सघन बनाने की आवश्यकता पर बल दिया। जानकारी दी गई कि 2019 से अब तक लखनऊ नगर निगम ने 84,500 श्वानों का सफलतापूर्वक बंध्याकरण और टीकाकरण किया है, जबकि शहर में श्वानों की कुल संख्या लगभग 1,10,000 है।इसके बाद, प्रमुख सचिव ने राधा उपवन गौशाला का निरीक्षण किया। उन्होंने गायों की सेहत देखकर प्रसन्नता व्यक्त की और उन्हें गुड़ खिलाया। साथ ही गौशाला के सौंदर्यीकरण और गोवंश के फोटोग्राफ नगर विकास पोर्टल पर अपलोड करने के निर्देश दिए। प्रमुख सचिव ने कहा कि पशुपालकों से जुर्माना ऑनलाइन वसूला जाए और दूध देने के बाद पशुओं को खुला छोड़ने पर अधिकतम जुर्माना लगाया जाए।निरीक्षण के दौरान एबीसी मॉनिटरिंग कमिटी की राज्य सदस्य गौरी मुलेखी, अपर निदेशक मोहम्मद असलम अंसारी, अपर नगर आयुक्त डॉ. अरविंद राव, मुख्य अभियंता महेश वर्मा, मुख्य कर निर्धारण अधिकारी अशोक सिंह और पशु कल्याण अधिकारी डॉ. अभिनव वर्मा सहित कई अधिकारी उपस्थित रहे।

उत्तर प्रदेश कांग्रेस सेवादल मध्यजोन की नई कार्यकारिणी घोषित

लखनऊ(आरएनएस) उत्तर प्रदेश कांग्रेस सेवादल मध्यजोन के नवनियुक्त अध्यक्ष सुशील तिवारी ष्सोनूष ने अपनी नई कार्यकारिणी का गठन कर पार्टी के विभिन्न नेताओं को महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां सौंपी हैं। उन्होंने संगठन को सशक्त बनाने और पार्टी को मजबूत करने के उद्देश्य से यह कदम उठाया है इस कार्यकारिणी में संजीव सिंह और प्रेम शंकर द्विवेदी को उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। महासचिव के रूप में अनिल शुक्ला, डी. कादिर बी. ष्शिफाष, शिरी खान, विवेकानंद चौरसिया, आलेख पाण्डेय, अजय मिश्रा और सूरज शुक्ला को जिम्मेदारी दी गई है। इसके अलावा, आशीष सिंह यादव, अमर सिंह राणा, संतोष द्विवेदी, बबीता आर्या, राम गोपाल दीक्षित, निजाम अहमद और बाल कृष्ण को सचिव बनाया गया है, जबकि मनमीन कौर, अमित द्विवेदी और शबनम खातून सिद्दीकी को संयुक्त सचिव का दायित्व सौंपा गया है।अखिल भारतीय कांग्रेस सेवादल के अनुमोदन के बाद, रत्नेश शुक्ला को उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी सेवादल का प्रदेश महासचिव नियुक्त किया गया है। इसके साथ ही देव नारायण शर्मा को शहर कांग्रेस अध्यक्ष और होरी लाल जी को जनपद हरदोई का अध्यक्ष बनाया गया है।इस नई कार्यकारिणी का गठन संगठन में नई ऊर्जा लाने और प्रदेश में कांग्रेस सेवादल की सक्रियता बढ़ाने के उद्देश्य से किया गया है।

बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय में इन्फ्लिबनेट पर विशेष व्याख्यान आयोजित

लखनऊ(आरएनएस) बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय के पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग में 21 नवंबर को इन्फ्लिबनेट (प्छथ्स्प्ठछम्ज) की सेवाओं और गतिविधियों पर आधारित एक विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में इन्फ्लिबनेट की निदेशक प्रो. देविका पी. मडाली ने भाग लिया। इस अवसर पर विभागाध्यक्ष प्रो. शरद कुमार सोनकर भी उपस्थित रहे।प्रो. देविका पी. मडाली ने अपने व्याख्यान में इन्फ्लिबनेट की प्रमुख सेवाओं, जैसे शोधगंगा, शोधचक्र, विद्वान, प्छथ्स्व, प्त्छौ, ॅमितछप और ॅन्स् के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि ये सेवाएँ शैक्षणिक और शोध समुदाय के लिए अत्यधिक उपयोगी हैं और उच्च शिक्षा तथा शोध को सशक्त बनाने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। साथ ही, उन्होंने छात्रों और शोधार्थियों को इन सेवाओं का अधिकतम लाभ उठाने का सुझाव दिया।

दरबारे सफवी का सालाना उर्स आयोजित

प्रयागराज(आरएनएस)। 20 नवंबर से शुरू हुए उर्स में सफविया सिलसिले के बुर्जग हजरत कादिर उल्ला शाह चिश्ती निजामी सफवी र०उ०अ० का सालाना उर्स मुबारक दरबारे सफवी शाहनूर अलीगंज प्रयागराज में पूरे अहतराम व अकीदत के साथ आज कुल की महफिल के साथ सम्पन्न हुआ।उर्स में महफिले समा से महफिल गुलजार रही। इसमें हिंदुस्तान के कई मशहूर कव्वालो ने अपने कलाम से आये हुए जायरीनों को झूमने पर मजबूर कर दिया। पप्पू काकोरी और मोईन ताज ने एक से बढ़कर एक कलाम पेश किया। जिसमे महफिल में मौजूद अकीदत मन्दो ने जमकर दाद दिया।महफिले समा का आयोजन बुधवार देर रात तक चलता रहा और गुरुवार को कुल की महफिल के साथ सम्पन्न हुआ।उर्स में खास रस्मो में कुरान खानी, गुस्ल, गागर–चादर, महफिले समा फातिहा, कुल शरीफ, रंग तथा लंगर रहा।उर्स में हिंदुस्तान के कई शहरों एवं खानकाहों से आये हुए जायरीनों ने शिरकत किया।जिसमें से मुख्य रूप से दरबारे बुनियादी के सज्जाद नशीन हाजी बाबा मेराज अहमद जमाली, खादिम अहमद जमाली, हाजी मोइन अख्तर, खानकाहे हलिमिया से अरमान मियां मौजूद रहे। इस मौके पर मौजूद रहे मोहम्मद रशीद खान, हाफिज अब्दुल अजीज, अरमान मियां, नय्यर मियां, चाँद बाबा नियाजी, सैयद माबूद अहमद, मंजर नियाजी, अमीन बख्श नियाजी, सलमान सफवी, मोहम्मद मोहसिन कमाल, मोहम्मद साकिब सफवी, रेहान हामिद सफवी आदि लोगो ने शिरकत किया। यह जानकारी मोहिबबाने औलिया कमेटी के सदर मोहम्मद महबूब दावर ने दी है।

लक्ष्य ने रेड हाउस को चैंपियन बनाया

प्रयागराज(आरएनएस)। लक्ष्य यादव की बेहतरीन पारी (98 नाबाद, 48 गेंद, सात चौके, सात छक्के) की बदौलत रेड हाउस ने ग्रीन हाउस को 104 रन से हराकर वाईएमसीए स्कूल एंड कॉलेज की इंटर हाउस क्रिकेट प्रतियोगिता जीत ली। कॉलेज मैदान पर गुरुवार को खेले गये मैच में रेड हाउस ने 15 ओवर में 174 रन (लक्ष्य यादव 98 नाबाद, चिराग यादव 43 नाबाद, कुणाल सिंह 21, श्लोक चंद्रा 1á18) बनाकर ग्रीन हाउस को 9.4 ओवर में 70 रन (सत्यम यादव 18, शिवम यादव 16, श्यामक कुमार 3á09, तनिष्क ओझा 3á36, कुणाल सिंह 2á08) पर समेट दिया। मैच में शिशिर मेहरोत्रा व राहुल सिंह अंपायर एवं खुर्शीद अहमद व मोहम्मद आरिफ स्कोरर रहे।

चीफ गेस्ट होंगे इंटरनेशनल क्रिकेट स्टार युवराज सिंह

प्रयागराज(आरएनएस)। ठाकुर हर नारायण सिंह ग्रुप का कॉलेज के तत्वाधान में चल रहे प्रयाग खेल महोत्सव 2024 का अवार्ड डिस्ट्रीब्यूशन सेरेमनी का आयोजन कॉलेज की डायरेक्टर डॉक्टर उदय प्रताप सिंह के संयोजन में 23 नवंबर को शाम 4रू00 बजे ठाकुर हर नारायण सिंह ग्रुप आफ कॉलेज के प्रांगण में आयोजित किया जाएगा। जिसके चीफ गेस्ट इंटरनेशनल क्रिकेट स्टार युवराज सिंह होंगे।मीडिया प्रभारी राजेश केसरवानी ने बताया कि कॉलेज के द्वारा केपी ग्राउंड के प्रांगण में 15 नवंबर से 22 नवंबर तक चल रहे प्रयाग खेल महोत्सव में प्रतिभाग करने वाले खिलाड़ियों को जिन्होंने अपने द्वारा चयनित किये गए खेल की स्पर्धा में विनर और रनर रहे हैं।

नेटफ्लिक्स की क्राईम थ्रिलर 'सिकंदर का मुकद्दर' 29 नवंबर को होगी रिलीज, लखनऊ में अभिनेता तमन्ना भाटिया और अविनाश तिवारी ने किया प्रमोशन

लखनऊ, (आरएनएस)लंबे इंतजार के बाद, नेटफ्लिक्स अपनी नई क्राईम थ्रिलर 'सिकंदर का मुकद्दर' के साथ दर्शकों को रोमांचित करने के लिए तैयार है। फिल्म का निर्देशन नीरज पांडे ने किया है और इसे फ्राईडे स्टोरीटेलर्स ने प्रोड्यूस किया है। इसमें प्रमुख भूमिकाओं में जिमी शेरगिल, तमन्ना भाटिया और अविनाश तिवारी नजर आएंगे। यह फिल्म 29 नवंबर को नेटफ्लिक्स पर प्रसारित होगी और इसमें हीरे की चोरी के रहस्य को सुलझाने के लिए एक पुलिस अधिकारी की रोमांचक यात्रा को दिखाया जाएगा।कहानी की शुरुआत होती है 2008 में एक हीरे की प्रदर्शनी में चोरी से, जिसके बाद पुलिस अधिकारी जसविंदर सिंह (जिमी शेरगिल) तीन संदिग्धों – कामिनी सिंह (तमन्ना भाटिया), सिकंदर शर्मा (अविनाश तिवारी) और मंगेश देसाई (राजीव मेहता) पर अपनी जांच केंद्रित करते हैं। जैसे–जैसे जांच आगे बढ़ती है, गुनाह और बेगुनाह के बीच की रेखाएं धुंधली होती जाती हैं, और दर्शक रहस्य का अनुमान लगाने में व्यस्त हो जाते हैं।फिल्म की रिलीज से पहले, तमन्ना भाटिया और अविनाश तिवारी लखनऊ पहुंचे। तमन्ना ने शहर के बारे में कहा, ष्लखनऊ का मेरे दिल में विशेष स्थान है।

एलआईसी ने उत्कृष्ट कार्य करने वाले अभिकर्ता को किया सम्मानित

लखनऊ (आरएनएस)भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी), देश की सबसे बड़ी सार्वजनिक क्षेत्र की बीमा कंपनी, अपने उपभोक्ताओं के साथ–साथ अभिकर्ताओं का भी पूरा समर्थन करती है। जीवन बीमा क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए एलआईसी राजाजीपुरम शाखा के वरिष्ठ शाखा प्रबंधक सर्वेश कुमार सिंह ने वित्तीय वर्ष 2023–24 में प्रथम स्थान प्राप्त करने पर अभिकर्ता रामगोपाल सिंह को सम्मानित किया।यह सम्मान होटल सामड़ा में आयोजित वार्षिक बैठक के दौरान प्रदान किया गया। इस अवसर पर सहायक शाखा प्रबंधक विकेश पांडेय और सीएलआईए आलोक श्रीवास्तव भी उपस्थित रहे।वरिष्ठ शाखा प्रबंधक सर्वेश कुमार सिंह ने कहा कि जीवन बीमा के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले अभिकर्ताओं को प्रोत्साहित करना एलआईसी की प्राथमिकता है। उन्होंने यह भी बताया कि अक्टूबर माह में गोवा में आयोजित गोवा कन्वेंशन में शाखा का प्रतिनिधित्व करते हुए रामगोपाल सिंह को आरएम पी. के. सक्सेना द्वारा विशेष रूप से सम्मानित किया गया।इस अवसर पर एलआईसी ने अपने अभिकर्ताओं की कड़ी मेहनत और समर्पण को सराहा और उनके योगदान को संगठन की सफलता का आधार बताया।

हिंदुस्तान हस्तशिल्प महोत्सव की तीसरी सांस्कृतिक संध्या में कला और संस्कृति का अद्भुत संगम

लखनऊ (आरएनएस)के कानपुर रोड स्थित एलडीए कालोनी के स्मृति उपवन में आयोजित माँ गायत्री जन सेवा संस्थान और नीशू वेलफेयर फाउंडेशन द्वारा हिंदुस्तान हस्तशिल्प महोत्सव की तीसरी सांस्कृतिक संध्या का उद्घाटन आयोजकों अरुण प्रताप सिंह, गुंजन वर्मा, विनय दुबे, रणवीर सिंह और हेमू चौरसिया ने दीप प्रज्ज्वलन कर किया।इस सांस्कृतिक संध्या में शहर के विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य कर अपनी मेहनत और समर्पण से शहर का नाम रोशन करने वाले हुनरमंदों को सम्मानित किया गया। सुरभि कल्चरल ग्रुप द्वारा आयोजित बाल अवध रत्न सम्मान समारोह में राष्ट्रीय स्केटिंग खिलाड़ी मन्नत अशरफ शेख, ताइक्वांडो खिलाड़ी प्रिशा त्रिवेदी, यूट्यूबर रुद्राक्ष सिंह, कथक नृत्यांगना शिक्षा अग्रवाल और आशी त्रिवेदी, तैराक खिलाड़ी जन्नत अशरफ शेख, लोक नृत्यांगना आंद्रित्या सिंह और अन्य को प्रतीक चिन्ह और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया।सांस्कृतिक संध्या के दौरान नन्हीं प्रतिभाओं ने अपनी मनमोहक प्रस्तुतियों से दर्शकों का दिल जीत लिया। खुशप्रीत कौर और कृतिका सिंह ने ष्विनती सुनिए नाथ हमारीष से कार्यक्रम की शुरुआत की। इसके बाद मन्नत अशरफ शेख ने ष्जहां जहां राधे वहां गाएंगे मुरारीष पर प्रस्तुति दी, जिसे दर्शकों ने खूब सराहा। इसके अलावा गुनगुन कौर, श्री अग्रवाल, आंद्रित्या सिंह और करीना ठाकुर ने विभिन्न गीतों पर नृत्य प्रस्तुत किया।महोत्सव के कवि सम्मेलन में कवित्रियों ने अपनी–अपनी कविताओं से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध किया। इस सत्र का संचालन डॉ. शोभा दिक्षित ष्भावनाष और डॉ. रेनू द्विवेदी ने किया। पायल सोनी, अंशिका शुक्ला, अमित मिश्रा, भारती, नीतू सिंह चौहान, मीरा चौरसिया सरोज, उमा लखनवी और श्वेता शुक्ला ने अपनी कविताओं का पाठ किया।इस अवसर पर महोत्सव समिति के सदस्य रणवीर सिंह, विनय दुबे, हेमू चौरसिया, सत्य शरण सिंह, मनोज सिंह चौहान, विवेक सिंह और दिव्यांश गोयल भी उपस्थित रहे। महोत्सव का रंगमंच संचालन प्रदीप शुक्ला ने किया।

बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय में जनजातीय गौरव दिवस पर रंगोली प्रतियोगिता आयोजित

लखनऊ(आरएनएस) बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय में 21 नवंबर को डॉ. अंबेडकर उत्कृष्टता केंद्र और एनसीसी के संयुक्त तत्वावधान में श्जनजातीय गौरव दिवसश के अंतर्गत रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में आयोजन समिति के सदस्य, जिनमें नोडल अधिकारी प्रो. शशि कुमार, डॉ. राजश्री, डॉ. शालिनी चंद्रा और डॉ. ज्योति पाण्डेय शामिल थे, ने सक्रिय भूमिका निभाई। प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल में डॉ. सूफिया अहमद, डॉ. अमित कुमार सिंह और डॉ. सोमीपेम आर. शिमरे उपस्थित रहे।प्रतियोगिता के दौरान प्रतिभागियों ने रंगोली के माध्यम से जनजातीय जीवन और उनकी संस्कृति पर अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम नोडल अधिकारी प्रो. शशि कुमार और समन्वयक डॉ. राजश्री ने बताया कि जनजातीय गौरव दिवस का उत्सव विश्वविद्यालय में 15 नवंबर से 26 नवंबर तक मनाया जा रहा है। इस अवधि में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं, जिनका उद्देश्य जनजातीय समुदाय के अधि ाकारों और उनकी सांस्कृतिक धरोहर के प्रति जागरूकता बढ़ाना है।रंगोली प्रतियोगिता में डिपार्टमेंट ऑफ रूरल मैनेजमेंट की अंकिता मिरी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। इकोनॉमिक्स डिपार्टमेंट के शशांक शेखर ने द्वितीय और यूआईटी डिपार्टमेंट के प्रियांशु एवं रूरल मैनेजमेंट की दिव्यानी गौतम ने संयुक्त रूप से तृतीय स्थान हासिल किया।

रोटरी प्लैटिनम ने किया डेंगू मरीजों के मुफ्त दवा वितरित

प्रयागराज।(आरएनएस) रोटरी प्लैटिनम ने डेंगू से प्रभावित मरीजों की सहायता के लिए निःशुल्क दवाइयों का वितरण किया। हर साल अक्टूबर और नवंबर के महीनों में डेंगू के मरीजों की संख्या में भारी वृद्धि होती है। इस साल भी प्रयागराज में डेंगू के मरीजों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। इसी के मद्देनजर रोटरी प्लैटिनम ने जरूरतमंद मरीजों के लिए यह पहल की।

यह शिविर डॉ. सुभाष यादव होम्योपैथिक क्लिनिक, सिविल लाइंस के सहयोग से आयोजित किया गया। शिविर में सैकड़ों लोगों को मुफ्त होम्योपैथिक दवाइयां दी गईं। यह सेवा भविष्य में भी जारी रहेगी।

क्लब के अध्यक्ष रोटेरियन शशांक जैन और डॉ. सुभाष यादव के नेतृत्व में सिविल लाइंस बस स्टैंड और पी स्क्वायर मॉल के पास शिविर लगाकर दवाइयों का वितरण किया गया। क्लब के सचिव रोटेरियन सुमित अग्रवाल ने विशेष रूप से डॉ. सुभाष यादव का धन्यवाद दिया, जिनके सहयोग से यह सेवा संभव हो सकी।

शिविर का संचालन रोटेरियन प्रमय मित्तल ने किया। इस अवसर पर रोटेरियन दीपक गुप्ता, संदीप जैन सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे। सैकड़ों लोग इस निःशुल्क डेंगू दवा शिविर से लाभान्वित हुए। मीडिया प्रभारी मनीष गर्ग ने बताया कि रोटरी प्लैटिनम इस प्रकार की सामाजिक गतिविधियों का आयोजन नियमित रूप से करता रहता है। क्लब के अन्य सदस्यों ने भी इस शिविर को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

एनजीबीयू में एकेडमिक लेखन विषय पर तीन दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का शुभारंभ

प्रयागराज।(आरएनएस) नेहरू ग्राम भारती मानित विश्वविद्यालय, प्रयागराज में शिक्षक शिक्षा विभाग एवं समाज कार्य विभाग द्वारा एकेडमिक लेखन विषय पर तीन दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला के उद्घाटन सत्र में बतौर मुख्य अतिथि सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी के प्रो० बिहारी लाल शर्मा ने सम्बोधित करते हुए कहा कि सत्य की खोज बड़ी कठिन है और अनुसंधान सत्य का अन्वेषण है। शोध शब्द आयुर्वेद में प्रयोग किया गया, जिसे कहा गया परिष्करण के साथ, प्रमाणिकता के साथ शोध को किया जाय। सत्य को प्राप्त करने के लिए वैराग्य भाव रखना चाहिए।कुलाधिपति मनीष मिश्र ने अपने उद्बोधन में कहा कि शोध किसी भी विश्वविद्यालय के लिए आवश्यक है। हमारा फोकस शोध और नवाचार के लिए होना चाहिए। किसी भी विश्वविद्यालय की पहचान उसके शोध कार्यों से स्थापित होती है। कुलपति प्रो० रोहित रमेश ने कहा कि आधुनिक तकनीक के इस दौर में मौलिकता के साथ शोध कार्य पर ध्यान देना चाहिए। जगद्गुरू राम भद्राचार्य राज्य विश्वविद्यालय, चित्रकूट के कुलपति प्रो० शिशिर पाण्डेय ने अपने उद्बोधन में कहा कि जेएन मिश्र लोक मंगल के अन्वेषक हैं। कार्यशाला के निदेशक एवं विभागाध्यक्ष शिक्षक शिक्षा डॉ देवेंद्र यादव ने स्वागत भाषण दिया। एस०एस० मिश्रा ने विश्वविद्यालय का परिचय दिया। कार्यशाला समन्वयक डॉ० पवन कुमार दुबे ने कार्यशाला का परिचय प्रस्तुत किया। कार्यशाला कोऑर्डिनेटर विभागाध्यक्ष, समाज कार्य, डॉ० पुष्पांजलि पाल रहीं। संचालन डॉ० प्रमोद कुमार मिश्र ने तथा धन्यवाद ज्ञापन अधिष्ठाता शिक्षा संकाय प्रो० भावेश चंद्र दुबे ने किया।

पकड़ा दिया फर्जी एनएबीएच प्रमाण पत्र, पुलिस ने अदालत के आदेश के बाद दर्ज किया मुकदमा

प्रयागराज(आरएनएस)। जार्जटाउन थाना क्षेत्र में एक डॉक्टर से अस्पताल के एनएबीएच (हॉस्पिटल्स एंड हेल्थकेयर प्रोवाइडर्स) पंजीकरण के नाम पर धोखाधड़ी की गई। रुपये लेने के बाद एजेंसी संचालक ने डॉक्टर को फर्जी प्रमाणपत्र पकड़ा दिया। जब डॉक्टर ने ऑनलाइन चेक किया तो आरोपी की पोल खुली। परेशान डॉक्टर ने अदालत में गुहार लगाई। अदालत के आदेश पर जार्जटाउन पुलिस केस दर्ज कर जांच कर रही है।

कर्नलगंज के रहने वाले डॉ. शरद कुमार साहू पेशे से चिकित्सक हैं। जार्जटाउन में ऊषा हास्पिटल के संचालक हैं। वह अपने हास्पिटल में राज्य व केन्द्र द्वारा संचालित योजनाओं का लाभ अपने यहां के मरीजो को प्रदान करने के लिए एनएबीएच से पंजीकृत होना जरुरी था। इसके लिए उन्होंने वीटल कंसंलटिंग ग्रुप फॉर एनएबीएच, सीजीएचएस एंड आयुष्मान के बारे में पता चला। उन्होंने मुख्य कन्सलटेन्ट धीरज श्रीवास्तव निवासी पुराना कटरा से संपर्क किया। उससे एनएबीएच के पंजीकरण के संबंध में बात की। धीरज श्रीवास्तव ने इसके लिए 1.79 लाख रुपए कई बार चेक व नकद माध्यम से लिए। दो साल तक पेपर वर्क व वीडियो कॉल से आडिट भी करवाया। एक साल पहले धीरज ने एनएबीएच का एक प्रमाणपत्र उषा हास्पिटल के नाम का उपलब्ध कराया। डॉ. शरद ने जब एनएबीएच की बेवसाइट पर चेक किया तो उषा अस्पताल के नाम पर कोई प्रमाण पत्र नहीं दिखा। धीरज से बात की तो उसने बताया कि प्रमाणपत्र बेवसाइट पर प्रदर्शित करने मे कुछ समय लगेगा और यह प्रमाणपत्र सही है। इस पर डॉ. शरद साहू ने प्रमाणपत्र की जांच के लिए एनएबीएच को ईमेल किया। तब ईमेल पर जवाब आया कि इस नाम का कोई प्रमाण पत्र नहीं जारी किया गया है। सलंग्न प्रमाण पत्र फर्जी है। ठगी का पता चलने पर डॉक्टर ने जार्जटाउन थाने में तहरीर दी। लेकिन पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की। इस

महाकुंभ मेला क्षेत्र के सभी सेक्टरों में नियुक्त किए गए सेक्टर मजिस्ट्रेट

प्रयागराज(आरएनएस)। महाकुंभ 2025 को लेकर प्रयागराज में तेजी से निर्माण कार्य चल रहा है। सीएम योगी के दिव्य भव्य महाकुंभ की योजना के मुताबिक महाकुंभ नगरी ने संगम तट पर आकार लेना शुरू कर दिया है। महाकुंभ में आने वाले करोड़ों श्रद्धालुओं, कल्पवासियों और साधु–संन्यासियों के रहने और स्नान के लिए घाटों, अस्थाई सड़कों व टेंट सिटी का निर्माण शुरू हो गया है। प्रयागराज मेला प्रधिकरण ने योजना के मुताबिक पूरे मेला क्षेत्र को 25 सेक्टरों में बांटा हैं। सेक्टर और कार्य के मुताबिक सेक्टर मजिस्ट्रेटों की नियुक्ति कर दी गई है। सभी सेक्टर मजिस्ट्रेट अपने दृ अपने सेक्टर में भूमि अधिग्रहण से लेकर प्रशासन व्यवस्था के लिए जिम्मेदार रहेंगे। महाकुंभ के दौरान सेक्टर मजिस्ट्रेट आम जनता और प्रशासन के बीच कड़ी का कार्य करेंगे। महाकुंभ 2025 में लगभग 45 करोड़ श्रद्धालुओं के आने और लगभग 1 लाख से अधिक लोगों के कल्पवास करने की संभावना है। इसके साथ ही हजारों की संख्या में साधु–संन्यासियों और मेला प्रशासन के लोग महाकुंभ के दौरान मेला क्षेत्र में रहेंगे। इन सबके रहने के लिए टेंट सिटी व स्नान के लिए घाटों और मार्गों का निर्माण कार्य युद्धस्तर पर चल रहा है। पूर्व योजना के मुताबिक प्रयागराज मेला प्राधिकरण ने पूरे महाकुंभ क्षेत्र को 25 सेक्टरों में बांटा है। 4000 हेक्टेयर और 25 सेक्टरों में बंटा महाकुंभ मेला क्षेत्र इससे पहले के किसी भी महाकुंभ मेले से सबसे बड़ा क्षेत्र है। मेला प्राधिकरण ने प्रत्येक सेक्टर में भूमि अधिग्रहण से लेकर प्रशासन व्यवस्था और विभागीय समन्वय के लिए उप जिलाधिकारियों को सेक्टर मजिस्ट्रेट के तौर पर नियुक्ति किया है। ये सेक्टर मजिस्ट्रेट पूरे महाकुंभ के दौरान अपने–अपने सेक्टर, कार्य विभाग और विभागीय समन्वयन का कार्य करेंगे।

अधिकांश ने ग्रहण किया कार्यभार

प्रयागराज(आरएनएस) प्रयागराज मेला प्राधिकरण ने सेक्टर वाईज सेक्टर मजिस्ट्रेट की लिस्ट जारी कर दी है। इस सबंध में एसडीएम मेला अभिनव पाठक ने बताया कि अधिकांश सेक्टर मजिस्ट्रेटों ने कार्यभार ग्रहण कर लिया है। शेष अपनी विभागीय जिम्मेदारियों से मुक्त होकर जल्द ही मेला क्षेत्र में अपना कार्यभार ग्रहण कर लेंगे। जो कि महाकुंभ के दौरान अपने–अपने सेक्टर की प्रशासन व्यवस्था व विभागीय समन्वयन का कार्य करेंगे। प्रत्येक सेक्टर में भूमि आवंटन की प्रगति और लोगों की समस्याओं के त्वरित निस्तारण में ये सेक्टर मजिस्ट्रेट मददगार होंगे।

दर्शनशास्त्र की दशा एवं दिशा को परिवर्तित किए जाने की आवश्यकता– प्रो सेठ

प्रयागराज(आरएनएस)। विश्व दर्शन दिवस के उपलक्ष्य में आज दर्शनशास्त्र विभाग, जगत तारन गर्ल्स डिग्री कॉलेज द्वारा राष्ट्रीय स्तर की आनलाइन दर्शन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें पूरे भारत से लगभग 22 से अधिक राज्यों के प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया।

इसी अवसर पर दर्शनशास्त्र विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय के भूतपूर्व प्रोफेसर प्रो0 श्याम किशोर सेठ के दर्शनशास्त्र के क्षेत्र में बहुमूल्य योगदान को उनके शिष्यों द्वारा याद किए जाने के क्रम में सम्मान समारोह का आयोजन भी किया गया। इस अवसर पर एस0 एस0 खन्ना गर्ल्स डिग्री कॉलेज की भूतपूर्व एवं संस्थापक प्राचार्य डॉ0 आशा सेठ विशिष्ट अतिथि के तौर पर मौजूद रही। कार्यक्रम के शुभारंभ में दर्शनशास्त्र विभाग की समन्वयक प्रो0 नीलिमा मिश्रा ने अतिथियों का स्वागत किया तथा प्राचार्या प्रो0 आशिमा घोष ने अध्यक्षीय भाषण देते हुए दर्शनशास्त्र जगत के सभी उपस्थित विद्वज्जनों का सम्मान एवं स्वागत किया।

डॉ0 आशा सेठ ने महिला शिक्षा की दिशा में वर्ष 1975 में प्रयागराज में स्थापित हुए पांच उच्च शिक्षण संस्थानो के संघर्षों एवं विगत 50 वर्षों में महिला शिक्षा की स्थिति में हुए सुधारो पर अपना वक्तव्य दिया।

भारतीय दार्शनिक अनुसंधान परिषद के पूर्व सचिव डॉ0 मनिंद्र सिंह, दर्शनशास्त्र विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय की भूतपूर्व अध्यक्ष प्रो0 गौरी चट्टोपाध्याय, दर्शनशास्त्र विभाग के वर्तमान अध यक्ष प्रो0 ऋषिकांत पांडेय ने अरस्तू एवं सिकंदर के उदाहरण के माध्यम से अपने गुरु प्रो0 सेठ के प्रति अपनी कृतज्ञता ज्ञापित की। इसी क्रम में डॉ0 शिव भानु सिंह, पूर्व अध्यक्ष दर्शनशास्त्र विभाग इविंग क्रिश्चियन कॉलेज, डॉ0 रामारानी, डॉव अल्पना अग्रवाल, डॉ0 अंजना पाठक आदि दर्शनशास्त्र विभाग के विभिन्न वरिष्ठ प्राध यापकों ने प्रो0 सेठ के प्रति अपने अनुभवों एवं संस्मरणों को साझा किया। डॉ0 अनुराग पांडेय ने विश्व दर्शन दिवस पर दर्शनशास्त्र विभाग, जगत तारन गर्ल्स डिग्री कॉलेज के द्वारा आयोजित राष्ट्रीय प्रतियोगिता के परिणामों की घोषणा की एवं विभाग द्वारा आयोजित अंतर महाविद्यालयी निबंध प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कृत किया।

अपने वक्तव्य में प्रो0 एस. के. सेठ ने वर्तमान परिदृश्य में दर्शनशास्त्र की दशा एवं दिशा को परिवर्तित किए जाने की आवश्यकता पर बल दिया। कार्यक्रम के अंत में प्रो0 दीपशिखा बनर्जी ने सभी अतिथियों एवं आगंतुक प्राध्यापकगणों के प्रति ध ान्यवाद ज्ञापन किया।

जीएम फसलों के खिलाफ भारतीय किसान संघ आंदोलित

सांसद प्रतिनिधि विनय कुशवाहा को ज्ञापन सौंपा

प्रयागराज(आरएनएस)। देशव्यापी आंदोलन के तहत भारतीय किसान संघ काशी प्रांत के जिला प्रयागराज का प्रतिनिधि मंडल ने प्रयागराज लोकसभा सांसद उज्जवल रमण सिंह के प्रतिनिधि विनय कुशवाहा को राष्ट्रीय जीएम नीति बनाने में देश के किसानों की राय को शामिल करने की मांग का एक ज्ञापन पत्र सौंपा। आगामी शीतकालीन सत्र में इस विषय पर संसद में प्रश्न के माध्यम से चर्चा करने का आग्रह भी किया गया।

ज्ञापन के माध्यम से कहा गया कि जीव जंतुओं के जीन को डालकर नया जीव की तैयारी का खेल चल रहा हैं। ऐसी फसलों को फसल या जीव खाद्यान्न फसल कहेंगे जीव जंतुओं का जीन डाला जाता हैं तो उसको शाकाहारी बोलेंगे या मांसाहारी तो व्यापक विचार विमर्श होना चाहिये।

ज्ञापन देने में मुख्य रूप से भारतीय किसान संघ जिला प्रयागराज के जिलाध्यक्ष चंद्रशेखर पांडेय, जिला उपाध्यक्ष शेष मणि पांडेय व जिला उपाध्यक्ष आनन्द मिश्र, राजुल जिला सह मंत्री हरि शंकर पटेल, शंकरगढ़ ब्लॉक अध्यक्ष सनत कुमार सिंह उर्फ राजेश सिंह ब्लॉक मऊआइमा मंत्री रामेश्वर पटेल आदि किसान नेता उपस्थित रहे।

नानपारा के श्री शंकर इंटर कालेज में सम्पन्न हुआ स्काउट गाइड आयोजन

बहराइच जिले के नानपारा में तीन दिवसीय आयोजन अंतर्गत आज स्काउट गाइड के प्रभारी श्री अनुराग श्रीवास्तव की अध्यक्षता में प्रभात फेरी निकाली गई और कैंपिंग, क्राफ्ट, भोजन बनाना,फूड प्लाजा,दल अभिलेख, प्राथमिक चिकित्सा, सिग्नलिंग, शारीरिक चिकित्सा,व कैंप फायर का आयोजन दिन में प्रादेशिक सहायक संगठन कमिश्नर राकेश सैनी की अध्यक्षता में आयोजित किया गया। रात्रि में बच्चों का सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। इस अवसर पर विद्यालय प्रबंधक अनिल मदेशिया जिला सचिव राजेश सिंह व कोषाध्यक्ष मुक्तेश्वर पोद्दार व स्काउट गाइड जिला अध्यक्ष अरविंद कुमार वर्मा व स्काउट प्रशिक्षक कल्लन इदरीस सहित समस्त विद्यालय के प्राचार्य उपस्थित रहे।

56 देशों से पधारे मुख्य न्यायाधीशों व प्रख्यात हस्तियों का लखनऊ में हार्दिक स्वागत किया उप-मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य ने

लखनऊ, 21 नवम्बर। सिटी मोन्टेसरी स्कूल द्वारा आयोजित 'विश्व के मुख्य न्यायाधीशों के 25वें अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन' में प्रतिभाग हेतु 56 देशों से पधारे मुख्य न्यायाधीशों, न्यायाधीशों व कानूनविद्दों समेत विभिन्न देशों के राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, संसद के अध्यक्ष, इण्टरनेशनल कोर्ट ऑफ जस्टिस के न्यायाधीश आदि प्रख्यात हस्तियों के आज देर शाम लखनऊ पधारने पर उप–मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य ने बतौर मुख्य अतिथि हार्दिक स्वागत किया। इस अवसर पर अपने संबोधन में श्री मौर्य ने कहा कि दुनिया भर से पधारे न्यायविद्दों व कानूनविद्दों की उपस्थिति ने न सिर्फ लखनऊ के गौरव को विश्व पटल पर आलोकित किया है अपितु दुनिया के देशों को यह संदेश भी दिया है कि एकता व शान्ति का कोई विकल्प नहीं है और यही वह जरिया है जिसमें भावी पीढ़ी का उज्जवल भविष्य निहित है।इससे पहले, इस ऐतिहासिक सम्मेलन की संयोजिका व सी.एम.एस. प्रबन्धक प्रो. गीता गाँधी किंगडन के नेतृत्व में सी.एम.एस. छात्रों, शिक्षकों व प्रधानाचार्याओं ने 56 देशों से पधारे न्यायविद्दों व कानूनविद्दों समेत विभिन्न प्रख्यात हस्तियों के सी.एम.एस. राजाजीपुरम प्रथम कैम्पस में पधारने पर का बैण्ड–बाजे की धुन व फूल–मालाओं के साथ लखनऊ की सरजमीं पर भव्य स्वागत–अभिनन्दन किया।

प्रो. किंगडन ने इस अवसर पर कहा कि इसमें कोई दो राय नहीं कि यह ऐतिहासिक सम्मेलन दुनिया को एकता के सूत्र में पिरोने और विश्व के ढाई अरब बच्चों का भविष्य हेतु विश्व समाज को एक नई दिशा देने में सफल साबित होगा। सी.एम.एस. राजाजीपुरम प्रथम कैम्पस की वरिष्ठ प्रधानाचार्या श्री निशा पाण्डेय ने न्यायविद्दों व कानूनविद्दों का स्वागत करते हुए कहा कि यह सम्मेलन पूरे विश्व में बच्चों के अधिकारों की अलख जगाने में सफल होगा।'विश्व के मुख्य न्यायाधीशों का अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन' 22 से 24 नवम्बर तक सी.एम.एस. कानपुर रोड ऑडिटोरियम में आयोजित किया जा रहा है। 'भारतीय संविधान के अनुच्छेद 51' पर आधारित यह ऐतिहासिक सम्मेलन विश्व एकता, विश्व शान्ति एवं विश्व के ढाई अरब से अधिक बच्चों के सुन्दर एवं सुरक्षित भविष्य को समर्पित है। इस वर्ष यह ऐतिहासिक सम्मेलन 'ए गवर्नेन्स फॉर द फ्यूचर' थीम पर आधारित है। इस ऐतिहासिक सम्मेलन का विधिवत उद्घाटन कल, 22 नवम्बर, शुक्रवार को प्रातः 9.00 बजे सी.एम.एस. कानपुर रोड ऑडिटोरियम में होगा। प्रदेश के मुख्यमंत्री माननीय श्री योगी आदित्यनाथ जी उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि होंगे जबकि उप–मुख्यमंत्री श्री ब्रजेश पाठक विशिष्ट अतिथि के रूप में समारोह की गरिमा को बढ़ायेंगे।

महिला अस्पताल में मेडिकल प्रतिनिधि को पीटा

आजमगढ़ संवाददाता।

आजमगढ़ के महिला अस्पताल के पास एक एमआर को कुछ अज्ञात व्यक्ति पिटाई कर फरार हो गए। इस मामले में पीड़ित एमआर ने शहर कोतवाली में शिकायत दर्ज कराई है।

मऊ जिले के चिरैयाकोट थाना क्षेत्र के जमीन अताउल्ला गांव निवासी मोहम्मद अशरफ एक फार्मा में एमआर का काम करते हैं। उनका आरोप है कि गुरुवार को वे जिला महिला अस्पताल के पास मौजूद थे कि तभी करीब छह माह पूर्व उनको मारपीट कर घायल करने वाला अज्ञात व्यक्ति दिखाई दिया तो उसने मारने का कारण पूछा, जिसके बाद उसने दोबारा पिटाई करनी शुरू कर दी।

आसपास मौजूद लोगों ने बीच बचाव किया तो उसकी जान बची। एमआर का कहना है कि अज्ञात व्यक्ति सौदवारा स्थिति एक मिठाई की दुकान पर काम करता है। उससे उनकी कोई दुश्मनी भी नहीं है और न ही वह उसे जानते हैं। बताया कि करीब छह माह पूर्व वह अपने 3 साथियों के साथ मिलकर उनके वाहन को रुकवाकर उनसे मारपीट की थी इस मामले में वे सिधारी थाने में तहरीर दी थी लेकिन पुलिस ने कोई करईवाई नहीं की। जिसके बाद उसने आज फिर उनकी पिटाई कर फरार हो गया। पीड़ित एमआर ने शहर कोतवाली में तहरीर देकर आरोपी के खिलाफ करईवाई की मांग की है। इस दौरान एमआर संघ के भी पदाधिकारी मौजूद थे।

शाम को पत्नी को जलाया, सुबह रेलवे ट्रैक पर मिला पति का शव

मुजफ्फरनगर संवाददाता। पत्नी को जिंदा जलाकर मारने का प्रयास करने के आरोपी पति संजय का शव रेशू विहार के पास रेलवे ट्रैक पर पड़ा मिला। गंभीर रूप से झुलसी उसकी पत्नी का मेरठ में उपचार चल रहा है।

शामली के मोहल्ला धीमानपुरा निवासी प्रियंका की शादी सात साल पहले खालापार के मोहल्ला दक्षिणी कृष्णापुरी निवासी संजय सिंघल के साथ हुई थी। आरोप है कि संजय शादी के बाद से अतिरिक्त दहेज की मांग के लिए पत्नी के साथ मारपीट करता था। बुधवार को संजय ने प्रियंका को जलाकर मारने के इरादे से आग लगा दी थी। वह 80 प्रतिशत से ज्यादा झुलस गई थी। उसे जिला अस्पताल से मेरठ रेफर किया गया था। पीड़िता की मां गीता ने थाने में दामाद व उसकी मां सुदेश देवी के खिलाफ मुकदमा दर्ज करा दिया। उधर, बृहस्पतिवार सुबह संजय का शव रेशू विहार के पास रेलवे ट्रैक के निकट पड़ा मिला। नई मंडी कोतवाली पुलिस ने मोबाइल से नंबर निकाल कर मृतक के भाई अजय को सूचना दी थी। शाम को पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया। सीओ सिटी व्योम बिंदल ने बताया कि पुलिस मामले की जांच कर रही है।

बैंक मित्र से लूट का पर्दाफाश, गन प्वॉइंट पर घटना को दिया था अंजाम

भदोही संवाददाता।

दिवाली से ठीक एक दिन पहले हैप्पी दिवाली बोलकर बैंक मित्र को लूटने वाले तीन बदमाशों को गुरुवार को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। बाइक सवार बदमाशों ने 30 अक्तूबर की शाम भीखमपुर में तमंचे के बल पर बैंक मित्र से एक लाख रुपये लूट लिए थे। गिरफ्तार बदमाश सैदाबाद प्रयागराज में लूट की घटना को अंजाम देने की फिराक में थे।

सुरियावां कोतवाली के मनकपुर, रोही निवासी शारदा प्रसाद मौर्या बैंक मित्र हैं। वे गांव में ही बैंक ऑफ बड़ौदा की फ्रेंचाइजी चलाते हैं। 30 अक्तूबर यानी दिवाली के ठीक एक दिन पहले बैंक से पैसा लेकर बाइक से घर जाते समय रास्ते में भीखमपुर के पास पीछे से पहले हैप्पी दिवाली बोला। बैंक मित्र ने जैसे ही बाइक रोकी बदमाशों ने तमंचा सटाकर उससे एक लाख रुपये लूट लिए।

एसपी डॉ. मीनाक्षी कात्यायन ने मामले के खुलासे के लिए तीन टीमों का गठन किया था। टीम लगातार सीसीटीवी फुटेज के सहारे बदमाशों की पहचान में जुटी थी। इस बीच पुलिस ने गुवाली नहर पुलिया के पास से तीनों बदमाशों को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में अभियुक्तों ने अपना नाम रोहित यादव निवासी लालापुर अर्जुनपट्टी, हण्डिया प्रयागराज, सूरज गौतम निवासी किचकिला, हंडिया प्रयागराज और नितेश पांडेय उर्फ मोमू निवासी रिखीपुर, हंडिया प्रयागराज बताया।

पुलिस ने उनके पास लूट के 32 हजार नगद के साथ लूट के पैसे खरीदा गया आईफोन, तीन एंड्रायड फोन और दो पिस्टल के साथ फर्जी नंबर प्लेट की बाइक बरामद की।

पुलिस अधीक्षक डॉ. मीनाक्षी कात्यायन ने बताया कि तीनों बदमाशों ने लूट की बात स्वीकार की है। बदमाश अपना शौक पूरा करने के लिए लूट की घटना को अंजाम देते थे। तीनों बदमाश सैदाबाद, प्रयागराज में किसी घटना को अंजाम देने की फिराक में थे। इसी दौरान उनकी गिरफ्तारी की गयी है। बदमाशों की गिरफ्तारी में प्रभारी निरीक्षक सुरियावां अरविंद गुप्ता व एसओजी प्रभारी बृजेश सिंह और उनकी टीम रही।

एनएसयूआई के कार्यकर्ताओं से पुलिस का झड़प

गोरखपुर संवाददाता।

डीडीयू में एबीवीपी के कार्यक्रम को देखते हुए शिक्षण कार्य बाधित करने पर विश्वविद्यालय प्रदर्शन करने बृहस्पतिवार को पहुंच रहे एनएसयूआई कार्यकर्ताओं से पुलिस की झड़प हो गई। सीओ कैंट योगेंद्र सिंह के नेतृत्व में पहुंची पुलिस ने सख्ती दिखाते हुए एनएसयूआई के कार्यकर्ता योगेश प्रताप सिंह और आलोक सिंह को हिरासत में ले लिया। पुलिस उनको कैंट थाने उठा ले गई। विश्वविद्यालय के सामने एहतियातन पूरे दिन पुलिस बल तैनात रही।

दरअसल, एबीवीपी की तरफ से विश्वविद्यालय परिसर में राष्ट्रीय स्तर का कार्यक्रम आयोजित किया गया है। इसे लेकर एनएसयूआई की तरफ से विरोध जताया जा रहा है।

उनका विरोध छात्र संगठन के द्वारा विश्वविद्यालय परिसर को निजी कार्यक्रम के तौर पर प्रयोग किया जा रहा है, ये है। इससे पढ़ाई बाधित होगी। एनएसयूआई ने कार्यक्रम के पहले आंदोलन की धमकी दी है।

बृहस्पतिवार की शाम से कार्यक्रम की शुरुआत होनी है। कार्यकर्ताओं का आरोप है कि बृहस्पतिवार सुबह पुलिस अलग–अलग इलाकों से कार्यकर्ताओं को उनके घर से उठाकर अपने साथ थाने लेते आई है। आदित्य शुक्ला ने आरोप लगाया कि पुलिस सुबह बिना सूचना के घर पर आ गई और सोते समय उन्हें जबरन उठा कर अपने साथ लेते आई।

अमरोहा में शिक्षक ने कक्षा 9 की दो छात्राओं से किया प्रपोज

अमरोहा संवाददाता।

अमरोहा के मंडी धनौरा इलाके के एक इंटर कॉलेज में दूसरे समुदाय के शिक्षक ने कक्षा नौ की दो छात्राओं से प्रेम का इजहार कर दिया। छात्रा की शिकायत पर बुधवार को कॉलेज पहुंचे परिजनों और बजरंग दल व विहिप कार्यकर्ताओं ने जमकर हंगामा किया।

बजरंग दल और विहिप कार्यकर्ताओं ने भाग रहे शिक्षक को दौड़कर पकड़ लिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने लोगों को शांत कराया। पुलिस ने शिक्षक को हिरासत में लिया है। देर शाम पुलिस ने शिक्षक सहिद के खिलाफ छेड़खानी और पॉक्सो एक्ट के आरोप में रिपोर्ट दर्ज कर ली है। उधर, देरशाम तक पीड़िता के परिजन और कार्यकर्ता आरोपी पर कार्रवाई की मांग पर थाने में जुटे रहे। मंडी धनौरा क्षेत्र के एक इंटर कॉलेज में संभल जिले के एचोंड़ा कम्बोह थाना क्षेत्र के नंदपुर बीटा गांव निवासी सहिद गणित पढ़ाता है। वह कक्षा नौ का क्लास टीचर भी है। आयोग से चयनित इस शिक्षक पर कक्षा नौ की एक छात्रा ने आरोप लगाया। कहा, 15 दिन पहले शिक्षक ने उससे प्रेम का इजहार किया। छात्रा ने घर जाकर अपनी मां को इसकी जानकारी दी। इस पर छात्रा की मां ने कॉलेज में पहुंचकर उप प्रधानाचार्य से शिक्षक की शिकायत की। लेकिन, परिजनों ने मामले में कोई कार्रवाई न करने का आरोप लगाया। आरोप है कि आठ दिन पहले शिक्षक ने फिर छात्रा से शादी करने और उसके पढ़ाई का खर्च उठाने की बात कही। इतना ही नहीं आरोपी शिक्षक ने एक और छात्रा से भी प्रेम का इजहार किया था। छात्रा ने पिता से शिक्षक की शिकायत की तो वह बुधवार को परिजन और बेटी के साथ कॉलेज पहुंचे और प्रधानाचार्य से शिक्षक की शिकायत की। मामले में आरोपी शिक्षक पर कार्रवाई न होने पर लोगों आक्रोशित हो गए। मामले की जानकारी मिलने पर बजरंग दल और विश्व हिंदू परिषद और विश्व हिंदू महासंघ के कार्यकर्ता कॉलेज पहुंचे। कार्यकर्ताओं ने प्रधानाचार्य कक्ष के बाहर जमकर हंगामा किया और आरोपी शिक्षक को बुलाने की मांग की। सूचना पर प्रभारी निरीक्षक मनोज कुमार पुलिस के साथ कॉलेज पहुंचे। उधर, आक्रोशित कार्यकर्ताओं को देखकर आरोपी शिक्षक कॉलेज में छिप गया। आक्रोशित कार्यकर्ताओं ने शिक्षक को कॉलेज में तलाश किया, लेकिन वह नहीं मिला। प्रधानाचार्य ने कार्यकर्ताओं को आश्वासन दिया कि शिक्षक को छुट्टी के बाद कार्यालय में बुलाया जाएगा। उधर, मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए कॉलेज की छुट्टी कर दी गई। छुट्टी के बाद भी शिक्षक के नहीं आने पर कार्यकर्ताओं और छात्राओं के परिजनों का गुस्सा भड़क गया। उनकी प्रधानाचार्य और स्टाफ से जमकर नोकझोंक हुई। शिक्षक के नहीं मिलने पर कार्यकर्ताओं ने कॉलेज का अंदर से ताला लगा दिया और चेतावनी दी कि जब तक शिक्षक नहीं मिलेगा, कोई भी शिक्षक घर नहीं जाएगा। कुछ देर बाद आरोपी शिक्षक कॉलेज की बिल्डिंग से कूदकर भागने लगा तो कार्यकर्ताओं ने उसे पकड़ लिया। वहीं, पुलिस ने शिक्षक को कार्यकर्ताओं से छुड़ाकर हिरासत में ले लिया। पुलिस ने सूझबूझ और तत्परता दिखाते हुए हालात संभाल लिए। मामले को लेकर हिंदूवादी संगठन के कार्यकर्ता व छात्राओं के परिजन आक्रोशित थे। पुलिस ने घटना को गंभीरता से लिया और पहले ही अपनी गाड़ी कॉलेज में ले जाकर खड़ी कर दी। जैसे ही आरोपी शिक्षक को लोगों ने पकड़ा, पुलिस ने उसे हिरासत में ले लिया और गाड़ी में बैठाकर थाने ले आई।

कॉलेज का स्टाफ एक ओर हिंदूवादी संगठन के कार्यकर्ताओं का आक्रोश झेल रहा था तो दूसरी ओर उसे छात्रों के उग्र होने का खतरा सता रहा था। कॉलेज में करीब दो हजार छात्र–छात्राएं पढ़ते हैं। बड़ी संख्या में छात्राएं घटना के समय कॉलेज में मौजूद थीं। छात्र भी अपने कक्षाओं से बाहर का नजारा देख रहे थे। प्रधानाचार्य ने गंभीरता देखते हुए कॉलेज की छुट्टी कर दी। पुलिस ने अपनी मौजूदगी में विद्यार्थियों को कॉलेज से बाहर निकाला।

डेकोरेटिव लाइट्स से महाकुंभ बनेगा भव्यता का प्रतीक

प्रयागराज संवाददाता।

महाकुंभ 2025 को दिव्य और भव्य बनाने के लिए योगी सरकार अनेक अभिनव प्रयास कर रही है। इसी क्रम में पूरे मेला क्षेत्र को डेकोरेटिव लाइट्स से सजाया जा रहा है। 8 करोड़ की लागत से उत्तर प्रदेश पावर कॉरपोरेशन लि. की ओर से पूरे मेला क्षेत्र में 485 डिजाइनर स्ट्रीट लाइट पोल का जाल बिछाया जा रहा है। संगम जाने वाली हर प्रमुख सड़क पर यह अलौकिक पोल और लाइट श्रद्धालुओं का स्वागत करती नजर आएगी। योगी सरकार का यह प्रयास न केवल श्रद्धालुओं को दिव्य अनुभव देगा, बल्कि भारतीय संस्कृति और आधुनिकता का अद्भुत संगम भी प्रस्तुत करेगा।

अधीक्षण अभियंता महाकुंभ मनोज गुप्ता ने बताया कि सीएम योगी की। मंशा के अनुरूप महाकुंभ को भव्य रूप देने के लिए विद्युत विभाग बड़े पैमाने पर कार्य कर रहा है। डेकोरेटिव लाइट्स और डिजाइनर पोल्स उसी का हिस्सा है। मेला क्षेत्र में लाल सड़क, काली सड़क, त्रिवेणी सड़क और परेड के सभी मुख्य मार्गों को आकर्षक डेकोरेटिव लाइट्स से रोशन किया जा रहा है। ये लाइट्स भगवान शंकर, गणेश और विष्णु को समर्पित हैं, जो श्रद्धालुओं को आध्यात्मिक शांति और सौंदर्य का अनुभव कराएंगी।

अधिशाषी अभियंता अनूप सिंह ने बताया कि पूरे मेला क्षेत्र में 8 करोड़ से ज्यादा की लागत से 485 डिजाइनर स्ट्रीट लाइट पोल लगाए जा रहे हैं। इस बार टेंपरेरी की बजाय स्थायी पोल्स का निर्माण किया गया है, जो महाकुंभ के बाद भी क्षेत्र की रौनक बनाए रखेंगे। हर पोल को कलश और देवी–देवताओं की आकृतियों से सजाया गया है, जो मेले के वातावरण को सांस्कृतिक वैभव से भर देंगे। 15 दिसंबर तक सभी डेकोरेटिव लाइट्स का कार्य संपन्न कर लिया जाएगा, जिसके बाद रात में मेला क्षेत्र की आभा देखते ही बनेगी।

उन्होंने कहा कि महाकुंभ में आने वाले लाखों श्रद्धालुओं के अनुभव को यादगार बनाने के लिए यह विद्युत विभाग की ओर से एक अभूतपूर्व पहल है। आधुनिक तकनीक और सांस्कृतिक प्रतीकों के मेल से यह परियोजना महाकुंभ को विश्वस्तरीय भव्य आयोजन का दर्जा देगी। महाकुंभ के लिए लगाए गए ये डेकोरेटिव पोल्स स्थायी रहेंगे, जिससे क्षेत्र में आने वाले पर्यटक भी लंबे समय तक इस भव्यता का आनंद ले सकेंगे। डेकोरेटिव लाइट्स से सजे इस महाकुंभ में हर श्रद्धालु को आध्यात्मिक ऊर्जा और सांस्कृतिक गर्व का अनुभव होगा। यह पहल महाकुंभ को भारतीय संस्कृति की भव्यता और आधुनिक विकास का अद्वितीय प्रतीक बनाएगी।

संपादकीय

अपनी सेहत को दांव पर लगाने पर लोग आमादा

लोग खुद ही अपनी सेहत को दांव पर लगाने पर आमादा हों, तो उस समाज को आखिर कौन बचा सकता है? डॉक्टर चेतावनी देते–देते थक गए हैं कि प्रदूषण जानलेवा भी हो सकता है। मगर जागरूकता और जवाबदेही का अभाव जस–का–तस है।

छठ के मौके पर दिल्ली में यमुना के प्रदूषण पर आम आदमी पार्टी और भारतीय जनता पार्टी के बीच तू तू–मैं मैं अब इतनी आम हो गई है कि लोग उससे ऊबने लगे हैं। मुद्दा है कि जब यह स्थायी समस्या है, तो छठ के बाद उस पर इन दोनों पार्टियों का ध्यान क्यों नहीं होता, जिनकी केंद्र और (केंद्र शासित) प्रदेश में सरकारें हैं? फिर सामान्य दिनों में नागरिक समाज को भी इसकी कोई फिक्र नहीं होती। यही हाल दिल्ली और आसपास के इलाकों में इस सीजन में बढने वाले वायु प्रदूषण की है। फिर वही हुआ। एक और दिवाली आई और फिर दिल्ली एनसीआर स्मॉग की चादर से ढक गया। पटाखों पर प्रतिबंध सिर्फ कागज पर रहा। लोगों ने जितनी मांग की, उतने पटाखे दुकानों में बिके, लोगों ने खरीदे और मन भर कर जलाए भी।

अब लोग खुद ही अपनी सेहत को दांव पर लगाने पर आमादा हों, तो उस समाज को आखिर कौन बचा सकता है? डॉक्टर चेतावनी देते–देते थक गए हैं कि प्रदूषण सिर्फ थोड़ी–सी खांसी ही नहीं देता, बल्कि यह जानलेवा तक साबित हो सकता है। मगर भारत में जागरूकता और जवाबदेही का अभाव जस–का–तस है।

अब इस क्रम में एक अंतरराष्ट्रीय पहलू भी जुड़ा है। पाकिस्तान भी वायु प्रदूषण के दुष्प्रभाव झेल रहा है। खासकर लाहौर शहर बुरी तरह प्रभावित हुआ है। यह कम दिलचस्प नहीं कि प्रांत की मुख्यमंत्री मरियम नवाज ने लाहौर में खराब होती हवा के लिए भारत को जिम्मेदार ठहरा दिया है।

उनका कहना है कि भारत से आने वाली हवा अपने साथ प्रदूषण लेकर आती है, जिससे लाहौर की हवा खराब हो रही है। जबकि खुद पाकिस्तान में तैयार रिपोर्टों में कहा गया है कि खराब वायु गुणवत्ता के प्रमुख कारणों में उद्योगों और वाहनों से निकलने वाला धुआं शामिल है। इसके अलावा खेती की पद्धति, जैव ईंधन और कचरे को जलाना और धूल इसके अन्य पहलू हैं। मगर गंभीर समस्या पर अगंभीर और बे–ईमान रुख की संस्कृति पाकिस्तान में भी कोई कम नहीं है। बहरहाल, ऐसे नजरियों से कुछ हासिल नहीं होगा, यह बात हर जागरूक व्यक्ति अवश्य ध्यान में रखना चाहिए।

जलवायु संकट अभी भी मुद्दा नहीं

जलवायु संकट देश, नस्ल, धर्म और जाति के भेद के बिना सभी को मार रहा है, बरबादी की ओर ले जा रहा है लेकिन देशों और नेताओं के लिए अभी भी मुद्दा नहीं बना है।वर्ष 2024 रिकार्ड बना रहा है। रोजाना जबरदस्त गर्मी और विनाशकारी तूफान की खबरें आ रही है। लोगों की जिंदगी और जीविका के साधन ताश के पत्तों के ढेर की तरह ढहते दिख रहे है।

इस साल गर्मी के मौसम में ऐसे मौके भी आए जब सब कुछ नष्ट होना लगभग अवश्यंभावी दिख रहा था। मौसमी उन्माद के साथ–साथ बीमारियों में भी बढ़ोतरी है। बीमारियां अजीब और अप्राकृतिक है।

हाल में हमारे पारिवारिक चिकित्सक ने बताया कि इस प्रकार का डेंगू फैल रहा है जिसमें सिर्फ प्लेटलेट्स की संख्या ही नहीं घटती बल्कि एक दिन बुखार आता है और उसके बाद कई दिनों तक नहीं आता और एसजीपीटी और एसजीओटी (लीवर की स्थिति बताने वाले दो हारमोन) के स्तर में तेज वृद्धि होती है। इसलिए यदि आपको आज बुखार है तो मेहरबानी करके कल ही अपनी जांच करवा लें। जोखिम उठाना ठीक नहीं।

काफी जटिल स्थितियां का दौर है। और कोई भी इन जटिलताओं की मूल वजह दृ जलवायु में बदलाव दृ को गंभीरता से लेने के लिए तैयार नहीं है। न तो राजनैतिक बहस–मुबाहिसों में और न चुनावी चर्चाओं में इसका जिक्र होता है।

पिछली गर्मियों में हुए हमारे आम चुनाव के दौरान जलवायु संकट चर्चा का मुद्दा नहीं था। इन दिनों दो राज्यों में चुनाव हो रहे है, लेकिन किसी भी छोटे–बड़े राजनैतिक दल या उसके किसी नेता ने इस बारे में कुछ भी नहीं कहा है।

महाराष्ट्र एक ऐसा राज्य है जिसे जलवायु परिवर्तन का घातक प्रभाव झेलना पड़ा है दृ ग्रामीण क्षेत्रों में बार–बार पडने वाले सूखे से लेकर शहरी इलाकों में आने वाली बाढ़ तक। लेकिन वहां भी नौकरियाँ, आरक्षण, मुफ्त अनाज और साम्प्रदायिकता ही मुख्य मुद्दे हैं।

यदि हम अपेक्षाकृत बड़े कैनवास पर बात करें तो ट्रंप के दुबारा चुनाव जीतने से सीओपी29 (संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन सम्मेलन) और भविष्य में होने वाले जलवायु सम्मेलनों पर अनिश्चिता के काले बादल घिर आए हैं।

फिलहाल वर्ष का वह समय है जब दुनिया भर के नेता, वैज्ञानिक, उद्योगपति, स्वयंसेवी संगठनों के पदाधिकारी और कार्यकर्ता अजरबेजान के बाकू शहर में एकत्रित होकर धरती पर आपके और हमारे भविष्य के बारे में विचार कर रहे हैं।

वे शुद्ध पानी और विशुद्ध वाइन की चुस्कियां लेते हुए वैश्विक तापमान में वृद्धि को 2 डिग्री सेल्सियस से कम रखने के लिए ग्रीन हाउस गैसों का उर्त्सजन कम करने के बारे में चिंतन–मनन कर रहे हैं।

सीओपी की यह बैठक महत्वपूर्ण है क्योंकि इसमें धन और निवेश जुटाने का मुद्दा प्रतिनिधियों के सामने होगा। सन 2009 में अगले 15 सालों में क्लाइमेट चेंज संबंधी काम के लिए 100 अरब डॉलर आवंटित किये गए थे।

इस आवंटन को खर्च करने की सीमा 2024 के अंत में समाप्त हो जाएगी। जाहिर है कि विकासशील देशों को हरित ऊर्जा स्त्रोत विकसित करने और अपेक्षाकृत गर्म धरती के साथ तालमेल बिठाने के लिए धन उपलब्ध करवाना जरूरी है। और अभी तो इसके लिए धन की व्यवस्था ही नहीं है।

कोई बड़ा समझौता होने की उम्मीद बहुत कम है। पहले से ही सीओपी में कड़वाहट घुल चुकी है। पापुआ न्यू गिनी ने यह कहते हुए सीओपी29 का बहिष्कार करने की घोषणा की है कि श्यह समय की बर्बादी हैय।

उसका तर्क है कि शसाल दर साल बड़ी मात्रा में प्रदूषणकारी गैसों का उर्त्सजन करने वाले देश अपने वायदों पर खरा उतरने में असफल हैं। यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन और फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के भी सम्मेलन में शामिल नहीं होने की संभावना है।

आशंका है कि जिन नेताओं के बड़े फैसलों की उम्मीद की जा रही थी, वे नहीं हो पाएंगे। इसके अलावा, डोनाल्ड ट्रंप की जीत का असर भी दिखेगा जो जलवायु परिवर्तन को शएक कोरी धमकीय बताते हैं और ऐसी अपेक्षा है कि वे राष्ट्रपति का पद संभालते ही अमेरिका के ऐतिहासिक पेरिस समझौते से हटने के अपने पिछले कार्यकाल में लिए गए निर्णय को दुहराएंगे।

कुछ दिन पहले सीओपी29 के मुख्य कार्यकारी अधिकारी इल्योर सोल्तानोव, जो अजरबेजान के ऊर्जा उपमंत्री भी हैं, की एक

कानूनी दायरे में कैसे लाए जाएं चुनावी वायदे

चुनाव घोषणा पत्रों और आज के दृष्टि और संकल्प पत्रों में किए वायदों और उन्हें लागू किए जाने को लेकर ठोस शोधा जरूरी है। लेकिन मोटे तौर पर इनमें दर्ज ज्यादातर वायदे पूरे हो ही नहीं पाते। इसलिए मतदाताओं के एक वर्ग अलग ढंग से सोचने लगा है।चुनाव घोषणा पत्रों में किए वायदों को पूरा न कर पाने को लेकर सत्ता में आने वाला हर राजनीतिक दल मतदाताओं और विपक्षी दलों के निशाने पर रहा है। मतदाताओं की बढ़ती जागरूकता के चलते इन आलोचनाओं से बचने के लिए राजनीतिक दलों ने अब चुनाव घोषणा पत्र जारी करना बंद कर दिया है। 2012 के उत्तर प्रदेश के विधानसभा चुनावों में उतरी कांग्रेस ने राज्य के लिए विजन डाक्युमेंट जारी किया। इसके बाद सभी दलों ने चुनाव घोषणा पत्र के शीर्षक को तकरीबन त्याग दिया। अब भारतीय जनता पार्टी हर चुनाव के पहले संकल्प पत्र जारी करती है तो कांग्रेस अब गारंटियां देने लगी हैं। कर्नाटक विधानसभा चुनाव में पार्टी ने पांच गारंटी देने का वादा किया। जो उसके लिए बहुत हिट रहा। अब पार्टियां गारंटी देती हैं, दृष्टि पत्र प्रस्तुत करती हैं और संकल्प पत्र प्रस्तुत करती हैं। गारंटी और संकल्प जैसे शब्द एक तरह से गवाह हैं कि राजनीतिक दलों के वायदों को लेकर मतदाताओं का एक बड़ा अब आलोचनात्मक रूख ही नहीं रखता है, बल्कि उन पर भरोसा भी नहीं करता। घोषणा पत्र भले ही अब गारंटी या दृष्टि या संकल्प पत्र में तबदील हो गए हों, लेकिन अब भी उनकी साख नहीं बन पाई है। इसकी वजह यह है कि कई बार राजनीतिक दल वोटरों को लुभाने के चक्कर में ऐसे भी वायदे कर डालते हैं, जिन्हें पूरा कर पाना उनके लिए संभव नहीं होता। राजनीतिक दल भी जानते हैं कि संकल्प, दृष्टि या गारंटी पत्र में दिए वायदों को शत–प्रतिशत पूरा करना संभव नहीं है और अगर वे करते भी हैं तो सरकारी अर्थव्यवस्था का चरमरा सकती है। फिर वे वायदे करते हैं या कह सकते हैं कि सत्ता के लक्ष्य को लेकर चलने वाली मौजूदा राजनीति की यह मजबूरी भी है। चुनाव घोषणा पत्रों और आज के दृष्टि और संकल्प पत्रों में किए वायदों और उन्हें लागू किए जाने को लेकर ठोस शोध जरूरी है। लेकिन मोटे तौर पर इनमें दर्ज ज्यादातर वायदे पूरे हो ही नहीं पाते। इसलिए मतदाताओं के एक वर्ग अलग ढंग से सोचने लगा है। मतदाताओं के एक वर्ग का मानना है कि चाहे जिस भी फ्रेम में चुनाव घोषणा पत्र जारी हों, उन्हें उपभोक्ता कानून के दायरे में लाना चाहिए। जिस तरह किसी प्रोडक्ट का निर्माता अपने प्रोडक्ट को लेकर गारंटी या वारंटी देता है, और जब वे पूरे नहीं होते तो उसके प्रोडक्ट खरीदने वाले उत्पादक के खिलाफ उचित फोरम में जाकर शिकायत दर्ज करा सकते हैं, उसी तरह चुनावी घोषणा पत्रों को लेकर भी कानून होने चाहिए। इस वर्ग का मानना है कि एक फोरम ऐसा भी होना चाहिए, जिसे कानूनी ताकत हासिल हो और जो चुनावी वायदाखिलाफी की सुनवाई कर सके।

चुनाव घोषणा पत्रों की स्थिति संविधान के नीति निर्देशक तत्वों की तरह ही है। नीति निर्देशक तत्व राज्य से लोक हित के तमाम कदम उठाने को लेकर उम्मीद तो करता है, लेकिन राज्य के लिए ऐसा करना अनिवार्य नहीं बनाता। नीति निर्देशक तत्वों के तहत राज्य या सरकार कदम नहीं उठाती तो किसी को भी किसी भी अदालत में इसकी शिकायत की ना तो अनुमति है और ना ही कोई अदालत ऐसी सुनवाई कर भी सकती है। चुनाव घोषणा पत्रों की भी कुछ ऐसी ही स्थिति है। हालांकि ऐसा नहीं है कि चुनाव घोषणा पत्रों को लेकर अदालतों के सामने सवाल नहीं उठे। चुनाव घोषणा पत्र को लेकर दाखिल एक याचिका पर सुनवाई के बाद सुप्रीम कोर्ट ने 5 जुलाई 2013 को अपना फैसला सुनाया था। एस. सुब्रमण्यम बालाजी बनाम तमिलनाडु सरकार और अन्य के मामले में देश की सबसे बड़ी अदालत ने चुनाव आयोग को सभी मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों की सलाह से चुनावी घोषणापत्र के संबंध में दिशा–निर्देश तैयार करने का निर्देश दिया था। इस फैसले में कोर्ट ने कहा था, – चुनाव आयोग, राजनीतिक दलों और उम्मीदवारों के बीच समान अवसर सुनिश्चित करने और यह देखने के लिए कि चुनाव प्रक्रिया की पवित्रता पर आंच ना आए, घोषणापत्र को लेकर निर्देश जारी करे। जैसे आयोग आदर्श आचार संहिता के निर्देश जारी करता है। – आयोग के पास संविधान के अनुच्छेद 324 के तहत स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव कराने के लिए ऐसे आदेश दे सकता है। – अदालत को पता है कि सामान्यतया राजनीतिक दल मतदान के पहले चुनाव घोषणा पत्र जारी करते हैं, ऐसी स्थिति में चुनाव आयोग के पास किसी भी कार्य को रेगुलेट करने का अधिकार नहीं होता है। फिर भी, घोषणा पत्र को लेकर अपवाद बनाया जा सकता है, क्योंकि चुनावी घोषणापत्र का उद्देश्य सीधो चुनाव प्रक्रिया से जुड़ा होता है। इसके बाद चुनाव आयोग ने राजनीतिक दलों से विचार–विमर्श के बाद साल 2015 में चुनाव घोषणा पत्र को लेकर गाइड–लाइन जारी की थी। इसके अनुसार, – चुनाव घोषणापत्र में संवैधानिक आदर्शों और सिद्धांतों से इतर कुछ भी नहीं होगा और यह आदर्श आचार संहिता के अन्य प्रावधानों की भावना के अनुरूप होगा। – संविधान में निहित राज्य के नीति निर्देशक सिद्धांतों के तहत राज्यों को नागरिकों के लिए विभिन्न कल्याणकारी उपाय करने के आदेश हैं, इसलिए चुनावी घोषणा पत्रों में ऐसे कल्याणकारी उपायों के वायदे पर कोई आपत्ति नहीं हो सकती। हालांकि, राजनीतिक दलों को ऐसे वादे करने से बचना चाहिए, जिनसे चुनाव प्रक्रिया की शुचिता पर असर पड़ सकता है या मतदाताओं पर उनके मताधिकार का प्रयोग करने में अनुचित प्रभाव पड़ने की आशंका हो। – पारदर्शिता, समान अवसर और वायदों की विश्वसनीयता बनाए रखने के लिए अपेक्षा की जाती है कि घोषणापत्र में किए गए वादे स्पष्ट हों और इसे पूरा करने के लिए वित्तीय संसाधन कैसे जुटाए जाएंगे, इसकी भी जानकारी हो। मतदाताओं का भरोसा उन्हीं वादों पर हासिल करना चाहिए, जिन्हें पूरा किया जाना संभव हो। दुर्भाग्यवश चुनाव आयोग की गाइड लाइन भी बहुत प्रभावी नहीं हो पा रही है। हवा–हवाई वायदे भी खूब किए जा रहे हैं।

इनमें रोजगार और नौकरियों को लेकर की जाने वाले वायदे पहले नंबर पर हैं। कल्याणकारी योजनाएं भी इसी कैटेगरी में आती हैं। लेकिन बहुत कम राजनीतिक दल ऐसे हैं, जो कल्याणकारी योजनाओं से संबंधि वायदे करते वक्त उन्हें पूरा करने के लिए जुटाई जाने वाली रकम और उनके स्रोत और तरीकों की जानकारी नहीं देते। मतदाताओं की बढ़ती जागरूकता का दबाव ही है कि कल्याणकारी योजनाओं को लेकर वायदे खूब हो रहे और हर राजनीतिक दल अपने ढंग से लागू भी कर रहा है। भले ही राज्य के खजाने की हालत खस्ता ही क्यों ना हो जाए। लेकिन यह भी सच है कि उस पर खर्च होने वाले फंड के स्रोत को लेकर जानकारी नहीं दी जा रही। साफ है कि चुनाव आयोग की गाइड लाइन इस संदर्भ में नाकाम लग रही है। मौजूदा आर्थिकी में लाभ पर जोर है, रोजगार का सवाल लगातार पीछे छूटता जा रहा है। इसे उलटबांसी ही कहेंगे कि राजनीतिक दल इसी आर्थिकी को आगे बढ़ाने के साथ ही हवाई वायदों की फेहरिस्त भी जारी करते रहते हैं। चूंकि वोटरों के हाथ बंधो हुए हैं, इसलिए वे भी सवाल उठाने से ज्यादा कुछ नहीं कर सकते। यहां पर याद आता है, संविधानसभा के सदस्य अनंत शयनम अयंगार के वे शब्द, जो उन्होंने नीति निर्देशक तत्वों पर अदालती चाबुक के तर्क के विरोधा में दिया था। तब उन्होंने जनता की ताकत पर भरोसा जताते हुए कहा था कि पांच साल में एक बार जब चुनाव होंगे, तब मतदाताओं के लिए यह विकल्प होगा कि वे उन्हीं लोगों को न चुनें जो जनता की राय से अलग हैं। लेकिन क्या ऐसा हो पा रहा है? निश्चित तौर पर इसका जवाब ना में है। ऐसे में सवाल उठता है कि फिर हवाई वायदे ना हों और जो किए जाएं, उन्हें लागू कैसे किया जाए? निश्चित तौर पर इसके लिए एक बार फिर सुप्रीम कोर्ट और चुनाव आयोग को भी आगे आना होगा। मौजूदा राजनीतिक व्यवस्था इस आत्म नियंत्रण करने से रही। चूंकि वायदों में ही सबका फायदा है, इसलिए कोई भी दल बिल्ली के गले घंटी बांधने के लिए आगे आने की हिम्मत नहीं दिखा पाएगा।

बसपा के लिये एक बार फिर बुरा सपना तो साबित नहीं होंगे उप चुनाव

मुजफ्फरनगर की मीरापुर विधानसभा सीट के उपचुनाव में कई जगह पुलिस और वोटरों के बीच नोकंझोंक होते दिखी। यहां मुकाबला बीजेपी समर्थित रालोद प्रत्याशी मिथलेश पाल और सपा प्रत्याशी सुम्बुल राना के बीच सिमटता हुआ नजर आया। उत्तर प्रदेश में हुए उपचुनाव में भाजपा और समाजवादी पार्टी में किसको कितनी सीटें मिलेंगी,इसको लेकर तो चर्चा हो सकती है,परंतु उप चुनाव में जिस तरह का मतदान देखने को मिला उससे यही लगता है कि बहुजन समाज पार्टी एक बार फिर हासिये पर ही खड़ी नजर आई। किसी भी सीट पर बसपा फाइट करती नहीं दिखी। बसपा सुप्रीमो मायावती के लिये लगता है अब आगे की राह आसान नहीं रह गई है। इसका मुख्य कारण यह भी है कि बसपा का कोर वोटर कहलाने वाले दलितों ने अब भाजपा–सपा के रूप में अपनी नहीं मंजिल चुन ली है।इसी वजह से कमोबेश सभी जगह बसपा मुख्य लड़ाई से गायब दिखी, जिसके चलते भाजपा और सपा सीधी लड़ाई में आ गए हैं। बसपा की तरह ही चन्द्रशेखर आजाद की आजाद पार्टी भी कोई गुल खिलाते नहीं दिखी है। कई सीटों पर दलित मतदाता मुख्य रूप से भाजपा–सपा के बीच बंटे हुए दिखाई दिए, जिसने बीजेपी–सपा के जीत के आकड़े को थोड़ा उलझा दिया है, जिसके पक्ष में दलित मतदाता ज्यादा जायेगें, परिणाम उसी के पक्ष में रहेगा। सबसे बड़ी बात यह रही कि मुरादाबाद की मुस्लिम बाहुल्य कुंदरकी में भाजपा मुस्लिम मतों में सेंध लगाते हुए दिखी, जिसे काफी चौंकाने वाला माना जा रहा है। उधर, कानपुर की सीसामऊ में सपा और भाजपा के बीच कांटे की टक्कर होने को अनुमान है। यहां के करीब 5.0 मतदान केंद्रों में से आधे से ज्यादा में बसपा प्रत्याशी का बस्ता नहीं दिखा।समाजवादी पार्टी के गढ़ मैनपुरी के कटेहरी उपचुनाव में मतदान से पहले की स्थिति कुछ और थी। तब मुकाबला त्रिकोणीय माना जा रहा था। संभावना थी कि बसपा प्रत्याशी अमित वर्मा अपने सजातीय मतों में सेंधमारी कर सपा को तगड़ी चोट देंगे, लेकिन मतदान के दौरान ऐसा प्रतीत नहीं हुआ। अंत में भाजपा के धर्मराज निषाद और सपा की शोभावती वर्मा के बीच ही सीधा मुकाबला दिखा। हां, बसपा का प्रदर्शन कमल व साइकिल का संतुलन बिगाड़ सकता है। राजनीतिक जानकारों के अनुसार बसपा ने अपने पारंपरिक वोटों के साथ ही जातिगत समीकरण को साधा तो सपा का गणित बिगड़ सकता है।यहां सीधा मुकाबला सपा प्रत्याशी तेजप्रताप यादव और भाजपा प्रत्याशी अनुजेश सिंह में रहा। मुजफ्फरनगर की मीरापुर विधानसभा सीट के उपचुनाव में कई जगह पुलिस और वोटरों के बीच नोकंझोंक होते दिखी।

आज का राशिफल

मेष राशि–
आज का दिन आपके लिए नयी उमंग से भरा रहने वाला है। आज आपको कार्यस्थल पर किसी व्यक्ति का सहयोग मिलेगा इससे आपको काम करने में आसानी होगी।

वृष राशि–
आज का दिन आपके अनुकूल रहने वाला है।आप किसी काम करने के नए तरीके पर विचार करेंगे, इससे आपका काम आसान हो जायेगा 7 आज आप अपने मित्रों के साथ कहीं घूमने की प्लानिंग बनायेंगे।

मिथुन राशि–
आज का दिन आपके लिए उत्तम रहने वाला है। आज आप किसी विपरीत परिस्थिति में अपने धैर्य को बनायेंगे रखेंगे आपकी स्थितियां जल्द ही सुधरती नजर आएँगी। आज दूसरों के बारे में दखलंदाजी से आपकी मानहानि जैसी स्थिति बन सकती है।

कर्क राशि–
आज का दिन आपके लिए शानदार रहने वाला है। आज ऑफिस के किसी काम के कारण आपकी अचानक यात्रा हो सकती है।आज आपकी किसीऐसे व्यक्ति से मुलाकात होगी जिससे आपको कुछ नया सीखने को मिलेगा।

सिंह राशि–
आज का दिन आपके लिए बेहतर रहने वाला है। आज आप कुछ समय मनोरंजन सम्बन्धी गतिविधियों में बिताएंगे। आज आपके द्वारा कुछ सराहनीय काम किये जा सकते हैं। आपके मान–सम्मान में बढ़ोत्तरी होगी।

कन्या राशि–
आज का दिन आपके लिए खुशियों से भरा रहने वाला है। आज अपनी भावनाओं के साथ दूसरों के भी भावनाओं का ख्याल रखेंगे। आज परिवार के साथ घर पर मूवी देखने की प्लानिंग करेंगे

तुला राशि–
आज का दिन आपके लिए खास होने वाला है। आज कुछ महत्वपूर्ण मामलों में फैसला ले सकते हैं। धर्म और सामाजिक कार्यों में आपकी रुचि हो सकती है। नकारात्मक गतिविधि वाले लोगों से दूर रहें।

धनु राशि–
आज का दिन आपके लिए ठीक–ठाक रहने वाला है। आज कुछ समय अपने पारिवारिक तथा व्यक्तिगत जीवन के लिए निकालना संबंधों में मधुरता लाएगा। प्रोफेशनल कार्य प्रणाली में कुछ बदलाव हो सकता है। मेडिकल स्टोर वालों को आज उम्मीद से ज्यादा धन लाभ होगा।

मकर राशि–
आज का दिन फेवरेबल रहने वाला है। आज आप कुछ महत्वपूर्ण फैसले ले सकते हैं जो आपकी आर्थिक स्थिति और घर की व्यवस्था ठीक रखने में सहायक हो सकते हैं।

कुंभ राशि–
आजका दिन आपके लिए सुनहरा रहने वाला है। कुछ समय से चल रहे पारिवारिक वाद–विवाद निपटने से घर में सुकून और शांति पूर्ण माहौल रहेगा। तथा आप अपने व्यक्तिगत कार्यों पर धयान दे पाएंगे। इस समय कई नई तरह की गतिविधियों में भी व्यस्तता रहेगी और उचित परिणाम मिलेंगे।

मीन राशि
आज का दिन आपके लिए सामान्य रहने वाला है 7 व्यवसाय में अपना पूरा ध्यान मार्केटिंग और काम के प्रमोशन में लगाएं। निश्चित रणनीति बनाकर काम करने से सफलता की संभावनाएं बढ़ेंगी। विस्तार संबंधी योजनाओं को गंभीरता से लें। कई उलझे सवालों के जवाब आज आपको मिल जायेगा, कन्फ्यूजन की स्थिति खत्म होगी। किसी काम से आज आपको बड़ा फायदा होने वाला है, साथ ही अधूरा काम पूरा हो जायेगा। आज खर्च में इजाफा.... बचत को ज्यादा मुश्किल बना देगा। आज निजी काम में बहन का सहयोग उम्मीद से अधिक मिलने वाला है।

साहित्य के नाम पर मनोरंजन का मंच

पिछले साल हिंदी के प्रख्यात लेखक एवम संस्कृतिकर्मी अशोक वाजपेयी ने इसलिए इस समारोह का बहिष्कार किया था कि उनसे आयोजकों ने पूछा था कि वे पहले सूचित करें कि वे मंच पर क्या बोलेंगे। लेकिन इस बार आइटम गर्ल को बुलाए जाने से विवाद अधिक है।ज् साहित्य के नाम पर मनोरंजन का मंच सजाने पर उस मंच की शोभा बढ़ाने की बजाय अगर लेखक जन आंदोलनों में शामिल हों और लेखन, पठन का अपना मंच सजाएं तो क्या वह ज्यादा बेहतर नहीं होगा?पिछले कुछ दिनों से हिंदी साहित्य की दुनिया में हंगामा बरपा हुआ है। एक टीवी चौनल के साहित्यिक कार्यक्रम में लेखकों के साथ–साथ बॉलीवुड के सितारों को बुलाए जाने के कारण सोशल मीडिया पर यह हंगामा मचा हुआ है। इस बीच पिछले दिनों दो लेखक संगठनों के दो पदाधिकारियों ने इस्तीफा भी दे दिया, जिससे इस मामले ने अधिक तूल पकड़ लिया। एक लेखक के बारे में कहा जा रहा है कि उसने टीवी चौनल के साहित्योत्सव में जाने पर अपने मित्र लेखक द्वारा तंज किए जाने के कारण इस्तीफा दिया है।जो लोग इस तरह के समारोहों में जा रहे हैं उनका तर्क है कि लेखकों को हर मंच पर जाना चाहिए और इस तरह जनता से जुडना चाहिए क्योंकि हमारे लेखक संगठन जनता से नहीं जुड़े हैं। इन लेखकों का कहना है कि हम किसी भी मंच पर जाएं लेकिन हमें अपनी बात खरी–खरी कहनी चाहिए। लेकिन जो लोग इस टीवी चौनल के साहित्योत्सव के विरोधी हैं उनका तर्क है कि अगर बॉलीवुड के लोगों को बुलाना है तो साहित्य की आड़ में यह क्यों किया जा रहा, इसे शसाहित्य आज तकय की बजाय शमनोरंजन आज तकय के नाम से किया जाए।

आखिर साहित्य के जलसे में आइटम गर्ल को क्यों बुलाया जा रहा। उनका तर्क यह भी है कि इस तरह के टीवी चौनलों के मंच सांप्रदायिक लोगों द्वारा संचालित हैं और वह साहित्य को बाजार बनाने में लगे हुए हैं। इसलिए उनके मंच से उनके खिलाफ बात नहीं कहीं जा सकती और अगर किसी ने कहा भी तो उसका व्यापक असर नहीं होने वाला है क्योंकि ज्यादातर वक्ता बाजार के समर्थक ही हैं। पिछले साल हिंदी के प्रख्यात लेखक एवम संस्कृतिकर्मी अशोक वाजपेयी ने इसलिए इस समारोह का बहिष्कार किया था कि उनसे आयोजकों ने पूछा था कि वे पहले सूचित करें कि वे मंच पर क्या बोलेंगे। लेकिन इस बार आइटम गर्ल को बुलाए जाने से विवाद अधिक है। अब हिंदी के लेखकों में ध्रुवीकरण भी हो गया है। लेखिकाओं में भी विभाजन हो गया है। एक वर्ग आइटम गर्ल को बुलाए जाने का समर्थक है तो एक वर्ग विरोधी। इस तरह साहित्य की दुनिया में इन दिनों उथल–पुथल अधिक है। हिंदी के लेखकों का एक धड़ा, जिनमें कुछ प्रगतिशील और कलावादी भी हैं, वह इस समारोह में भाग ले रहा है, जबकि एक धड़ा उसका लगातार विरोध कर रहा है।भाग लेने वालों में पुरुषोत्तम अग्रवाल, अरुण कमल और गौहर राजा जैसे लोग हैं तथा बाबुषा कोहली, अनुराधा सिंह और लवली गोस्वामी एवम जोशना बनर्जी जैसी कवयित्रियां भी। कुछ साल पहले इसी टीवी चौनल के साहित्यिक कार्यक्रम में हिंदी के प्रगतिशील जनवादी कवि राजेश जोशी के भाग लेने पर काफी तीखी प्रतिक्रिया हुई थी। लेकिन इसके बावजूद जनवादी लेखक इस समारोह में जाते रहे। अब प्रगतिशील लेखक संगठन ने पिछले दिनों चंडीगढ़ में एक प्रस्ताव पारित कर कॉरपोरेट के समारोहों में भाग लेने से लेखकों को मना किया है। पर दो अन्य वाम लेखक संगठनों ने इस तरह का प्रस्ताव नहीं पारित किया है।

आखिर क्या कारण है कि इस तरह के आयोजन को लेकर हिंदी में तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की जा रही है? पिछले 10–15 वर्षों से हिंदी में लिट् फेस्ट की संख्या काफी बढ़ी है और उनमें हिंदी के लेखक बुलाए जा रहे हैं। कहा यह जा रहा है कि जिन लोगों को लिट् फेस्ट में नहीं बुलाया जा रहा है वह अपनी कुंठा के कारण उसका विरोध कर रहे हैं। लेकिन हिंदी जगत में कुछ ऐसे लेखक हैं, जो ऐसे मंचों पर कभी जाते ही नहीं। वह इन मंचों को तमाशाई, अगम्भीर, उत्सव धर्मी अधिक मानते हैं। इन मंचों से कायदे की कोई बात नहीं कहीं जा सकती है और न सुनी जा सकती है। लेकिन लेखकों का एक तबका यह कहता है कि हमें बाजार से परहेज नहीं करना चाहिए। आखिर हमारी किताबों को बाजार में ही बिकना है इसलिए अगर हम अधिक से अधिक बाजार तलाशेंगे तो अधिक पाठकों तक पहुंचेंगे।

शायद यही कारण है कि सोशल मीडिया पर आज का लेखक अपनी किताब का खुद प्रचार–प्रसार करता हुआ दिख रहा है। हिंदी में ऐसे भी लेखक हैं जो यह काम नहीं करते हैं और यह मानते हैं कि किताब का प्रचार–प्रसार करना प्रकाशक की जिम्मेदारी है ना कि लेखक की। इससे पहले हिंदी के लेखक अपनी किताबों का इस तरह प्रमोशन नहीं करते थे और प्रचार नहीं करते थे। यह सारी जिम्मेदारी पहले प्रकाशक की थी। ऐसे में लेखक प्रकाशक का यह काम क्यों कर रहे हैं?

दरअसल बाजार और पूंजी ने सब कुछ उलट–पुलट दिया है। पहले उसने राजनीति को अपने चंगुल में लिया, फिर मीडिया को लिया और अब साहित्य को अपने चंगुल में ले रहा है। पर यह भी सच है कि हिंदी के लेखक भी जनता से कट गए हैं और लेखक संगठन संकीर्ण और कट्टर होने के कारण दूसरी विचारधारा के लेखकों को अपने मंच पर नहीं बुलाते, अपनी पत्रिकाओं में नहीं छापते। इसलिए हिंदी में लेखकों का एक वर्ग इस बात की शिकायत करता रहा है कि आखिर वह किस मंच पर जाए और अपनी बात कहे। लेकिन इस पूरी बहस में एक बात उभर कर आ रही है कि लेखक भी पूंजी के इस खेल में फंस गया है। ऐसे में हिंदी के साहित्यकार क्या करें उनके पास कोई ऐसा बड़ा मंच नहीं है जहां से वे जनता से जुड़ सकें।

इस बहस में यह सवाल भी उठ रहा है कि अगर हिंदी के लेखकों को जनता से जुडना ही है तो वे किसान आंदोलन में क्यों नहीं जाते? वे मजदूर आंदोलन में क्यों नहीं भाग लेते? वे अपने मोहल्ले कॉलेज और स्कूलों में रचना पाठ की परंपरा को शुरू क्यों नहीं करते? किसी मीडिया समूह के साहित्य के नाम पर मनोरंजन का मंच सजाने पर उस मंच की शोभा बढ़ाने की बजाय अगर लेखक जन आंदोलनों में शामिल हों और लेखन, पठन का अपना मंच सजाएं तो क्या वह ज्यादा बेहतर नहीं होगा?

एक पेड़ मां के नाम... पीएम मोदी ने जार्जटाउन में किया पौधारोपण

एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि यह अधिनियम केवल पर्यावरणवाद के बारे में नहीं था, बल्कि प्रकृति और मातृत्व के सम्मान के साझा मूल्यों के माध्यम से राष्ट्रों के बीच संबंध को बढ़ावा देने के बारे में भी था। बाद में एक्स पर एक पोस्ट में पीएम मोदी ने कहा कि स्थिरता के लिए एक साझा प्रतिबद्धता! एक बहुत ही विशेष संकेत में, गुयाना के राष्ट्रपति और मेरे दोस्त, डॉ. इरफान अली ने श्एक पेड़ मां के नामश में हिस्सा लिया। अपनी दादी और सास के साथ एक पौधा लगाया।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की श्एक पेड़ मां के नामश पहल बुध ावार को वैश्विक हो गई। पीएम मोदी और गुयाना के राष्ट्रपति इरफान अली ने जॉर्जटाउन में एक पौधा लगाया, जो पर्यावरण चेतना अभियान को वैश्विक रूप से अपनाने का प्रतीक है, जिसमें इस साल 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस पर लॉन्च होने के बाद से देश भर में बड़े पैमाने पर भागीदारी देखी गई थी। इस पहल ने लोगों को अपनी माताओं को श्रद्धांजलि के रूप में एक पौध ाा लगाने के लिए प्रोत्साहित किया, जिसमें पर्यावरण देखभाल के विषयों को मातृ प्रेम के सार्वभौमिक बंधन के साथ जोड़ा गया। एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि यह अधि ानियम केवल पर्यावरणवाद के बारे में नहीं था, बल्कि प्रकृति और मातृत्व के सम्मान के साझा मूल्यों के माध्यम से राष्ट्रों के बीच संबंध ा को बढ़ावा देने के बारे में भी था। बाद में एक्स पर एक पोस्ट में पीएम मोदी ने कहा कि स्थिरता के लिए एक साझा प्रतिबद्धता! एक बहुत ही विशेष संकेत में, गुयाना के राष्ट्रपति और मेरे दोस्त, डॉ. इरफान अली ने श्एक पेड़ मां के नामश में हिस्सा लिया। अपनी दादी और सास के साथ एक पौधा लगाया। राष्ट्रपति अली ने प्रधानमंत्री मोदी की प्रशंसा करते हुए उन्हें उनके प्रभावशाली नेतृत्व और विकासशील विश्व में योगदान देने वाला अग्रणी नेता बताया। मोदी के साथ संयुक्त प्रेस वक्तव्य के दौरान अली ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी, आपका बहुत–बहुत धन्यवाद। आपका यहां आना हमारे लिए बहुत सम्मान की बात है। आप नेताओं में अग्रणी हैं। आपने अविश्वसनीय रूप से नेतृत्व किया है।" उन्होंने मोदी की शासन शैली की प्रशंसा करते हुए कहा कि गुयाना और अन्य देशों के लिए यह काफी मायने रखता है।

अंतरराष्ट्रीय न्यायालय ने नेतन्याहू और हमास अधिकारियों के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया

आईसीसी ने इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू, पूर्व रक्षा मंत्री और हमास के अधिकारियों के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया। इसमें उन पर गाजा में युद्ध और अक्टूबर 2023 के हमलों को लेकर युद्ध अपराध और मानवता के खिलाफ अपराध का आरोप लगाया गया है। संघर्ष में हमास के कई अधिकारी मारे गए हैं।हेग । अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायालय (आईसीसी) ने इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू, पूर्व रक्षा मंत्री और हमास के अधिकारियों के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया। इसमें उन पर गाजा में युद्ध और अक्टूबर 2023 के हमलों को लेकर युद्ध अपराध और मानवता के खिलाफ अपराध का आरोप लगाया गया है। अक्टूबर 2023 में इजराइल पर हमले के बाद फलस्तीनी क्षेत्र में इजराइल का हमला शुरू हुआ। संघर्ष में हमास के कई अधिकारी मारे गए हैं।आईसीसी के इस निर्णय से नेतन्याहू और अन्य अंतरराष्ट्रीय स्तर पर वांछित संदिग्ध बन गए हैं तथा इससे उनके अलग–थलग पड़ने एवं 13 महीने से जारी संघर्ष को समाप्त करने के लिए संघर्ष विराम पर बातचीत करने के प्रयासों में जटिलता आने की आशंका है। हालांकि, इसके व्यावहारिक प्रभाव सीमित हो सकते हैं क्योंकि इजराइल और उसका प्रमुख सहयोगी अमेरिका, आईसीसी के सदस्य नहीं हैं। नेतन्याहू और अन्य इजराइली नेताओं ने आईसीसी के मुख्य अभियोजक करीम खान के वारंट के अनुरोध की निंदा करते हुए इसे अपमानजनक और यहूदी विरोधी बताया है। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने भी अभियोजक की निंदा की और हमास के खिलाफ खुद का बचाव करने के इजराइल के अधिकार का समर्थन किया।

बेंजामिन नेतन्याहू होंगे गिरफ्तार ? इंटरनेशनल क्रिमिनल कोर्ट ने जारी किया वारंट

चौंबर ने 26 सितंबर 2024 को इजराइल द्वारा प्रस्तुत दो अनुरोधों पर फैसला सुनाया। इजराइल ने सामान्य रूप से फिलिस्तीन राज्य की स्थिति पर, और विशेष रूप से इजराइली नागरिकों पर, अनुच्छेद 19 के आधार पर न्यायालय के अधिकार क्षेत्र को चुनौती दी। मध य–पूर्व में चल रहे संघर्ष के बीच अंतर्राष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय (आईसीसी) ने इजरायल के प्रधान मंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और पूर्व इजरायली रक्षा मंत्री योव गैलेंट के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया है। चौंबर ने 8 अक्टूबर, 2023 से 20 मई, 2024 तक मानवता के खिलाफ अपराधों और युद्ध अपराधों पर नेतन्याहू और गैलेंट के लिए गिरफ्तारी वारंट जारी किया, जिस दिन अभियोजन पक्ष ने गिरफ्तारी वारंट के लिए आवेदन दायर किया था।चौंबर ने 26 सितंबर 2024 को इजराइल द्वारा प्रस्तुत दो अनुरोधों पर फैसला सुनाया। इजराइल ने सामान्य रूप से फिलिस्तीन राज्य की स्थिति पर, और विशेष रूप से इजराइली नागरिकों पर, अनुच्छेद 19 के आधार पर न्यायालय के अधिकार क्षेत्र को चुनौती दी। दूसरे अनुरोध में इजराइल ने अनुरोध किया कि चौंबर अभियोजन पक्ष को कानून के अनुच्छेद 18(1) के तहत अपने अधिकारियों को जांच शुरू करने की एक नई अधिसूचना प्रदान करने का आदेश दे। इजराइल ने चौंबर से प्रासंगिक स्थिति में अदालत के समक्ष किसी भी कार्यवाही को रोकने का भी अनुरोध किया, जिसमें 20 मई 2024 को अभियोजन पक्ष द्वारा प्रस्तुत श्री बेंजामिन नेतन्याहू और श्री योव गैलेंट के गिरफ्तारी वारंट के आवेदन पर विचार भी शामिल है। पहली चुनौती के रूप में चौंबर ने नोट किया कि इजराइल द्वारा न्यायालय के अधिकार क्षेत्र की स्वीकृति की आवश्यकता नहीं है, क्योंकि न्यायालय फिलिस्तीन के क्षेत्रीय क्षेत्राधिकार के आधार पर अपने क्षेत्राधिकार का प्रयोग कर सकता है, जैसा कि पिछली संरचना में प्री–ट्रायल चौंबर ᑊ द्वारा निर्धारित किया गया था। . इसके अलावा, चौंबर ने माना कि कधनून के अनुच्छेद 19(1) के अनुसार, राज्य गिरफ्तारी वारंट जारी करने से पहले अनुच्छेद 19(2) के तहत न्यायालय के क्षेत्राधिकार को चुनौती देने के हकदार नहीं हैं। इस प्रकार इजराइल की चुनौती समय से पहले है। यह न्यायालय के अधिकार क्षेत्र औरध्या किसी विशेष मामले की स्वीकार्यता के लिए भविष्य में संभावित चुनौतियों पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना है।

खैबर पख्तूनख्वा में बड़ा आतंकी अटैक, यात्री वैन पर हमले में 38 लोगों की मौत

किसी भी समूह ने घटना की जिम्मेदारी नहीं ली है। पाराचिनार के एक स्थानीय निवासी जियारत हुसैन ने समाचार एजेंसी रॉयटर्स को टेलीफोन पर बताया। यात्री वाहनों के दो काफिले थे, एक पेशावर से पाराचिनार और दूसरा पाराचिनार से पेशावर जा रहा था, तभी हथियारबंद लोगों ने उन पर गोलियां चला दीं। काफिले में रिश्तेदार पेशावर से जा रहे थे। राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी ने एक बयान में यात्री वाहनों पर हमले की कड़ी निंदा की।खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के मुख्य सचिव नदीम असलम चौधरी ने कहा कि बंदूकधारियों ने गुरुवार को उत्तर–पश्चिमी पाकिस्तान के एक आदिवासी इलाके में यात्री वाहनों पर गोलीबारी की, जिसमें कम से कम 38 लोग मारे गए और 29 घायल हो गए। चौधरी ने कहा, कुर्रम आदिवासी जिले में हुए हमले में मरने वालों में एक महिला और एक बच्चा भी शामिल है, उन्होंने कहा, ष्यह एक बड़ी त्रासदी है और मरने वालों की संख्या बढ़ने की संभावना है। अफगानिस्तान की सीमा से लगे कबायली इलाके में भूमि विवाद को लेकर सशस्त्र शिया और सुन्नी मुसलमानों के बीच दशकों से तनाव बना हुआ है।किसी भी समूह ने घटना की जिम्मेदारी नहीं ली है। पाराचिनार के एक स्थानीय निवासी जियारत हुसैन ने समाचार एजेंसी रॉयटर्स को टेलीफोन पर बताया। यात्री वाहनों के दो काफिले थे, एक पेशावर से पाराचिनार और दूसरा पाराचिनार से पेशावर जा रहा था, तभी हथियारबंद लोगों ने उन पर गोलियां चला दीं। काफिले में रिश्तेदार पेशावर से जा रहे थे। राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी ने एक बयान में यात्री वाहनों पर हमले की कड़ी निंदा की।

जेल से रिहा होते ही फिर दूसरे मामले में गिरफ्तार इमरान खान, 474 दिन से जेल में बंद हैं पूर्व पीएम

आरोपों में आतंकवाद विरोधी अधिनियम का उल्लंघन, सार्वजनिक समारोहों पर सरकारी प्रतिबंध की अवहेलना, पुलिस ड्यूटी में बाधा डालना, पुलिस वाहनों को नुकसान पहुंचाना और सार्वजनिक सुरक्षा को खतरे में डालना शामिल है। मामले में औपचारिक गिरफ्तारी से पहले ही, संघीय सूचना मंत्री अट्टा तरार ने यह कहकर उनकी रिहाई के विचार को खारिज कर दिया कि खान 9 मई, 2023 की हिंसा से संबंधि ात आठ मामलों में वांछित थे और उन्हें जेल से मुक्त होने से पहले जमानत लेनी चाहिए।जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की रिहाई की संभावनाएं तब खत्म हो गईं जब उन्हें कथित भ्रष्टाचार के एक मामले में जमानत मिलने के कुछ घंटों बाद एक विरोध प्रदर्शन मामले में गिरफ्तार कर लिया गया। इस्लामाबाद उच्च न्यायालय (आईएचसी) ने बुधवार को उन्हें महंगे बुल्गारी आभूषण सेट की बेहद कम कीमत पर खरीद से संबंधित दूसरे तोशाखाना मामले में जमानत दे दी, जिससे उनकी रिहाई की उम्मीदें जग गईं। हालांकि, कुछ घंटों बाद रावलपिंडी पुलिस ने आतंकवाद और अन्य आरोपों पर न्यू टाउन पुलिस स्टेशन में दर्ज मामले में देर रात उसे गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोप लगाया कि रावलपिंडी की अदियाला जेल में कैद रहने के दौरान खान ने 28 सितंबर को रावलपिंडी में विरोध प्रदर्शन का आह्वान किया था। डॉन अखबार ने एक पुलिस प्रवक्ता के हवाले से कहा कि खान को 28 सितंबर को दर्ज मामले में हिरासत में लिया गया है और एक टीम बनाई गई है। आरोपों की जांच का जिम्मा सौंपा गया।आरोपों में आतंकवाद विरोधी अधिनियम का उल्लंघन, सार्वजनिक समारोहों पर सरकारी प्रतिबंध की अवहेलना, पुलिस ड्यूटी में बाधा डालना, पुलिस वाहनों को नुकसान पहुंचाना और सार्वजनिक सुरक्षा को खतरे में डालना शामिल है। मामले में औपचारिक गिरफ्तारी से पहले ही, संघीय सूचना मंत्री अट्टा तरार ने यह कहकर उनकी रिहाई के विचार को खारिज कर दिया कि खान 9 मई, 2023 की हिंसा से संबंधित आठ मामलों में वांछित थे और उन्हें जेल से मुक्त होने से पहले जमानत लेनी चाहिए। डॉन ने बताया कि खान को रिहा होने से पहले लाहौर, रावलपिंडी और इस्लामाबाद में दर्ज लगभग दो दर्जन अन्य मामलों में जमानत लेने की जरूरत है। इस्लामाबाद पुलिस के अनुसार, खान के खिलाफ राजधानी के विभिन्न पुलिस स्टेशनों में कम से कम 62 मामले दर्ज किए गए थे, जबकि उनकी पीटीआई पार्टी ने कहा कि अन्य 54 मामले पंजाब प्रांत में दर्ज किए गए थे। इस बीच, एक जवाबदेही अदालत ने बुधवार को अदियाला जेल में 190 मिलियन पाउंड के जीबीपी मामले पर सुनवाई की और बताया गया कि खान और बुशरा बीबी ने अभी तक उन्हें जारी किए गए प्रश्नावली के जवाब प्रस्तुत नहीं किए हैं।

भाजपाई हुए कैलाश गहलोत, केजरीवाल के लिए बहुमत पाना होगा मुश्किल

अगर वाकई भाजपा, अपनी रणनीति में कामयाब हो जाती है तो निश्चित तौर पर इसका असर आम आदमी पार्टी पर पड़ेगा। आप के लिए इस बार बड़ी चुनौती सिर्फ भाजपा की तरफ से ही नहीं आ रही है बल्कि कांग्रेस खासकर राहुल गांधी भी इस बार दिल्ली में पार्टी को मजबूत देखना चाहते हैं। रविवार को दिल्ली सरकार और आम आदमी पार्टी से इस्तीफा देने वाले कैलाश गहलोत ने सोमवार को भाजपा का दामन थाम लिया। हालांकि गहलोत के आतिशी मंत्रिमंडल और आम आदमी पार्टी से इस्तीफा देने के साथ ही यह तय माना जा रहा था कि उनका अगला ठिकाना भाजपा ही होने जा रहा है। इसी के साथ अब यह सवाल खड़ा हो गया है कि कैलाश गहलोत कुछ महीनों बाद ही दिल्ली में होने वाले विधानसभा चुनाव में भाजपा को कितना फायदा पहुंचा सकते हैं। सवाल यह भी खड़ा हो रहा है कि क्या कैलाश गहलोत का कद वाकई इतना बड़ा है कि श्शीशमहलश सहित उनके द्वारा लगाए गए तमाम आरोपों से अरविंद केजरीवाल की छवि को कुछ नुकसान पहुंच सकता है। यह बात बिल्कुल सही है कि कैलाश गहलोत आज जो आरोप लगा रहे हैं,लगभग उसी तरह के आरोप भाजपा पिछले लंबे समय से लगा रही है। दूसरी बात यह है कि , यह सब जानते हैं और मानते भी हैं कि आज की तारीख में आम आदमी पार्टी वन मैन पार्टी बन कर रह गई है। आप का मतलब, आज की तारीख में सिर्फ अरविंद केजरीवाल ही रह गया है। ऐसे में बाकी मुद्दे लगभग गौण हो जाते हैं। रविंद केजरीवाल की दिल्ली में सबसे बड़ी ताकत वो लाभार्थी वर्ग है जो उन्होंने महिलाओं को फ्री डीटीसी बस सेवा और दिल्लीवासियों को फ्री बिजली और पानी देकर तैयार किया है। इसके साथ ही केजरीवाल ने बिहार और पूर्वी उत्तर प्रदेश से आने वाले लोगों के साथ–साथ जाट और मुस्लिम समुदाय के सॉलिड वोट बैंक का इतना मजबूत किला बना रखा है कि जिसे ढहाना भाजपा के लिए बड़ी चुनौती बना हुआ है। यही वजह है कि भाजपा इस बार अरविंद केजरीवाल के मजबूत मोहरों के सहारे ही उन्हें विध ाानसभा चुनाव में मात देना चाहती है। कैलाश गहलोत का भाजपा में आना तो महज एक शुरुआत माना जा रहा है। बताया जा रहा है कि आने वाले दिनों में केजरीवाल के कई कद्दावर नेता भाजपा का दामन थाम सकते हैं। ये सभी नेता आप सरकार की विफलताओं के साथ– साथ केजरीवाल की छवि पर भी चोट करेंगे। कैलाश गहलोत को पार्टी में शामिल कराकर भाजपा ने दिल्ली के जाट समुदाय को बड़ा संदेश देने का प्रयास किया है। आने वाले दिनों में भाजपा , आप में और ज्यादा तोड़–फोड़ कर बिहार और पूर्वी उत्तर प्रदेश से आने वाले दिल्ली के मतदाताओं को भी लुभाने का प्रयास करेगी। अगर वाकई भाजपा, अपनी रणनीति में कामयाब हो जाती है तो निश्चित तौर पर इसका असर आम आदमी पार्टी पर पड़ेगा। आप के लिए इस बार बड़ी चुनौती सिर्फ भाजपा की तरफ से ही नहीं आ रही है बल्कि कांग्रेस खासकर राहुल गांधी भी इस बार दिल्ली में पार्टी को मजबूत देखना चाहते हैं। राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा से प्रेरित होकर कांग्रेस की दिल्ली प्रदेश ईकाई प्रदेश में श्दिल्ली न्याय यात्राश निकाल रही है। यह माना जा रहा है कि अगर कांग्रेस मजबूती से दिल्ली में विधानसभा चुनाव लड़ती है तो फिर मामला पूरी तरह से त्रिकोणीय हो जाएगा। शीशमहल को लेकर भाजपा और कांग्रेस दोनों अरविंद केजरीवाल की छवि पर लगातार चोट कर रहे हैं। ऐसे माहौल में यह तय माना जा रहा है कि 2020 में हुए विधानसभा चुनाव में 70 में से 62 सीटें जीतने वाली आम आदमी पार्टी के लिए इस बार बहुमत तक पहुंचना काफी मुश्किल होने जा रहा है। हम सबको दिल्ली में 2013 में हुए विधानसभा चुनाव के नतीजों को जरूर ध्यान रखना चाहिए जब भाजपा को 32 (सहयोगी के साथ), आप को 28 और कांग्रेस को 8 सीटों पर जीत हासिल हुई थी।

रूस ने पहली बार अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल किया लान्च, युद्ध के बीच यूक्रेन का बड़ा दावा

यूक्रेन ने कहा कि रूस ने एक आसन्न बड़े पैमाने पर हवाई हमले के बारे में कथित तौर पर यूक्रेनी सैन्य खुफिया से नकली चेतावनी को फैलाकर एक बड़े सूचना–मनोवैज्ञानिक हमले के साथ उस पर हमला किया। मुख्य खुफिया निदेशालय ने कहा कि यह संदेश नकली है, इसमें रूसी सूचना और मनोवैज्ञानिक संचालन की विशिष्ट व्याकरण संबंधी त्रुटियां हैं। कीव की वायु सेना ने कहा कि रूस ने यूक्रेन पर सुबह हमले में अपने दक्षिणी अस्त्रखान क्षेत्र से एक अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल लॉन्च की है। युद्ध छिड़ने के बाद यह पहली बार है कि रूस ने इतनी लंबी दूरी की शक्तिशाली मिसाइल का इस्तेमाल किया है। द गार्जियन की रिपोर्ट के अनुसार, जो बाइडेन प्रशासन द्वारा यूक्रेन को एंटी–कार्मिक भूमि खदानों के प्रावधान को मंजूरी देने के बाद, वलोडिमिर जेलेंस्की ने एक वीडियो संबोधन में अमेरिका को धन्यवाद दिया और कहा कि रूसी हमलों को रोकने के लिए बारूदी सुरंगें आवश्यक थीं। इस बीच, यूक्रेन ने कहा कि रूस ने एक आसन्न बड़े पैमाने पर हवाई हमले के बारे में कथित तौर पर यूक्रेनी सैन्य खुफिया से नकली चेतावनी को फैलाकर एक बड़े सूचना–मनोवैज्ञानिक हमले के साथ उस पर हमला किया। मुख्य खुफिया निदेशालय ने कहा कि यह संदेश नकली है, इसमें रूसी सूचना और मनोवैज्ञानिक संचालन की विशिष्ट व्याकरण संबंधी त्रुटियां हैं। यूक्रेन ने कहा है कि रूस ने बीती रात यूक्रेनी शहर निप्रो को निशाना बनाकर युद्ध में पहली बार अंतर–महाद्वीपीय मिसाइल (आईसीबीएम) का इस्तेमाल किया। यह स्पष्ट नहीं है कि किस प्रकार की मिसाइल दागी गई, लेकिन यूक्रेन की वायुसेना ने बृहस्पतिवार को टेलीग्राम पर एक बयान में कहा कि इसे रूस के अस्त्रखान क्षेत्र से दागा गया। यह घटनाक्रम ऐसे समय हुआ है जब युद्ध के मैदान में रूस की मदद के लिए उत्तर कोरियाई सैनिकों के पहुंचने के साथ युद्ध ने अधिक अंतरराष्ट्रीय आयाम ले लिया है।अमेरिका के रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन ने कहा कि बाइडन प्रशासन यूक्रेन को युद्ध में रूस की आक्रामकता से निपटने में मदद के लिए अमेरिका द्वारा आपूर्ति की गई बारूदी सुरंगों का उपयोग करने की अनुमति देगा। ऑस्टिन का यह बयान ऐसे समय में सामने आया है, जब दिन में कीव स्थित अमेरिकी दूतावास और कुछ पश्चिमी देशों के दूतावासों ने रूसी हवाई हमले की आशंका में इन्हें बंद रखा। लाओस की यात्रा के दौरान पत्रकारों से बात करते हुए ऑस्टिन ने कहा कि यूक्रेन के लिए बारूदी सुरंगों पर वाशिंगटन की नीति में बदलाव रूस की बदलती रणनीति का परिणाम है। ऑस्टिन ने कहा कि रूसी सैनिक जमीनी युद्ध के मैदान में बढ़त बना रहे हैं, इसलिए यूक्रेन को ऐसी चीजों की आवश्यकता है जो रूसियों के ऐसे प्रयास से निपटने में मदद कर सकें। रूस की सेना ध ीरे–धीरे पूर्वी दोनेत्स्क क्षेत्र में यूक्रेन की सेना को पीछे धकेल रही है।

पलमीरा पर इजराइल के हमले में 36 लोग मारे गए सीरियाई मीडिया

समाचार एजेंसी 'सना' ने कहा कि हमलों से इमारतों और आस–पास के क्षेत्र को भारी नुकसान पहुंचा है। पलमीरा अपने आसपास के ऐतिहासिक रोमन मंदिर परिसर के लिए जाना जाता है। सीरिया के ऐतिहासिक शहर पलमीरा पर बुधवार को हुए हमले में 36 लोग मारे गए और 50 से अधिक लोग घायल हो गए। सरकारी मीडिया ने यह जानकारी दी। दमिश्क ने इस हमले के लिए इजराइल को जिम्मेदार ठहराया है, जबकि इजराइली सेना ने इस बारे में कोई टिप्पणी नहीं की है। 'सना' ने कहा कि हमलों से इमारतों और आस–पास के क्षेत्र को भारी नुकसान पहुंचा है। पलमीरा अपने आसपास के ऐतिहासिक रोमन मंदिर परिसर के लिए जाना जाता है। इजराइल अकसर सीरिया में ईरान से संबद्ध समूहों से जुड़े सैन्य स्थलों और प्रतिष्ठानों को निशाना बनाता है,

एडीलेड टेस्ट में रोहित की वापसी से भारतीय खेमे में व्यवधान की संभावना

रिकी पोंटिंग ने बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी में मेजबान टीम की 3 . 1 से जीत की अपनी भविष्यवाणी को दोहराते हुए कहा कि एडीलेड टेस्ट में कप्तान रोहित शर्मा की भारतीय टीम में वापसी से व्यवधान की संभावना है। रोहित पिता बनने के कारण पहले टेस्ट से बाहर है जिसमें तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह कप्तानी करेंगे।पर्थ । आस्ट्रेलिया के महान बल्लेबाज रिकी पोंटिंग ने बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी में मेजबान टीम की 3 . 1 से जीत की अपनी भविष्यवाणी को दोहराते हुए कहा कि एडीलेड टेस्ट में कप्तान रोहित शर्मा की भारतीय टीम में वापसी से व्यवधान की संभावना है। रोहित पिता बनने के कारण पहले टेस्ट से बाहर है जिसमें तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह कप्तानी करेंगे। पोंटिंग ने आईसीसी रिव्यू में कहा ,'' मेरा मानना है कि उनके अभियान में और व्यवधान की संभावना है जब रोहित शर्मा दूसरे टेस्ट से लौटेगा। मैं अभी भी कहता हूं कि आस्ट्रेलिया 3 . 1 से जीतेगा।''उन्होंने कहा ,'' मार्नस लाबुशेन और स्टीव स्मिथ को रन बनाने होंगे। आस्ट्रेलिया की गेंदबाजी

बहुत अच्छी है लिहाजा मैं अपनी भविष्यवाणी पर कायम हूं।'' दूसरा टेस्ट छह दिसंबर से शुरू होगा जो दिन रात का मैच होगा। बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी में आस्ट्रेलिया के लिये सर्वाधिक रन बना चुके पोंटिंग का मानना है कि न्यूजीलैंड से घरेलू श्रृंखला में मिली हार के बावजूद भारतीय टीम काफी संतुलित है। उन्होंने कहा ,'' भारत को पता है कि पर्थ टेस्ट में उसकी टीम क्या होगी। उसे पता था कि रोहित इस टेस्ट में नहीं खेलेगा। यह भी पता था कि बुमराह कप्तान होगा। उन्हें पता था कि किन कमियों को पूरा करना है। टीम संतुलित लग रही है।''भारत ने आस्ट्रेलिया को पिछली चार टेस्ट श्रृंखलाओं में हराया है। पिछली बार 2020 . 21 श्रृंखला में एडीलेड टेस्ट में भारत के 36 रन पर आउट होने के बाद उन्होंने सुनील गावस्कर से बातचीत में आस्ट्रेलिया की 2 . 1 से जीत का कयास लगाया था जो गलत साबित हुआ। भारत ने मेलबर्न और ब्रिसबेन टेस्ट जीतकर शानदार वापसी की और श्रृंखला अपने नाम की। उस समय कप्तान रहे विराट कोहली एडीलेड टेस्ट के बाद अपनी बेटी के जन्म के कारण लौट आये थे। पोंटिंग ने उम्मीद जताई कि इस बार उनका कयास सही साबित होगा। उन्होंने कहा ,'' पिछली बार सनी (गावस्कर) सही साबित हुआ था लेकिन मुझे उम्मीद है कि इस बार रवि (शास्त्री) सही साबित नहीं होगा। मैं अभी भी कहूंगा कि आस्ट्रेलिया 3 . 1 से जीतेगा।

2024–25 ये दिग्गज होंगे इंडिया वर्सेस आस्ट्रेलिया सीरीज में कमेंटेटर, हिन्दी पैनल में कई नाम कर सकते हैं आपको हैरान

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच पांच मैचों की टेस्ट सीरीज का आगाज शुक्रवार 22 नवंबर से हो रहा है। वहीं इस सीरीज पर पूनिया दुनिया की नजरें हैं, साथ ही कई फैंस को विराट कोहली से काफी उम्मीदे हैं। हालांकि, इससे पहले सीरीज में कमेंटेटर के नाम की लिस्ट सामने आ गई है। बॉर्डर–गावस्कर ट्रॉफी 2024 के लिए क्रिकेट जगत में रोमांच दिन प्रतिदिन बढ़ता ही जा रहा है। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच पांच मैचों की टेस्ट सीरीज का आगाज शुक्रवार 22 नवंबर से हो रहा है। वहीं इस सीरीज पर पूनिया दुनिया की नजरें हैं, साथ ही कई फैंस को विराट कोहली से काफी उम्मीदे हैं। हालांकि, इससे पहले सीरीज में कमेंटेटर के नाम की लिस्ट सामने आ गई है। वहीं पहला टेस्ट 22 नवंबर से पर्थ में खेला जाएगा, जिसके लिए अंग्रेजी कमेंट्री का भार मैथ्यू हेडन,

रवि शास्त्री, सुनील गावस्कर, वसीम अकरम, मुरली विजय, रसेल ऑर्नोल्ड और मार्क निकोलस को चुना गया है। वहीं हिन्दी कमेंट्री कि जिम्मेदारी रवि शास्त्री, वसीम अकरम, चेतेश्वर पुजारा, सुनील गावस्कर, संजय मांजरेकर, जतिन सप्रू और दीप दास गुप्ता को सौंपी गई है। भारतीय टीम ने अब तक ऑस्ट्रेलियाई सरजमीं पर कंगारू टीम के खिलाफ कुल 52 मैच खेले हैं, जिनमें से टीम इंडिया केवल 9 बार जीत दर्ज कर सकी है। वहीं ऑस्ट्रेलिया ने 30 मौकों पर बाजी मारी है और 13 मैच ड्रॉ रहे हैं। ऑस्ट्रेलिया अपने घरेलू मैदानों पर खेले गए आखिरी 10 मैचों में भारत को सिर्फ 2 बार हरा पाया है। चार बार टीम इंडिया ने बाजी मारी है, वहीं चार मुकाबले ड्रॉ पर छूटे थे।

पर्थ टेस्ट से पहले टीम इंडिया में बड़ा बदलाव, देवदत्त पडिक्कल को मिला मौका

वर्ल्ड टेस्ट चौंपियनशिप के फाइनल में पहुंचने के लिहाज से भी भारत के लिए ये टेस्ट सीरीज काफी अहम है। दोनों टीमों के बीच टेस्ट सीरीज का पहला मुकाबला 22 नवंबर से पर्थ के ऑप्टस स्टेडियम में खेला जाना है। वहीं इससे पहले भारतीय टीम में धुरंधर बल्लेबाज की एंट्री हुई है।टीम इंडिया शुक्रवार यानी 22 नवंबर से ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 5 मैचों की टेस्ट सीरीज खेलेगी। वर्ल्ड टेस्ट चौंपियनशिप के फाइनल में पहुंचने के लिहाज से भी भारत के लिए ये टेस्ट सीरीज काफी अहम है। दोनों टीमों के बीच टेस्ट सीरीज का पहला मुकाबला 22 नवंबर से पर्थ के ऑप्टस स्टेडियम में खेला जाना है। वहीं इससे पहले भारतीय टीम में धुरंधर बल्लेबाज की एंट्री हुई है। इस मुकाबले में रोहित शर्मा भाग नहीं लेंगे। ऐसे में जसप्रीत बुमराह भारतीय टीम की कप्तानी

करेंगे। इस मुकाबले से पहले भारतीय दल में बड़ा बदलाव देखने को मिला है। बीसीसीआई ने बाएं हाथ के बल्लेबाज देवदत्त पडिक्कल को पहले टेस्ट के लिए मुख्य टीम में शामिल किया है। बीसीसीआई ने ट्वीट करके इस बात की जानकारी दी है। देवदत्त पडिक्कल हाल में भारत–ए की टीम का हिस्सा थे। जिसने ऑस्ट्रेलिया–ए के खिलाफ चार दिवसीय मुकाबले खेले थे। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ 36, 88, 26 और एक रन की पारी खेली थी। पडिक्कल ने इस साल इंग्लैंड के खिलाफ धर्मशाला में अपना टेस्ट डेब्यू किया था

फैंस के लिए खुशखबरी! पर्थ टेस्ट के दौरान टीम इंडिया से जुडेंगे रोहित शर्मा

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच बॉर्डर–गावस्कर ट्रॉफी के तहत 5 टेस्ट मैचों की सीरीज खेली जाएगी। लेकिन उससे पहले टीम इंडिया के फैंस के लिए बड़ी खुशखबरी आई है। दरअसल, टीम इंडिया के कप्तान रोहित शर्मा पर्थ टेस्ट के दौरान टीम इंडिया से जुड़ सकते हैं। जिसके बाद वो दूसरे टेस्ट में उपलब्ध रहेंगे।शुक्रवार से भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच बॉर्डर–गावस्कर ट्रॉफी के तहत 5 टेस्ट मैचों की सीरीज खेली जाएगी। लेकिन उससे पहले टीम इंडिया के फैंस के लिए बड़ी खुशखबरी आई है। दरअसल, टीम इंडिया के कप्तान रोहित शर्मा पर्थ टेस्ट के दौरान टीम इंडिया से जुड़ सकते हैं। जिसके बाद वो दूसरे टेस्ट में उपलब्ध रहेंगे। बता दें कि, क्रिकबज

की खबर के मुताबिक रोहित के 24 नवंबर को पर्थ में भारतीय टीम से जुड़ने की संभावना है। उस समय भारतीय टीम संभवतरू तीसरे दिन के खेल में हिस्सा ले रही होगी। वहीं रिपोर्ट के अनुसार, रोहित ने बीसीसीआई को इस बारे में सूचित किया है। रोहित शर्मा दूसरी बार पिता बने हैं, जिसके चलते वह अपने परिवार के साथ समय बिता रहे हैं। वहीं उनकी जगह जसप्रीत बुमराह टीम की कमान संभालेंगे। बुमराह ने सीरीज के शुरू होने से पहले प्रेस कॉन्फ्रेंस की थी, जहां उन्होंने कहा था कि मैंने पहले रोहित ~~से बात की थी। लेकिन यहां आने के बाद मुझे टीम की अगुवाई करने के बारे में थोड़ी स्पष्टता मिली।~~

ब्रेंडन मैकुलम के वर्ल्ड रिकार्ड पर यशस्वी जायसवाल की नजरें, कर सकते हैं ये कारनामा

22 नवंबर से पर्थ में खेला जाएगा। इस मैच में भारत के नियमित कप्तान रोहित शर्मा निजी कारणों की वजह से मौजूद नहीं होंगे, जबकि जसप्रीत बुमराह टीम की कमान संभालेंगे। इस दौरे पर सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल के प्रदर्शन पर भी सबकी नजरें रहेंगी, जोकि रोहित शर्मा के जोड़ीदार भी हैं। न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज में यशस्वी जायसवाल का प्रदर्शन उम्मीद के मुताबिक नहीं रहा था। शुक्रवार यानी 22 नवंबर का दिन भारत और ऑस्ट्रेलिया के लिए बेहद अहम है। बॉर्डर–गावस्कर ट्रॉफी का आगाज इसी दिन से होगा जहां पर्थ में दोनों टीमों के बीच पहला टेस्ट खेला जाएगा। वहीं भारत के नियमित कप्तान रोहित शर्मा निजी कारणों की वजह से मौजूद नहीं होंगे, जबकि जसप्रीत बुमराह टीम की कमान संभालेंगे। इस दौरे पर सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल के प्रदर्शन पर भी सबकी नजरें रहेंगी, जोकि रोहित शर्मा के जोड़ीदार भी हैं। न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज में यशस्वी जायसवाल

का प्रदर्शन उम्मीद के मुताबिक नहीं रहा था। उन्होंने अन्य बल्लेबाजों की तुलना में रन तो बनाए लेकिन उसे बड़े स्कोर में नहीं बदल सके। हालांकि, ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज में उनके पास एक बड़ी उपलब्धि हासिल करने का मौका होगा। यशस्वी जायसवाल ने अपने टेस्ट करियर की शानदार शुरूआत की। उन्होंने 14 टेस्ट में 1407 रन बनाए। इस दौरान उन्होंने तीन शतक लगाए। उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ घरेलू टेस्ट सीरीज में 700 से ज्यादा रन बनाए। हालांकि, उसके बाद उनके बल्लेबाज से ज्यादा रन नहीं निकले हैं। ऑस्ट्रेलिया सीरीज उनके लिए काफी चुनौतीपूर्ण होने वाली है और उनके करियर को भी नई उड़ान दे सकता है। यशस्वी जायसवाल मैच के दौरान बड़े शॉट खेलने के लिए जाने जाते हैं और जब तक क्रीज पर रहते हैं छक्के और चौके लगाने से नहीं चूकते। उन्होंने इस साल 32 छक्के लगाए हैं। अगर वह पर्थ टेस्ट में दो और छक्के लगाते हैं तो वह ब्रेंडन मैकुलम के एक कैलेंडर ईयर में सर्वाधिक छक्के लगाने के रिकॉर्ड को तोड़ सकते हैं। मैकुलमन ने 2014 में 33 छक्के लगाए हैं। यशस्वी जायसवाल 2024 में जो रूट के बाद एक हजार टेस्ट रन बनाने वाले दूसरे बल्लेबाज हैं। रूट ने 1338 रन बनाए हैं, जबकि जायसवाल के नाम 1119 रन है। अगर वह 219 रन और बना लेते हैं तो वह इस साल सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बन जाएंगे।

पीरियड्स के दौरान मीठा खाने की क्रेविंग प्रेग्नेंसी के लक्षण तो नहीं? जानें क्या है पूरा सच

मिठाई और कार्बोहाइड्रेट की लालसा मासिक धर्म के दौरान आम है और वैज्ञानिक रूप से सिद्ध है कि यह हार्मोनल परिवर्तनों के कारण होता है. ओव्यूलेशन के बाद ल्यूटियल चरण के दौरान, एस्ट्रोजन और प्रोजेस्टेरोन के उच्च स्तर मिठाई और कार्बोहाइड्रेट की लालसा पैदा कर सकते हैं. आपके पीरियड्स के दौरान मिठाई और कार्बोहाइड्रेट की लालसा पीएमएस का एक सामान्य हिस्सा है और यह जैविक और मनोवैज्ञानिक कारकों के संयोजन के कारण होता है.

आपके मासिक धर्म चक्र के ल्यूटियल चरण के दौरान, एस्ट्रोजन और प्रोजेस्टेरोन के उच्च स्तर मिठाई और कार्बोहाइड्रेट की लालसा को बढ़ा सकते हैं.जब आप मिठाई और स्टार्चयुक्त खाद्य पदार्थ खाते हैं तो आपका शरीर सेरोटोनिन छोड़ता है, जो आपके मूड को बढ़ा सकता है.मिठाई खाने से आपको पीएमएस के साथ आने वाली भावनाओं से निपटने में मदद मिल सकती है.

हाइड्रेटेड रहें

हमेशा पानी पीते रहें. शरीर में पानी की कमी नहीं होनी चाहिए. क्योंकि पानी की कमी के कारण हार्मोनल चेंजेज हो सकते हैं.

अपना ध्यान भटकाएं

व्यायाम करें, टहलें, डीआईवाई गतिविधियाँ करें, दोस्तों और परिवार के साथ बातचीत करें, या गेम या पहेलियां खेलें.

एक्टिव रहें

प्रतिदिन कम से कम 30 मिनट या प्रति सप्ताह 150 मिनट शारीरिक गतिविधि करने का प्रयास करें.आइसक्रीम कोन के बजाय, आप दही के कटोरे में प्राकृतिक रूप से मीठी स्ट्रॉबेरी मिला कर खा सकते हैं.

डार्क चॉकलेट खाएं

डार्क चॉकलेट आपकी मीठा खाने की इच्छा को संतुष्ट कर सकती है और इसमें पोटैशियम की मात्रा अधिक होती है, जो ऐंठन में मदद कर सकती है.यदि आप किसी भी लक्षण का अनुभव कर रहे हैं और इससे निपटने का सबसे अच्छा तरीका जानना चाहते हैं, तो

ठंड में घुटने के दर्द से परेशान हैं? राहत पाने के लिए रोजाना 15 मिनट करें ये एक्सरसाइज

घुटनों में दर्द एक आम समस्या है. जो गलत जूते पहनने और उबड़–खाबड़ रास्तों पर चलने समेत कई कारणों से बढ़ने लगती है. घुटनों में समस्या उम्र बढ़ने के कारण भी हो सकती है. घुटने में दर्द चलने, उठने और बैठने में दिक्कत का सामना करना पड़ सकता है. अक्सर लोग दवाइयों का सेवन कर मांसपेशियों में बढ़ती ऐंठन और सूजन से छुटकारा पाने की कोशिश करते हैं. लेकिन कुछ आसान व्यायाम इस समस्या को दूर करने में मददगार साबित हो सकते हैं.

आइए जानते हैं घुटनों के दर्द से राहत दिलाने वाले आसान सी एक्सरसाइज करना चाहिए. जर्नल ऑफ अमेरिकन फैमिली फिजिशियन की एक रिपोर्ट के अनुसार, लगभग 25 प्रतिशत लोग घुटनों में दर्द का अनुभव करते हैं. रिपोर्ट के अनुसार, पिछले 20 सालों में घुटनों के दर्द के मामलों में 65 प्रतिशत की वृद्धि हुई है.

घुटनों के दर्द को कम करने के लिए ये एक्सरसाइज करें

1. क्लैम शेल एक्सरसाइज

क्लैमशेल एक्सरसाइज करने से हिप्स और ग्लूट्स मजबूत होते हैं, चलने और बैठने में मदद मिलती है. नियमित अभ्यास से घुटनों की मांसपेशियां लचीली बनी रहती हैं, जिससे दर्द की समस्या दूर होती है.

इस एक्सरसाइज को करने के लिए मैट पर सीधे लेट जाएं और अपनी दाईं ओर मुड़ें. अपने दाहिने हाथ को ऊपर की ओर उठाएं.अब अपने घुटनों को 90 डिग्री पर मोड़कर अपने बाएं घुटने को जितना हो सके उतना खोलें और फिर दूसरे घुटने पर रखें.

इस एक्सरसाइज को 2 सेट में 20 बार करें. इससे घुटनों में होने वाले दर्द को कम किया जा सकता है.

2. साइड लेग रेज एक्सरसाइज

साइड लेग रेज एक बॉडीवेट एक्सरसाइज है जिसे लेटकर और खड़े होकर दोनों तरह से किया जा सकता है. इसे करने से ग्लूट्स, कोर और हैमस्ट्रिंग मजबूत होते हैं। इससे पेट के निचले हिस्से की मांसपेशियों पर दबाव बढ़ता है.

इस एक्सरसाइज को करने के लिए अपनी बाईं ओर लेट जाएं और अपने दोनों घुटनों को मोड़कर रखें. अब अपने दाहिने पैर को सीधा करें और जितना हो सके उतना ऊपर उठाएं और फिर नीचे लाएं. इस व्यायाम का अभ्यास अपने शरीर की क्षमता के अनुसार करें। इससे कूल्हे की मांसपेशियों पर दबाव बढ़ता है, जिससे शरीर का लचीलापन बनाए रखने में मदद मिलती है.

3. स्टैटिक क्वाड स्ट्रेच

जांघों के सामने की तरफ मौजूद मांसपेशियों को क्वाड्रिसेप्स मांसपेशियां कहते हैं. इस व्यायाम को करने से इन मांसपेशियों में खिंचाव आता है, जिससे रक्त संचार बढ़ता है. इसे लेटकर या खड़े होकर किया जा सकता है. इससे घुटने का दर्द कम हो सकता है.

इस व्यायाम को करने के लिए मैट पर पेट के बल लेट जाएं और फिर दोनों पैरों के बीच थोड़ी दूरी बनाए रखें. अब अपने दाहिने पैर को घुटने से मोड़कर अपने कूल्हों के पास लाएं और ऊपर की ओर खींचें. इस दौरान गहरी सांस लें.इसके बाद दाहिने पैर को जमीन पर रखें और बाएं पैर को ऊपर की ओर लाएं. इस व्यायाम का अभ्यास 10 से 15 बार करें.

4. हैमस्ट्रिंग स्ट्रेच

हैमस्ट्रिंग मांसपेशियों को मजबूत करने के लिए इस व्यायाम का अभ्यास करें. इससे शरीर का संतुलन बनाए रखने में मदद मिलती है और पीठ के निचले हिस्से की मांसपेशियों को आराम मिलता है, जिससे दर्द और सूजन कम हो सकती है.

इस व्यायाम को करने के लिए पीठ के बल लेट जाएं और अपने दाहिने पैर को ऊपर की ओर उठाएं. इस दौरान गहरी सांस लें.अब तौलिया लें और उसे अपने दाहिने पैर से घुमाएं और नीचे की ओर खींचें। इससे आपके घुटनों की मांसपेशियों को आराम मिलेगा.

मोहनलाल की बैरोज का ट्रेलर आउट, डिज्नी वर्ल्ड, 3डी एक्सपीरियंस के साथ जादू बिखेर अलग दुनिया की सैर कराएगी फिल्म

मलयालम फिल्म बैरोज–गार्डियन ऑफ ट्रेजर के मेकर्स ने फिल्म का मोस्ट अवेटेड ट्रेलर रिलीज कर दिया है. मोहनलाल एक फ्रेंडली घोस्ट की भूमिका में हैं. सबसे खास बात यह है कि मोहनलाल ने इसे खुद निर्देशित किया है. ट्रेलर में एक महल के प्रोटेक्टिव भूत के किरदार में मोहनलाल कभी ना देखे गए अवतार में नजर आ रहे हैं.ट्रेलर में दिखाया गया है कि महल में कई दिलचस्प कहानियां हैं और एक खजाना छिपा है जिसे केवल एक लड़की ही निकाल सकती है फिर पता चलता है कि केवल वह लड़की ही भूत को देख सकती है और वह उससे बात भी कर सकती है. बैरोज का ट्रेलर काफी खूबसूरत लग रहा है जो कि 3डी में और भी शानदार लग रहा है और यह आपको डिज्नी की फेयरीटेल दुनिया में ले जाता है. इसमें जादू, ड्रामा, फीलिंग्स और बहुत सारे सीक्रेट्स हैं. साथ ही वह सबकुछ है जो डिज्नी लवर्स को पसंद आए. फिल्म में सारे सीन शानदार है और 3डी में होने की वजह से यह जादुई दुनिया का बेहतरीन एक्सपीरियंस करवाता है.बैरोज–गार्डियन ऑफ ट्रेजर का निर्माण आशीर्वाद सिनेमा के तहत एंटनी पेरुंबवूर ने किया है. जबकि सिनेमैटोग्राफी संतोष सिवन ने की है. फिल्म का म्यूजिक लिडियन नादस्वरम ने तैयार किया है और यह 25 दिसंबर को केरल में क्रिसमस के मौके पर बड़े पैमाने पर रिलीज होने वाली है. लेकिन फिल्म के लिए यहां तक का सफर आसान नहीं रहा बल्कि इसमें भी कॉन्ट्रोवर्सी हुई है. अगस्त की शुरुआत में, फिल्म की टीम को जर्मनी के मलयाली लेखक जॉर्ज थुंडीपरम्बिल ने कॉपीराइट का आरोप लगाते हुए कानूनी नोटिस भेजा था. यह कथित तौर पर फिल्म निर्माता जीजो पुन्नूस द्वारा लिखी गई किताब पर आधारित है. अपने कानूनी नोटिस में जॉर्ज ने आरोप लगाया है कि जीजो की किताब और उनके अपने उपन्यास माया के बीच समानता है. मोहनलाल समेत निर्माताओं ने कभी भी कॉपीराइट के आरोपों पर कोई टिप्पणी नहीं की है।

द साबरमती रिपोर्ट का बाक्स आफिस पर बुरा हाल, रिलीज के पांच दिन बाद भी नहीं कमा पाई 10 करोड़

12वीं फेल की जबरदस्त सफलता के बाद विक्रांत मैसी ने द साबरमती रिपोर्ट के साथ बड़े पर्दे पर कमबैक किया है. ये फिल्म अविनाश सिंह तोमर और अर्जुन भांडेगांवकर द्वारा लिखी गई है और इसे धीरज सरना ने निर्देशित किया है. एकता आर कपूर, शोभा कपूर, अमूल वी मोहन और अंशुल मोहन द्वारा प्रोड्यूस ये पॉलिटिकल थ्रिलर देश की सबसे बड़ी और सच्ची घटना गोधरा कांड पर बेस्ड है. इस फिल्म ने 15 नवंबर 2024 को सिनेमाघरों में दस्तक दी थी. हालांकि रिलीज के बाद से, फिल्म दर्शकों को सिनेमाघरों तक खींचने के लिए संघर्ष कर रही है. चलिए यहां जानते हैं द साबरमती रिपोर्ट ने रिलीज के पांचवें दिन यानी पहले मंगलवार को कितना कलेक्शन किया है?द साबरमती रिपोर्ट के बज को देखते हुए लग रहा था कि फिल्म को बॉक्स ऑफिस पर शानदार रिस्पॉन्स मिलेगा. हालांकि विक्रांत मैसी स्टारर इस फिल्म की काफी फीकी शुरुआत हुई. हालांकि इस पॉलिटिकल थ्रिलर की पीएम मोदी, केंद्री गृह मंत्री सहित तमाम बड़े राजनेताओं ने खूब तारीफ की है लेकिन ये फिल्म दर्शकों का दिल नहीं जीत पाई है. इसी के साथ द साबरमती रिपोर्ट रिलीज के पहले दिन से बॉक्स ऑफिस पर टिके रहने के लिए पसीना बहा रही है. द साबरमती रिपोर्ट की कमाई की बात करें तो फिल्म ने 1.25 करोड़ से खाता खोला था. दूसरे दिन द साबरमती रिपोर्ट की कमाई 2.1 करोड़ रुपये रही. तीसरे दिन फिल्म ने 3 करोड़ का कलेक्शन किया और चौथे दिन द साबरमती रिपोर्ट ने 1.15 करोड़ का कारोबार किया. अब फिल्म की रिलीज के पांचवें दिन यानी पहले मंगलवार की कमाई के शुरुआती आंकड़े आ गए हैं.सैकनिल्क की अर्ली ट्रेंड रिपोर्ट के मुताबिक द साबरमती रिपोर्ट ने रिलीज के पांचवें दिन 1. 25 करोड़ की कमाई की है. इसी के साथ द साबरमती रिपोर्ट की पांच दिनों की कुल कमाई अब 8. 75 करोड़ रुपये हो गई है.द साबरमती रिपोर्ट काफी स्लो स्पीड से बॉक्स ऑफिस पर आगे बढ़ रही है. फिल्म को रिलीज हुए पांच दिन हो चुके हैं और ये 10 करोड़ का आंकड़ा भी नहीं छू पाई है. हालांकि मेकर्स को उम्मीद है कि फिल्म दूसरे वीकेंड पर बॉक्स ऑफिस पर अच्छा परफॉर्म करेगी और इसकी कमाई में तेजी आएगी. अब देखने वाली बात होगी कि द साबरमती रिपोर्ट को वीकेंड पर दर्शकों से कैसा रिस्पॉन्स मिलता है. वैसे इस फिल्म के पास बस 5 दिसंबर तक ही कमाई का मौका है दरअसल फिर सिनेमाघरों में अल्लू अर्जुन की पुष्पा 2 रिलीज हो जाएगी. इस फिल्म के आगे द साबरमती रिपोर्ट का टिकना नामुमकिन है.

बाक्स आफिस पर सिंघम अगेन की हालत खराब, भूल भुलैया 3 की कमाई की रफ्तार धीमी

अभिनेता अजय देवगन के लिए साल 2024 अच्छा नहीं रहा। इस साल की शुरुआत में रिलीज हुई उनकी फिल्म शैतान के बाद आई मैदान और औरों में कहां दम था बॉक्स ऑफिस पर औंधे मुंह गिरीं।अब बड़े बजट बनी अजय की हाल ही में रिलीज हुई फिल्म सिंघम अगेन पर भी फ्लॉप होने का खतरा मंडराने लगा है।आइए जानते हैं कि 19वें दिन सिंघम अगेन ने कितने करोड़ रुपये का कारोबार किया है। बॉक्स ऑफिस ट्रैकर सैकनिल्क के मुताबिक, सिंघम अगेन ने अपनी रिलीज के 19वें दिन यानी तीसरे मंगलवार को 1.45 करोड़ रुपये का कारोबार किया, जिसके बाद इसका कुल बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 233. 45 करोड़ रुपये हो गया है।सिंघम अगेन का निर्देशन रोहित शेट्टी ने किया है। इसमें करीना कपूर, रणवीर सिंह, दीपिका पादुकोण, टाइगर श्रॉफ और जैकी श्रॉफ जैसे सितारों ने भी अभिनय किया है।इसके अलावा फिल्म के अंत में सलमान खान और अक्षय कुमार का कैमियो भी है।वहीं दूसरी ओर कार्तिक आर्यन की फिल्म भूल भुलैया 3 इन दिनों दर्शकों का मनोरंजन करने के लिए सिनेमाघरों में लगी हुई है। यह फिल्म 1 नवंबर को रिलीज हुई थी और पहले दिन से ही बॉक्स ऑफिस पर इसका शानदार प्रदर्शन जारी है।हालांकि, पिछले कुछ दिनों से फिल्म की कमाई में उतार–चढ़ाव देखने को मिल रहा है। कामकाजी दिनों में फिल्म का कारोबार लगातार घटता जा रहा है।आइए जानते हैं भूल भुलैया 3 ने 19वें दिन कितने करोड़ रुपये कमाए। बॉक्स ऑफिस ट्रैकर सैकनिल्क के मुताबिक, भूल भुलैया 3 ने अपनी रिलीज के 19वें दिन यानी तीसरे मंगलवार को 2 करोड़ रुपये का कारोबार किया, जिसके बाद इसका कुल बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 235.25 करोड़ रुपये हो गया है।भूल भुलैया 3 में कार्तिक की जोड़ी पहली बार अभिनेत्री तृप्ति डिमरी के साथ बनी है। इसके अलावा विद्या बालन और माधुरी दीक्षित ने भी इस फिल्म में अभिनय किया है।इस फिल्म के निर्देशक अनीस बाज्मी हैं।

रवि जाधव द्वारा निर्देशित यह सीरीज मुंबई की ट्रांसजेंडर एक्टिविस्ट गौरी सावंत के जीवन और संघर्ष के महत्वपूर्ण क्षणों को कवर करती है।

डिजाइनर सूट पहन रकुल प्रीत सिंह ने शेयर दिखाई दिलकश अदाएं, एक्ट्रेस की हॉटनेस देख यूजर्स हुए घायल बॉलीवुड एक्ट्रेस रकुल प्रीत सिंह हमेशा अपने बोल्ड और ग्लैमरस लुक्स के कारण सोशल मीडिया पर लाइमलाइट बटौरती रहती हैं। उनका कातिलाना अंदाज इंटरनेट पर आते ही तेजी से वायरल होने लगता है। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की है। इन फोटोज में उनकी हुस्न की बेबाक अदाएं देखकर फैंस बेकाबू हो गए हैं। एक्ट्रेस रकुल प्रीत सिंह आए दिन अपनी लेटेस्ट फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर अक्सर फैंस का सारा ध्यान अपनी ओर खींच लेती हैं। अब हाल ही में एक्ट्रेस रकुल प्रीत सिंह ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें सोशल मीडिया पर पोस्ट की हैं। इन फोटोज में उनका कातिलाना अवतार देखकर फैंस दीवाने हो गए हैं।इन फोटोज में आप देख सकते हैं रकुल प्रीत सिंह ने पीच कलर का अनारकली सूट पहना हुआ है, जिसमें वो बेहद ही खूबसूरत नजर आ रही हैं। खुले बाल, गले में नेकलेस और मिनिमल मेकअप कर के एक्ट्रेस रकुल प्रीत सिंह ने अपने इस आउटलुक को बेहद ही शानदार तरीके से निखारा है। बता दें कि एक्ट्रेस रकुल प्रीत सिंह जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस अक्सर उनकी फोटोज पर लाइक्स और कॉमेंट्स

के जरिए अपनी–अपनी प्रतिक्रियाएं देते हैं।रकुल प्रीत सिंह सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। इंस्टाग्राम पर उनकी फैन फॉलोइंग लिस्ट काफी जबरदस्त है।

मलाइका अरोरा ने इंस्टाग्राम पर एक और शानदार एंट्री की, जिसे देखकर आप भी रह जाएंगे दंग

49 साल की उम्र में भी मलाइका अरोड़ा का सदाबहार स्टाइल और आकर्षण युवा अभिनेत्रियों को मात देता है। यह साबित करते हुए कि उम्र सिर्फ एक संख्या है, अभिनेत्री अक्सर सोशल मीडिया पर अपनी आकर्षक उपस्थिति के लिए लाइमलाइट चुराती हैं।49 साल की उम्र में भी मलाइका अरोड़ा का सदाबहार स्टाइल और आकर्षण युवा अभिनेत्रियों को मात देता है। यह साबित करते हुए कि उम्र सिर्फ एक संख्या है, अभिनेत्री अक्सर सोशल मीडिया पर अपनी आकर्षक उपस्थिति के लिए लाइमलाइट चुराती हैं, अपनी शानदार तस्वीरों और अपने निजी और पेशेवर जीवन के बारे में दिलचस्प अपडेट के लिए धन्यवाद। ऐसा कहने के बाद, मलाइका ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज पर एक पोस्ट डाली। इस पोस्ट में उनके एक फोटोशूट की तस्वीरों का एक कोलाज शामिल था, जिसमें वह लाल रंग की फ्लोर–लेंथ गाउन में नजर आ रही थीं।

महिला के संघर्ष को बखूबी बयां करती हैं अवार्ड विनिंग क्लासिक फिल्म ढाई आखर, 22 नवम्बर को होगी रिलीज

निर्देशक प्रवीन अरोड़ा की फिल्म ढाई आखस्च एक क्लासिक लव स्टोरी है, जो एक महिला की अपनी पहचान ढूंढने की कोशिश में किए गए संघर्ष को बखूबी बयान करती है. ये फिल्म 22 नवम्बर को पूरे देश में रिलीज होने जा रही है. हिन्दी के वरिष्ठ लेखक अमरीक सिंह दीप के उपन्यास तीर्थाटन के बाद पर आधारित फिल्म ढाई आखर हर्षिता नाम की एक ऐसी महिला की कहानी है, जो वर्षों तक घरेलू हिंसा और अपमानजनक वैवाहिक जीवन का शिकार रही. इसके बाद वो चिठ्ठियों के जरिए से एक मशहूर लेखक श्रीधर के करीब आती है, लेकिन विधवा होने के कारण उसका ये प्रेम संबंध पुरुष प्रधान समाज और परिवार को स्वीकार नहीं होता.क्या हर्षिता इससे जुड़ी चुनौतियों का सामना कर पाएगी? श्रीधर के साथ उसके रिश्ते के प्रति परिवार की नफरत का अंत क्या होगा? क्या दोनों का प्यार परवान चढ़ेगा? इन सभी सवालों का भावनात्मक जवाब खोजने की कोशिश है फिल्म ढाई आखर..फिल्म के निर्देशक प्रवीन अरोड़ा ने इसको लेकर बात करते हुए कहा कि फिल्म ढाई आखर एक प्रेम गीत है. प्रेम किसी के जीवन को बदलने की ताकत रखता है. हिन्दी और मराठी सिनेमा की मशहूर अभिनेत्री मृणाल कुलकर्णी इस फिल्म में हर्षिता के लीड रोल में नजर आएंगी. जानेमाने अभिनेता हरीश खन्ना और प्रसिद्ध मराठी अभिनेता रोहित कोकाटे ने भी अहम किरदार निभाए हैं. लेखक असगर वजाहत ने इस फिल्म की पटकथा और संवाद लिखे हैं. वहीं फिल्म के एक्जीक्यूटिव प्रोड्यूसर ब्रज मोहन हैं. फिल्म की शानदार टीम में गीतकार इरशाद कामिल, हिन्दी और बंगाली संगीत निर्देशक अनुपम रॉय और गायिका कविता सेठ शामिल हैं. बता दें कि इस फिल्म की शूटिंग उत्तराखंड की खूबसूरत लोकेशंस पर की गई है. कबीर कम्यूनिकेशन्स, आकृति प्रोडक्शंस और एस के जैन जमाई के बैनर तले बनी इस फिल्म का वर्ल्ड प्रीमियर, प्रतिष्ठित आईएफएफआई गोवा में पिछले सा हुआ, जिसमें इस फिल्म को दर्शकों, आलोचकों और फिल्म इंडस्ट्री की सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली. चेन्नई इंटरनेशनल

फिल्म फेस्टिवल 2023 और देहरादून इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल 2024 में भी इस फिल्म की आधिकारिक स्क्रीनिंग हो चुकी है. इसके अलावा कंबोडिया इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल 2024 में इस फिल्म को स्पेशल जूरी अवार्ड से सम्मानित किया गया. इसके साथ ही ताशकंद इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल 2024 के लिए भी ये फिल्म चयनित हुई है. ढाई आखर जे पी अग्रवाल द्वारा प्रस्तुत और रिलीज की जा रही है और देशभर के सिनेमाघरों में 22 नवम्बर को आगाज के लिए तैयार है.

350 करोड़ के बजट में बनी कंगुवा बाक्स आफिस पर तोड़ रही दम, छठे दिन हुई इतनी कमाई

सूर्या और बॉबी देओल स्टारर एपिक ड्रामा फिल्म कंगुवा को बॉक्स ऑफिस पर लेकर जो कयास लगाए गये थे, वो फेल साबित हो रहे हैं. कंगुवा के प्रोड्यूसर ने दावा किया था कि फिल्म वर्ल्डवाइड 1 हजार करोड़ रुपये का कलेक्शन करेगी, लेकिन कंगुवा अपना पहला हफ्ता पूरा करने से पहले ही धीमी हो जाती जा रही है. इन 6 दिनों में कंगुवा का भारत में 100 करोड़ रुपये का भी कलेक्शन नहीं हुआ है और वहीं, कंगुवा के वर्ल्डवाइड कलेक्शन की बात करें तो वो भी कुछ खास नहीं हो पाया है. आइए जानते हैं, कंगुवा ने छठे दिन बॉक्स ऑफिस पर कितने रुपये का कारोबार किया और साथ ही जानेंगे कि फिल्म ने देश और विदेश में अब तक कितना कलेक्शन कर लिया है.कंगुवा ने भारत में 24 करोड़ रुपये से खाता खोला था. इसके बाद दूसरे दिन कमाई में आधे से ज्यादा गिरावट आई और फिल्म ने महज 9.5 करोड़ रुपये कमाए. वहीं, तीसरे कमाई में थोड़ा उछाल आया और फिल्म ने 9.85 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया. वहीं, चौथे दिन रविवार को फिल्म की कमाई में बढ़ोतरी हुई और फिल्म ने 10.25 करोड़ रुपये कमा लिए. इसके बाद पहले सोमवार यानि पांचवें दिन फिल्म की कमाई तीन गुना नीचे गिरी और फिल्म ने बस 3.15 करोड़ रुपे बटोरे. वहीं, छठे दिन का कलेक्शन भी 3.15 करोड़ रुपये है. ऐसे में फिल्म का घरेलू बॉक्स ऑफिस पर 59.90 करोड़ रुपये का कलेक्शन हो गया है. वहीं, 350 करोड़ रुपये के बजट में बनी फिल्म कंगुवा को सिवा ने डायरेक्ट किया है. फिल्म में सूर्या दो रोल में नजर आ रहे हैं. वहीं, फिल्म में बॉबी देओल विलेन बने हैं और दिशा पटानी लीड एक्ट्रेस हैं. कंगुवा को स्टूडियो ग्रीन और यूवी क्रिएशन ने प्रोड्यूस किया है.

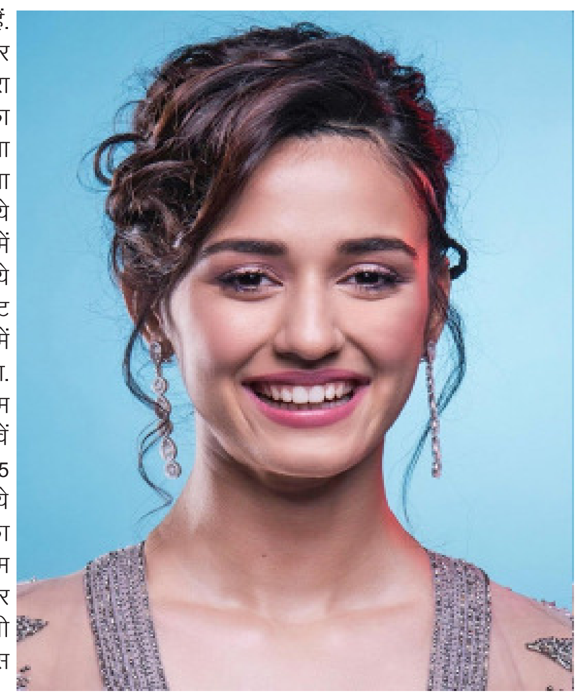

सत्यदेव स्टारर फिल्म जेबरा 22 नवंबर को रिलीज होगी

बहुप्रतीक्षित मल्टी–स्टारर फिल्म जेबरा 22 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है, जिसमें प्रतिभाशाली अभिनेता सत्य देव और कन्नड़ स्टार दाली धनंजय मुख्य भूमिकाओं में हैं। ईश्वर कार्तिक द्वारा निर्देशित और पद्मजा फिल्म्स प्राइवेट लिमिटेड और ओल्ड टाउन पिक्चर्स के तहत एसएन रेड्डी, एस पद्मजा, बाला सुंदरम और दिनेश सुंदरम द्वारा निर्मित यह फिल्म दर्शकों के बीच उत्सुकता पैदा कर रही है।रिलीज डेट पोस्टर में सत्य देव और दाली धनंजय को क्रूर अवतार में दिखाया गया है, जो करेंसी नोटों, एक लाइटहाउस और एक फैक्ट्री की पृष्ठभूमि में सेट है। फिल्म का प्रचार चल रहा है, निर्माताओं ने फर्स्ट लुक पोस्टर, मोशन वीडियो और एक अच्छी तरह से प्राप्त टीजर जारी किया है जो कि फिल्म की कहानी को पेश करता है। जेबरा में सत्यराज, सत्य अक्कला, जेनिफर पिकिनाटो, सुनील और प्रिया भवानी शंकर सहित कई प्रभावशाली कलाकार हैं, जिसकी टैगलाइन लक फेवर्स द ब्रेव है। तकनीकी दल में रवि बसरूर संगीत रचना संभाल रहे हैं, सत्या पोनमार छायाकार हैं, और अनिल कृष संपादक हैं। मीराख ने संवाद लिखे, जबकि सुब्बू ने स्टंट का ध्यान रखा और अश्विनी मुलपुरी और गंगाधर बोम्माराजू ने वेशभूषा डिजाइन की। एस श्रीलक्ष्मी रेड्डी सह–निर्माता के रूप में काम करती हैं।अपने प्रतिभाशाली कलाकारों और क्रू के साथ, जेबरा एक रोमांचक सिनेमाई अनुभव होने का वादा करता है। जैसे–जैसे रिलीज की तारीख नजदीक आती है, प्रशंसक निर्माताओं से नियमित अपडेट की उम्मीद कर सकते हैं। 22 नवंबर को रोमांचकारी सवारी देखने के लिए तैयार हो जाइए।

सुष्मिता सेन इरादों को अमल में लाने में रखती हैं विश्वास

अभिनेत्री सुष्मिता सेन, जिन्हें आखिरी बार स्ट्रीमिंग क्राइम–थ्रिलर सीरीज आर्या सीजन 3 में देखा गया था, इरादों को अमल में लाने में विश्वास रखती हैं।अभिनेत्री ने शनिवार को अपने इंस्टाग्राम पर एक नोट शेयर किया। उन्होंने लिखा, एक इंच आगे बढ़ने एक मील के सपने देखने से बेहतर है।उन्होंने कैप्शन में एक नोट भी लिखा, जिसमें उन्होंने सपनों को भी शक्तिशाली बताया लेकिन उन्होंने सपनों को क्रियान्वित करने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने लिखा, यह आश्चर्यजनक है कि किसी भी चीज को हासिल करने की यात्रा कितनी सरल हो सकती है। इरादा एक शक्तिशाली उपकरण है, यह दिशा देने में मदद करता है लेकिन बिना गति के यह एक बेकार उपकरण है।

इंच दर इंच हम मील तय करते हैं। इससे पहले अभिनेत्री अपने दांत के दर्द का इलाज कराने के लिए एक दंत चिकित्सक के पास गई थी। जब वह दंत चिकित्सक के क्लिनिक के बाहर क्लिक की गई, क्लिनिक के बाहर खड़े पैपराजी से बातचीत की, तो यह स्पष्ट था कि उन्हें स्थानीय एनेस्थीसिया की भारी खुराक दी गई थी, क्योंकि उसकी बोली लड़खड़ा रही थी। दर्द में होने के बावजूद, अभिनेत्री ने अपनी खास गर्मजोशी और करुणा के साथ पैपराजी का अभिवादन किया। काम के मोर्चे पर सुष्मिता को आखिरी बार अंतर्राष्ट्रीय एमी नामांकित सीरीज आर्या में देखा गया था, जिसमें वह मुख्य भूमिका निभा रही हैं। उन्हें स्ट्रीमिंग बायोग्राफिकल ड्रामा तालीरू बजाऊंगी नहीं, बजाऊंगी में भी देखा गया था, जिसमें उन्होंने ट्रांसजेंडर एक्टिविस्ट श्रीगौरी सावंत की भूमिका निभाई थी।

किसी भी दशा में नहीं बिकने पाए मिलावटी खाद्य सामग्री– डीएम

चित्रकूट(आरएनएस)। डीएम शिवशरणप्पा जीएन की अध्यक्षता में खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन की जनपद स्तरीय सलाहकार समिति की बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में संपन्न हुई। डीएम ने शासन व आयुक्त कार्यालय स्तर से चलाई जाने वाले विशेष अभियानों के अंतर्गत किए गए कार्यों तथा कार्यवाही को प्रभावी बनाने के लिए सुझाव, विभाग द्वारा दूध एवं दुग्ध उत्पादन पर की गई कार्यवाही अधिक प्रभावित किए जाने को विचार विमर्श, न्यायालय एओ कोर्ट व सीजेएम कोर्ट में ज्यादा से ज्यादा वादों की प्रभावी पैरवी करते हुए अधिकतम संख्या में निस्तारण कराया जाना, एफएसएसएआई की प्रचलित महत्वपूर्ण योजनाओं का क्रियान्वयन, एमडीएम व आईसीडीएस आदि की सैंपलिंग किए जाने तथा जागरूकता एवं प्रशिक्षण कराए जाने, खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन के कार्यों में पारदर्शिता, उत्तरदायित्व एवं एकरूपता लाने को स्टेक होल्डर्स एवं जन सामान्य की सहभागिता सुनिश्चित करने के लिए कार्यशाला का आयोजन, अन्य माध्यमों के द्वारा प्रचार प्रसार को विचार विमर्श, क्रियान्वयन, समिति द्वारा अपमिश्रित खाद्य पदार्थों एवं नकली अधोमानक एवं मिथ्या छाप औषधियों के निर्माण, विक्रय की रोकथाम, स्थानीय आवश्यकताओं के अनुरूप अल्पकालीन, दीर्घकालीन रणनीति तैयार कर लागू किया जाना आदि विभिन्न बिंदुओं की विस्तृत समीक्षा की। सहायक आयुक्त खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन प्रियंका सिंह को निर्देश दिए कि अभियान चलाकर अधिक से अधिक दुकानदारों को लाइसेंस एवं पंजीकरण किया जाए। उन्होंने कहा कि रामघाट व परिक्रमा मार्ग के पूजन सामग्री बेचने वाले व्यापारियों का भी पंजीकरण करें। खाद्य सामग्री की दुकानों पर अभियान चलाकर खाद्य सामग्री के नमूने लेकर जांच कराएं। रामघाट, परिक्रमा मार्ग, बेड़ीपुलिया में जो खाद्य सामग्री की ठेलिया लग रही हैं उनकी भी खाद्य सामग्री की जांच करें। इन छोटे व्यापारियों को ईट राइट प्रशिक्षण भी दिया जाए। उन्होंने कहा कि जनपद भगवान श्रीराम की धर्मनगरी है। यहां पर बाहर से श्रद्धालु आते हैं जो छोटे दुकानदारों से खाद्य सामग्री क्रय कर खाते पीते हैं। इसको देखते हुए फल, सब्जियां, मिष्ठान आदि की दुकानों पर चेकिंग अवश्य की जाए। अगली बैठक में कितने लोगों को खाद्य सामग्री बेचने के लिए जागरूक किया गया है उसका एक प्राक्कलन भी रखें। सचिव मंडी परिषद से कहा कि गल्ला के व्यापारियों का भी पंजीकरण कराया जाए। अधिशासी अधिकारी नगर पालिका को निर्देश दिए कि खाद्य सुरक्षा विभाग से समन्वय स्थापित करते हुए स्ट्रीट वेंडर जो पंजीकृत है उनको भी प्रशिक्षण दिलाया जाए। उन्होंने डीसी एनआरएलएम को निर्देश दिए कि स्वयं सहायता समूह की महिलाएं जो जिला अस्पताल, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, प्राथमिक स्वास्थ्य केदो में कैंटीन चला रही है उनको भी प्रशिक्षित किया जाए। खाद्यान्न का उत्पादन कर रही है उनको हेड गियर एप्रान ग्लव्स भी उपलब्ध कराए जाने की व्यवस्था की जाए। जिलाधिकारी ने सहायक आयुक्त खाद्य को यह भी निर्देश दिए की स्कूलों व आंगनबाड़ी केंद्रों पर भी चेकिंग की जाए। ताकि बच्चों को अच्छा मिड–डे मील मिल सके। खाद्य सामग्री में कोई मिलावट न रहे। शहर की जो दुग्ध डेयरी खुली है उनके यहां खोवा, पनीर, दूध का सैंपल भरकर जांच कराया जाए। आबकारी अधिकारी से कहा कि शराब की दुकानों का भी पंजीकरण कराया जाए। उन्होंने औषधि प्रशासन को निर्देश दिए की मेडिकल स्टोरों पर लगातार छापामारी कर नकली दवाओं पर कार्यवाही सुनिश्चित करें। किसी भी मेडिकल स्टोरों पर नकली दवाई नहीं बिकनी चाहिए। बैठक में डीसीबी अध्यक्ष पंकज अग्रवाल ने जिलाधिकारी को अवगत कराया की सरकारी उचित दर विक्रेताओं के यहां जो साबुन, निरमा, चाय पत्ती आदि दी जा रही है उसकी क्वालिटी की भी जांच कराई जाए। इस पर जिलाधिकारी ने जिला पूर्ति अधिकारी को निर्देश दिए कि खाद्य सुरक्षा विभाग को साथ लेकर इसकी जांच अवश्य कराई जाए। बैठक में एडीएम उमेश चन्द्र निगम, डीसी एनआरएलएम ओम प्रकाश मिश्रा, जिला कार्यक्रम अधिकारी बाल विकास पीड़ी विश्वकर्मा, अधिशासी अधिकारी लाल जी यादव, जिला पूर्ति अधिकारी आनंद कुमार सिंह, मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी पंकज कुमार, खाद्य सुरक्षा अधिकारी प्रदीप कुमार, विनय कुमार, प्रमोद कुमार, सर्वोदय सेवा आश्रम के अभिमन्यु सिंह सहित अन्य समिति के लोग मौजूद रहे।

बूंद से सागर तक जल उत्सव कार्यक्रम संपन्न

–जल का दुरुपयोग न करें, इसे बचाएं– जिलाधिकारी

चित्रकूट(आरएनएस)। बूंद से सागर तक जल उत्सव' अभियान कार्यक्रम का समापन विकासखंड मानिकपुर के सभागार में बतौर मुख्य अतिथि डीएम शिवशरणप्पा जीएन की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। इस मौके पर विशिष्ट अतिथि सीडीओ अमृतपाल कौर मौजूद रहीं।डीएम ने कहा कि जल जीवन मिशन के अंतर्गत आच्छादित एवं भारत सरकार के निर्देश हैं कि बच्चों से जुड़कर सेव वाटर के बारे में बताएं। उन्होंने कहा कि बच्चे भविष्य है। बुंदेलखंड में पानी की समस्या है। इसको समझना एवं अपने दिनचर्या में बदलाव के लिए बारिश के पानी को बचाएं। उन्होंने कहा कि अपने परिवार व पड़ोस के लोगों को भी बताएं कि पानी को दुरुपयोग न करें। इसे बचा कर रखें। जल जीवन मिशन के अंतर्गत जनपद में पानी उपलब्ध कराया जा रहा है। कहा कि बहुत लोगों में यह भ्रांतियां हैं कि पानी पीने योग्य नहीं है लेकिन ऐसा नहीं है। इसको इस्तेमाल करें। पानी को समय पर चेक भी किया जाता है। किसी प्रकार की समस्या नहीं है। सीडीओ ने कहा कि आकांक्षात्मक जनपद के रूप में चयनित जिला है। इसके अंतर्गत जिले में इसका आयोजन किया है। इसमें विभिन्न प्रतियोगिता के माध्यम से जागरूक किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सभी विभागों का इसमें सहयोग रहा है। ब्लॉक प्रमुख मानिकपुर अरविंद मिश्रा ने कहां कि जल संचयन बुजुर्गों से सीखना होगा। पहले बारिश होती थी तो बुजुर्ग मेड़बंदी करते थे। जिससे वाटर लेवल ऊपर रहता था। यदि थोड़ा–थोड़ा जल संचय करेंगे तो पाठा क्षेत्र में पानी की समस्या नहीं होगी। जल जीवन मिशन के अंतर्गत पानी की व्यवस्था किया जा रहा है। जिसका पूर्ण संचालन जल्द ही किया जाएगा। इस अवसर पर संसदीय विद्यालय रामपुर तरौहा, प्राथमिक विद्यालय भौरी, कस्तूरबा गांधी विद्यालय के छात्र, छात्राओं के बीच निबंध, पेन्टिंग, पोस्टर, ग्लोबल प्रतियोगिता हुई। प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले छात्र, छात्राओं को टी–शर्ट, जैकेट, थरमस उपहार के साथ ही प्रमाण पत्र दिया गया। इस अवसर पर एसडीएम मानिकपुर पंकज वर्मा, अधिशासी अभियंता जल निगम आशीष भारती, खड शिक्षा अधिकारी सहित संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

डीएम ने किशोर संप्रेक्षण गृह के लिए नवीन भवन का लिया जायजा

चित्रकूट(आरएनएस)। डीएम शिवशरणप्पा जीएन ने गुरुवार को राजकीय सम्प्रेक्षण गृह किशोर के लिए किराये पर लिये जाने के लिए प्रस्तावित नवीन भवन एसडीएम कालोनी शिवपुरी का निरीक्षण किया। इस दौरान प्रस्तावित भवन किशोर न्याय समिति के आदेश के क्रम में राजकीय सम्प्रेक्षण गृह किशोर के संचालन के लिए उपयुक्त पाया गया। उन्होंने जिला प्रोवेशन अधिकारी को निर्देशित किया कि शीघ्र ही जेल का हस्तांतरण किया जाए।

जबरन उखाड़ ले गए दरवाजा, तोड़ी गृहस्थी

चित्रकूट(आरएनएस)। थाना रैपुरा के ग्राम बगरेही के शत्रुघ्न प्रसाद पुत्र बालगोविन्द ने पुलिस को सौपी गई तहरीर में अवगत कराया कि बीती रात एक बहुचर्चित बाबा ने उसके घर का दरवाजा अज्ञात लोगों के साथ मिलकर उखाड़ ले गया। मकान के आगे का हिस्सा भी गिराकर घर में रखी गृहस्थी भी तोड़ दिया। बताया कि इसके पूर्व भी जेसीबी से उसका मकान गिराने का असफल प्रयास कर चुका है। जिसकी रिपोर्ट संबंधित थाने में दर्ज कराई है। सौपे गए पत्र में मांग की है कि प्रकरण की जांच कराकर दोषी व्यक्ति के खिलाफ कानूनी कार्रवाई कराकर इंसाफ दिलाया जाए।

फ्रांसीसी नागरिको ने बच्चों के साथ साझा किए अनुभव

चित्रकूट(आरएनएस)। रामनगर के ग्राम पंचायत उफरौली के प्राथमिक विद्यालय में नन्हे मुन्ने बच्चों के बीच फ्रांस के जीन बापिस्टे एवं एन्नी मेरी ने अनुभव साझा किया। इस अवसर पर बच्चों ने उनका माला पहनाकर स्वागत किया। उनके साथ मिलकर कई शैक्षणिक गतिविधियों की। विद्यालय के प्रधानध्यापक राजू यादव ने बताया कि विद्यालय के बच्चों की शिक्षा के प्रति लगन एवं उनकी मेहनत को देखते हुए शैक्षणिक गतिविधियां कराई जाती है। खण्ड शिक्षा अधिकारी एनपी सिंह लगातार उत्साह बढ़ाते हैं। विद्यालय दूरदराज ग्रामीण क्षेत्र में स्थित होने के बावजूद बच्चों को नवोदय, विद्याज्ञान एवं सैनिक स्कूल परीक्षा की तैयारी कराई जाती है। आईसीटी का प्रयोग कर सभी बच्चों को देश दुनिया की जानकारी शिक्षक प्रदान कर रहे हैं। इस मौके पर दोनो विदेशी मेहमानों ने बच्चों को स्मार्ट टीवी उपहार के रूप मैं दिया।

डीएम ने संतुष्टि समाधान दिवस में सुनी फरियाद

चित्रकूट(आरएनएस)। संतुष्टि समाधान दिवस पर डीएम ने फरियादियों की समस्या कलक्ट्रेट सभागार में सुनी। समस्याओं के निस्तारण के लिए संबंधित विभागों के अधिकारियों को मोबाइल से बात कर निर्देश दिए। गुरुवार को डीएम शिवशरणप्पा जीएन ने समस्याएं सुनी। जिसमें जमीनी विवाद के साथ अन्य समस्या की शिकायत ग्रामीणों ने की। डीएम ने जमीन से संबंधित समस्याओं के निराकरण के लिए राजस्व व पुलिस की संयुक्त टीम से निराकरण कराने के लिए अधिकारियों से कहा। कहा कि जो भी जनसुनवाई के दौरान समस्या आ रही हो उसका समय से निस्तरण करें। इस मौके पर एडीएम न्यायिक राजेश प्रसाद, एसडीएम मोहम्मद जसीम, आलोक सिंह आदि मौजूद रहे।

जिस मामले में केन्द्रीय राज्यमंत्री ने लिया था एक्शन अब दिखने लगा है रिएक्शन, दो पक्षों में बटा कुरौठी का प्रकरण

मीरजापुर(आरएनएस)। दो दिनों पूर्व जिस प्रकरण को लेकर उत्तर प्रदेश के मिर्जापुर की सांसद, केन्द्रीय राज्यमंत्री एवं अपना दल (एस) की राष्ट्रीय अध्यक्षा अनुप्रिया पटेल अपनी ही सरकार की कानून व्यवस्था और पुलिस पर फायर होती हुई एक्शन में नजर आईं थीं अब उसी प्रकरण का रिएक्शन भी सामने आने लगा है. दरअसल, जिस प्रकरण को लेकर केन्द्रीय राज्यमंत्री ने पुलिस अधिकारियों को लताड़ लगाई थी अब उसी पुलिस की कार्रवाई को लेकर दूसरे पक्ष (जाति) के लोगों ने एक तरफा कार्यवाही और मनमानी का आरोप लगाते हुए प्रदर्शन किया है.

बताते चलें कि 18 नवंबर को विंध्याचल कोतवाली क्षेत्र के कुरौठी गांव में अपना दल एस के सेक्टर अध्यक्ष को घर में घुसकर मारपीट कर मरणासन्न करने के साथ ही उनकी बेटी को अगवा किए जाने का आरोप लगाया गया था. घायलावस्था में अपना दल नेता को मंडलीय अस्पताल में भर्ती कराया गया था. आरोप रहा कि चौबीस घंटे बीतने के बाद भी पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की थी. दूसरे दिन मंडलीय अस्पताल पहुंची केन्द्रीय राज्यमंत्री एवं सांसद अनुप्रिया पटेल ने घायलावस्था में अपना दल नेता का हाल जानने के साथ साथ पूरे रौब में नजर आई थीं उन्होंने फायर होते हुए जिले की पुलिस को कटघरे में खड़े करते हुए एक्शन मूड में दो टूक चेतावनी दी थी कि दो घंटे में कार्रवाई नहीं हुई तो वह क्या करती है, देखना. इसी के साथ ही मुख्यमंत्री से शिकायत की भी बात कही थी. केन्द्रीय राज्यमंत्री के एक्शन भरे चेतावनी का असर यह हुआ कि आनन–फानन में पुलिस ने सात लोगों को पाबंद करते हुए दो लोगों को उठा भी लिया था.

पुलिस की इस त्वरित कार्रवाई का रिएक्शन यह हुआ है कि अब अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा मिर्जापुर जिला इकाई के अध्यक्ष ने एक तरफा कार्यवाही का आरोप लगाते हुए पुलिस की कार्रवाई और केन्द्रीय राज्यमंत्री के इशारे पर उत्पीड़न का आरोप लगा पूरे प्रकरण की जांच की मांग की है. अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा मिर्जापुर के जिलाध्यक्ष विनय सिंह ने कहा है कि विंध्याचल थाना क्षेत्र अंतर्गत कुरौठी गांव की घटना में पुलिस की एक तरफा कार्रवाई निंदनीय और दुर्भाग्यपूर्ण है. मामले में पीड़ित दूसरे पक्ष को सुने बिना एक तरफा एफआईआर दर्ज कर दी गई है. केन्द्रीय राज्यमंत्री और सांसद को गलत फीडबैक दिया गया या उन्होंने किस वजह से महज एक पक्ष को तवज्जो दी समझ से परे है. उन्होंने लड़की उठा ले जाने और शराब पीकर मारपीट करने के आरोपों को भी गलत बताते हुए पूरी तरह से खारिज किया है. वह बताते हैं कि विवाद भैंस को सड़क पर बांधने को लेकर था. सामान्य विवाद को जानबूझकर राजनीतिक रंग देकर बड़ा करने की कोशिश की जा रही है. पीड़ित क्षत्रिय परिवार के घर तिलक समारोह है. मांगलिक उत्सव में भी लोगों को थाने बुलाकर परेशान किया जा रहा है. घटना की उच्च स्तरीय जांच होनी चाहिए बिना किसी दबाव में दोनों पक्षों को सुना जाना चाहिए और जो भी दोषी हो कार्यवाही होनी चाहिए पर पॉलिटिकल ट्रायल नहीं होना चाहिए. उन्होंने चेतावनी दी है कि यदि अगर उनके समाज के साथ गलत तथ्यों के आधार पर ज्यादती हुई तो वह लोग सड़क पर उतरने को बाध्य होंगे. वहीं दूसरी ओर अखिल भारतीय कुर्मी क्षत्रिय महासभा ने भी मोर्चा खोल दिया है. गुरुवार को जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपकर कुरौठी गांव निवासी घायल अजय पटेल के परिवार पर हुए अत्याचार के सम्बन्ध में अपराधियों की तुरन्त गिरफ्तारी हो, अजय पटेल की लड़की की मेडिकल करवायें जाने की मांग कि है. चेतावनी दी है कि उनकी मांगों को तीन दिन के अन्दर पूरा नहीं किया गया तो अखिल भारतीय कुर्मी क्षत्रिय महासभा आन्दोलन को बाध्य होगा जिसके लिए प्रशासन जिम्मेदारी होगा. बहरहाल, कुरौठी प्रकरण को लेकर क्षत्रिय और कुर्मी समाज के आमने–सामने होने और मामले की जांच की मांग, पुलिस की कार्रवाई को लेकर उठते सवालों के बीच केन्द्रीय राज्यमंत्री एवं मिर्जापुर की सांसद के त्वरित एक्शन के बाद के रिएक्शन की चर्चा खूब हो रही है।

डीएम–एसपी ने की कानून एवं अभियोजन की समीक्षा

–मातहतों को दिए गए आवश्यक दिशा निर्देश

चित्रकूट(आरएनएस)। डीएम शिवशरणप्पा जीएन एवं एसपी अरुण कुमार सिंह की उपस्थिति में कानून व्यवस्था एवं अभियोजन के कार्यो की समीक्षा बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में संपन्न हुई।

डीएम ने एससी एसटी एक्ट, पास्को एक्ट, दहेज अधिनियम, आयुध अधिनियम, महिलाओं एवं बालिकाओं के विरुद्ध अपराध, आईपीसी धारा, सत्र न्यायालय, अधीनस्थ न्यायालय, अन्य अधिनियम, सम्मन तामिल, गवाहों की उपस्थिति, जमानत, एनडीपीएस एक्ट, टापटेन अपराधों, गुंडा नियंत्रण, सड़क सुरक्षा, अवैध मादक पदार्थों की बिक्री पर पाबंदी, अवैध पार्किंग, स्टैंड, ई रिक्शा रजिस्ट्रेशन, ड्रग, ओवरलोड वाहनों पर कार्यवाही, अवैध शराब पर प्रतिबंध आदि बिंदुओं पर विस्तृत समीक्षा करते हुए कहा कि महिला संबंधी मामलों पर त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करें। 107 का आर्डर संबंधित उप जिला अधिकारी करें। थाना प्रभारी को निर्देशित किया कि गवाहों की उपस्थिति सुनिश्चित कराए। खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन के संबंध में कहा कि सभी उप जिलाधिकारी के कोर्ट से नोटिस जारी है। इसको सभी थाना प्रभारी देखें कि रिटर्न हुआ कि नहीं। उन्होंने कहा कि मिलावटखोरी जहर है जो प्वाइजन का कार्य कर रहा है। उन्होंने अभिहीत अधिकारी को निर्देशित किया कि छापामारी करते रहे। खनिज अधिकारी को निर्देशित किया कि ओवरलोडिंग जनपद में नहीं होनी चाहिए। जिला आबकारी अधिकारी को निर्देशित किया कि अभियान चला कर शराब के अड्डों को पकड़े। उन्होंने कहा कि मंदाकिनी नदी के किनारे इसका उत्पादन किया जाता हैं। अभियान चलाकर पकड़े। उन्होंने कहा कि रामघाट पर अवैध गांजा बिक्री की शिकायत मिल रही है। इसमें छापामारी करें। एआरटीओ को निर्देशित किया कि स्कूली बच्चों के वाहन की फिटनेस सही है कि नहीं इसको चेक करते रहें एवं गलत पाए जाने पर उसकी पंजीयन को निरस्त करें। पुरानी ई रिक्शा जो बिना पंजीयन एवं नए ई रिक्शा जिसका पंजीयन नहीं हुआ है उसका चालान कराए। अवैध पार्किंग, स्टैंड नहीं होनी चाहिए। चिन्हित स्थलों पर पार्किंग व स्टैंड बनाएं। जिलाधिकारी ने कहा कि अभी जनपद में उर्वरक की डिमांड है। उन्होंने सभी उप जिलाधिकारी व थाना प्रभारी को निर्देशित किया कि कोऑर्डिनेट कर उर्वरक को बटवाएं। सहकारी समितियां पर महिलाओं द्वारा भी लाइन लगाई जाती है। इसलिए महिला सुरक्षा कर्मी को भी रखे। पुलिस अधीक्षक ने थानाध्यक्षों को निर्देश दिए कि आर्म्स एक्ट के मामलों पर पुलिस की गवाही सुनिश्चित कराई जाए। अगर कहीं पर कोई समस्या हो तो अवगत कराएं। उसका निस्तारण कराया जाएगा। जो सूची भेजी गई है उसमें सभी गवाही कराकर प्रत्येक दशा में निस्तारण कराया जाए। सम्मन तामिल समय से कराया जाए। बैठक में एडीएम उमेश चंद्र निगम, सदर एसडीएम पूजा साहू, मऊ सौरभ यादव, राजापुर प्रमोद कुमार झा, मानिकपुर पंकज वर्मा, पुलिस क्षेत्राधिकारी, जिला प्रोबेशन अधिकारी, जिला समाज कल्याण अधिकारी, जिला शासकीय अधिवक्ता थाना प्रभारी मौजूद रहे।

श्रीराम की खड़ाऊ सिर पर रख रवाना हुई भरत यात्रा

चित्रकूट(आरएनएस)। अयोध्या से चित्रकूट आयी 52वीं श्रीभरत यात्रा का समापन हो गया। परिक्रमा मार्ग पर भरत मिलन की लीला के बाद गुरुवार को श्रीराम के न मानने पर भरत भगवान श्रीराम की खड़ाऊं सिर पर रखकर रवाना हो गए। अयोध्या से अगहन मास की कृष्णा द्वितीया तिथि रविवार को यात्रा माणिराम दास छावनी के महंत कमल नयन दास महाराज के नेतृत्व में रवाना होने के बाद मंगलवार की शाम धर्मनगरी चित्रकूट पहुंची थी। जिसमें अयोध्या से आए श्रद्धालु व साधू संतों ने तीन दिन धर्मनगरी में पड़ाव डाल कर विभिन्न तीर्थ स्थानों के दर्शन किया। धर्मनगरी के कामदगिरी परिक्रमा मार्ग के भरत मिलाप मंदिर में श्रीराम की लीला का आयोजन किया गया। श्रीराम को भरत शत्रुघन ने अयोध्या लौटने के लिए मनाया लेकिन श्रीराम ने कहा कि पिता को दिये वचन को वह निभायेंगे। इसके बाद श्रीराम की खड़ाऊं भरत सिर में रखकर अयोध्या के लिए रवाना हो गए। यह दृश्य देखकर अयोध्या से आए श्रद्धालुओं की ऑखों में ऑसू आ गए। महंत कमल नयन दास ने कहा कि वर्तमान में भारतीय संस्कृति एवं परंपराओं पर लगातार हमले हो रहे हैं। परिवारिक विषमताएं चरम पर हैं। ऐसे में भगवान श्रीराम के चरित्र से सभी को प्रेरणा मिलती है। भाई के प्रति भाई का प्रेम, गुरुजनों का आदर व मर्यादा, मानव धर्म की पूर्ण शिक्षा भगवान श्रीराम को मिलती है।

23 नवम्बर को होने वाले मतगणना की सभी तैयारियां पूर्ण

मीरजापुर।(आरएनएस) 397–मझवां विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र के उप निर्वाचन–2024 का मतगणना कार्य निर्वाचन आयोग के दिशा निर्देश के अनुसार 23 नवम्बर 2024 दिन शनिवार को प्रातः 8 बजे से राजकीय पॉलीटेक्निक में बनाए गए मतगणना कक्ष में की जाएगी। मतगणना कार्य एवं विभिन्न प्रत्याशियों के द्वारा बनाए जाने वाले मतगणना एजेंट अन्य प्रक्रिया की जानकारी आज राजकीय पॉलीटेक्निक परिसर में विभिन्न राजनीतिक दलों, प्रत्याशियों के प्रतिनिधि, पदाधिकारी की बैठक कर सामान्य प्रेक्षक श्रवण कुमार जाटवथ व जिला निर्वाचन अधिकारी प्रियंका निरंजन के द्वारा विस्तृत रूप से दी गई। इस दौरान बताया गया कि मतगणना प्रक्रिया प्रातः 8 बजे से प्रारम्भ होकर समाप्ति तक चलेगा। जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि जनपद में शान्ति व्यवस्था को बनाए रखने हेतु धारा–163 लागू की गई है किसी के द्वारा किसी भी स्तर पर उल्लंघन करने व अनियमितता बरतने पर कड़ी कार्यवाही की जाएगी। शान्तिपूर्ण व पारदर्शी ढंग से मतगणना कार्य सम्पन्न कराने के लिए कांउटिंग हाल के बाहर एवं मतगणना परिसर के आस पास भारी संख्या में सुरक्षा बल तैनात की जाएगी तथा पर्याप्त मात्रा में सीसीटीवी कैमरा भी लगाए जाएंगे। मतगणना कक्ष में प्रत्येक टेबल पर प्रत्याशी एक–एक मतगणना एजेंट रख सकेंगे मतगणना परिसर पर पत्रकार बंधुओं के द्वारा समुचित कवरेज हेतु मीडिया सेंटर भी बनाया जाएगा। पॉलीटेक्निक कालेज के बाहर के लोगों को काउंटिग की जानकारी के लिए पर्याप्त मात्रा में लाउडस्पीकर लगाए जाएगे प्रत्येक चक्र गणना समाप्ति के बाद उद्घोषणा कर अवगत कराया जाता रहेगा। किसी भी व्यक्ति को काउंटिंग हाल में बिना आईडीकार्ड, पास के प्रवेश की अनुमति नही होंगी। प्रत्याशी अपना मतगणना एजेंट बनाने हेतु आवेदन प्रत्येक दशा में उप जिला निर्वाचन अधिकारी को देकर मतगणना के एक दिन पूर्व तक बनवा सकता है किसी भी अपराधिक छवि वाले व्यक्ति को एजेंट बनाने की स्वीकृति नही दी जाएगी। मतगणना समाप्ति के बाद विजयी प्रत्याशी के द्वारा धारा–163 का ध्यान रखते हुए किसी भी प्रकार विजयी जुलूस नही निकाला जाएगा। बैठक में उप जिला निर्वाचन अधिकारी देवेन्द्र प्रताप सिंह, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व शिव प्रताप शुक्ल, उप जिला मजिस्ट्रेट सदर गुलाब चन्द्र, नगर मजिस्ट्रेट लाल बहादुर सिंह के अलावा भारतीय जनता पार्टी के प्रतिनिधि ज्ञान प्रकाश दूबे व रवि शंकर पाण्डेय, समाजवादी पार्टी के प्रतिनिधि चन्द्रमा प्रसाद, बहुजन समाज पार्टी के प्रतिनिधि गुड्डूराम चमार तथा निर्दलीय प्रत्याशी के अनिल कुमार बिन्द उपस्थित रहें।

मण्डलायुक्त ने कार्य में लापरवाही बरतने व सही जानकारी न दिए जाने पर तानी भृकुटी

'जिला कृषि अधिकारी सोनभद्र, भदोही एवं डीआर कोपरेटिव को प्रतिकूल प्रविष्ट देने का निर्देश

मीरजापुर(आरएनएस)। मण्डलायुक्त विन्ध्याचल मण्डल डॉ मुथुकुमार स्वामी बी की अध्यक्षता में आयुक्त सभागार, में बीज एवं उर्वरक की समीक्षा बैठक आहूत की गयी। मण्डलायुक्त ने कार्य में लापरवाही बरतने व सही जानकारी न दिए जाने पर जिला कृषि अधिकारी सोनभद्र, भेदाही एवं डीआर कोपरेटिव को प्रतिकूल प्रविष्टि देने का निर्देश दिया। बैठक में मीरजापुर, भदोही एवं सोनभद्र से जिलाधिकारी, मुख्य विकास अधिकारी, संयुक्त विकास आयुक्त, अपर आयुक्त, संयुक्त कृषि निदेशक, क्षेत्रीय सहायक निरीक्षक सहकारिता, जिला कृषि अधिकारी, सहायक आयुक्त एवं सहायक निबन्धक सहकारिता, क्षेत्रीय प्रबन्धक पीसीएफ सहित निजी उर्वरक कम्पनियों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। समीक्षा के दौरान पाया गया कि जनपद मीरजापुर में फास्फेटिक उर्वरक 4658 मी. टन, सोनभद्र में 4259 मी. टन तथा भदोही में 1673 मी. टन उपलब्ध है। मण्डलायुक्त द्वारा निर्देशित किया गया कि उर्वरकों की बिक्री निर्धारित मूल्य से अधिक दर पर न की जाए। यदि कही अधिक मूल्य पर बिक्री पायी जाती है तो विक्रेता के विरूद्ध सख्त कार्यवाही की जाए। उन्होंने बैठक में उपस्थित जिला कृषि अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा गया कि अपने–अपने जनपद में उर्वरक विक्रेताओं की सतत निगरानी करते रहें यदि कहीं पर अधिक मूल्य या कालाबाजारी की प्रकरण सामने आता है तो सम्बन्धित उर्वरक विक्रेता के विरूद्ध धारा 3/7 के अन्तर्गत प्राथमिकी दर्ज कराकर आवश्यक कार्यवाही की जाए।मण्डलायुक्त द्वारा जिला कृषि अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि बार्डर एरिया पर सघन अभियान चलाकर जांच किया जाए। सघन जांच हेतु क्षेत्रीय कर्मचारी, लेखपाल की ड्यूटी लगायी जाए। साथ ही निर्देशित किया गया कि यह भी सुनिश्चित किया जाए कि कोई भी निजी उर्वरक विक्रेता के द्वारा बिना रसीद के उर्वरक की विक्री न की जाए। इस समय रबी 2024–25 में बुवाई का मुख्य सीजन है ऐसे में कृषकों को उर्वरक प्राप्त करने में किसी प्रकार की कठिनाई का सामना न करना पड़े। साथ ही उपस्थित जिला कृषि अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि कार्यालयों में बनाये गये कन्ट्रोल रूम के माध्यम से प्राप्त किसानों की समस्याओं का त्वरित निस्तारण कराना सुनिश्चित करें। क्षेत्रीय सहायक निरीक्षक सहकारिता द्वारा बताया गया कि निजी उर्वरक कम्पनियों द्वारा भी जनपद में लगने वाली उर्वरक रैक में से कम से कम 30 प्रतिशत उर्वरक की आपूर्ति पीसीएफ को दिया जाएगा तथा उत्तर प्रादेशिक कोआपरेटिव फेडरेशन (पीसीएफ) की सहकारी समितियों के माध्यम से समिति द्वारा किसानों को उर्वरक का वितरण उचित दर पर किया जायेगा। जिस पर मण्डलायुक्त द्वारा निर्देशित किया गया कि किसानों को उनके जोतबही एवं खतौनी के आधार पर पीओएस मशीन से ही उर्वरक का वितरण किया जाए। सहायक आयुक्त एवं सहायक निबन्धक द्वारा बताया गया कि मीरजापुर में 900 मी. टन के निजी उर्वरक कोरोमंडल की रैक मिली है इसमें से 30 प्रतिशत अर्थात 270 मी. टन डीएपी सहकारिता दी गयी है।

दुकान में मिला युवक का शव, हत्या की आशंका

–पुलिस ने एक आरोपी को पकड़ा

चित्रकूट(आरएनएस)। भरतकूप थाना क्षेत्र के कोल्हुआ गांव की दुकान से शराब पिलाने ले गये दो दोस्तों ने दुकानदार की गला दबाकर हत्या कर दी। इसके बाद उसी की दुकान में शव फेंककर भाग निकले। घर न पहुंचने पर दुकान पहुंचे परिजनों ने उसे देखा तो मामले की जानकारी हुई। कोल्हुआ गांव निवासी ओमप्रकाश रैकवार ने बताया कि उसका भाई किशोरीलाल रैकवार (34) दिल्ली में मजदूरी करता था। कुछ दिन पूर्व यहां लौटने के बाद गांव के बाहर ही चाट व पान मसाला की दुकान झोपड़ी में चलाता था। बुधवार की शाम को उसे दुकान से लेने के लिए उसके दोस्त छेरिहा निवासी सर्वेश यादव व कोल्हुआ निवासी सोना पांडेय आये और बाइक में बैठाकर कहीं ले गये। पता चला कि एक देशी शराब की दुकान में जाकर तीनों ने शराब पी। इसके बाद तीनों झोपड़ी में आये। आशंका जाहिर की है कि शराब के नशे में बेसुध होने के बाद भाई किशोरी झोपड़ी के अंदर पड़ा रहा। जब वह रात को घर नहीं पहुंचा तो गुरुवार की सुबह परिजनों ने जाकर देखा तो उसकी मौत हो चुकी थी। उसके शरीर में चोट व गले में रस्सी व गला दबाने के निशान मिले हैं। सूचना मिलते ही एसपी अरूण कुमार सिंह, अपर एसपी चक्रपाणि त्रिपाठी, सीओ राजकमल व थाना प्रभारी प्रवीण सिंह डॉग स्क्वाड, फिंगर प्रिंट एक्सपर्ट की टीम के साथ पहुंचे। पुलिस ने दोनों दोस्तों के खिलाफ हत्या की रिपोर्ट दर्ज कर सर्वेश को पकड़ लिया है। एसपी ने बताया कि इसके पीछे हत्यारोपी के मृतक की पत्नी से अवैध संबध होने की ग्रामीणों में चर्चा है। इसके अलावा सोना पांडेय से उधार लिये रुपये को लेकर विवाद होना भी बताया गया है। अधिक शराब पीने के बाद विवाद में जान जाने की भी बात है।

हिन्दी दैनिक विजडम इंडिया

स्वामी,मुद्रक एवं प्रकाशक श्री शील कुमार शुक्ला द्वारा हिन्दुस्तान समाचार फीचर सेवा लि0 ,94, एम0जी0 मार्ग, हजरतगंज, लखनऊ से छपवाकर 633/387,गेहमर कुंज कालोनी, फैजाबाद रोड, चिनहट, लखनऊ उ0प्र0 से प्रकाशित।

सम्पादक–शील कुमार शुक्ला

सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ मान्य होगा।